जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 359 प्रभात अजमेर, रविवार 28 जुलाई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा का कार्यकाल छः माह और बढ़ा

ऐसा माना जा रहा है कि प्र.मंत्री मोदी व संघ प्रमुख मोहन भागवत के बीच पार्टी को कंट्रोल करने के लिये चल रही खींचतान के कारण नड्डा को एक्सटैंशन देना आवश्यक हो गया था

- रेणु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा अगले 6 माह तक पार्टी अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है तथा अब वे कार्यकाल विस्तार पर हैं।

उनका कार्यकाल क्यों बढ़ाया गया, जबकि उनके स्थान पर कोई अन्य नेता अध्यक्ष बनना था। इसीलिये तो उन्हें एन.डी.ए. सरकार के गठन के समय केन्द्रीय मन्त्री बनाया गया था।

नया अध्यक्ष न बनाये जाने के पीछे मूल कारण आर.एस.एस. प्रमुख मोहन भागवत एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच चल रही रस्साकशी है। भागवत चाहते हैं कि उनकी पसंद का कोई कट्टर आर.एस.एस. समर्थक व्यक्ति भाजपा अध्यक्ष बने, जिससे पार्टी का नियन्त्रण फिर से उनके हाथों में आ जाये, जो मोदी–शासन के दस वर्षों के दौरान, उनके हाथों से निकल गया है।

दूसरी तरफ, मोदी अपनी पसन्द का कोई व्यक्ति चाहते हैं, जिससे पार्टी

- यह भी माना जा रहा है कि मोहन भागवत नया भाजपा अध्यक्ष पूर्णतया आर.एस.एस. का कट्टर समर्थक चाहते हैं। जिससे पुनः भाजपा पर उनका पूर्णतया नियंत्रण हो।
- मोदी शासन के गत दस वर्षों में संघ का भाजपा में प्रभाव कम हो गया था तथा नये पार्टी अध्यक्ष के मार्फत भागवत पुनः भाजपा पर संघ का प्रभाव स्थापित करना चाहते हैं।
- छः माह में मोदी 75 वर्ष के हो जायेंगे तथा आडवाणी व मुरली मनोहर जोशी की भांति उन्हें भी रिटायर होना पड़ेगा तथा बागडोर युवा पीढ़ी के नेता को सौंपनी पड़ेगी।
- आर.एस.एस. मोदी को लोकसभा चुनाव के बीच ही रिटायर करना चाहती थी, जब भाजपा लोकसभा में अल्पमत में आ गयी थी, पर, मोदी ने सीधे एन.डी.ए. की ओर से प्र.मंत्री पद का उम्मीदवार बनकर भाजपा के संसदीय बोर्ड की भूमिका गौण कर दी थी।
- अब मोदी की आयु 75 वर्ष होने के बाद एक संघर्ष की स्थिति बनेगी तथा आर.एस.एस. मूल के सांसदों की भूमिका निर्णायक हो जायेगी। ऐसा माना जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ का रोल भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि निरंतर चर्चा जोर पकड़ती जा रही है कि मोदी-शाह द्वय योगी को हटाना चाहते हैं।

तथा सरकार दोनों में ही सत्ता उनके नियन्त्रण में रहे। इसलिए, नए अध्यक्ष का निर्णय अभी टाल दिया गया है।

अगले छः महीने, मोदी 75 वर्ष की आयु को पार कर लेंगे। यही आयु–सीमा रिटायर होने के लिये तय की गई है, जिससे अपेक्षाकृत युवा नेता सत्ता के संचालन तन्त्र में आ सकें।

यहाँ यह याद दिलाना उचित होगा कि एल.के.आडवाणी तथा मुरली मनोहर जोशी तथा अन्य उम्रदराज नेताओं को रिटायर कर सत्ता से बाहर कर दिया गया था, क्योंकि वे लोग 75 वर्ष के हो चुके थे। आर.एस.एस. मोदी शासन का अन्त करने तथा उनके स्थान पर अपनी पसंद का नेता लाने के लिये कारणों की तलाश रही है। जब 2024

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जे.डी.ए. सचिव गिरफ्तारी वॉरंट और जे.डी.सी. जमानती वॉरंट से तलब

जयपुर, 27 जुलाई (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, चतुर्थ ने पृथ्वीराज नगर (पी.आर.एन.) में भूखंड देने से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट तक केस हारने के बाद भी, 11 साल में आयोग के आदेश की पालना नहीं करने

- जिला उपभोक्ता आयोग ने पृथ्वीराज नगर योजना में भूखंड देने के एक मामले में यह आदेश दिए। इस मामले में जे.डी.ए. सुप्रीम कोर्ट में भी हार चुका है फिर भी परिवादी शंभुदयाल अग्रवाल को भूखंड नहीं दिया गया।

पर जे.डी.ए. सचिव हेमपुष्पा शर्मा के गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं।

आयोग ने गांधी नगर एस.एच.ओ. को निर्देश दिया है कि वे सचिव को गिरफ्तार कर 12 अगस्त को आयोग के समक्ष पेश करें। इसी के साथ आयोग ने जे.डी.सी. मंजू राजपाल को भी 10 हजार रुपए के जमानती वारंट से 12 अगस्त को तलब किया है और वारंट की तामील की जिम्मेदारी गांधीनगर एस.एच.ओ. को दी है। आयोग ने यह आदेश परिवादी शम्भूदयाल अग्रवाल के प्रार्थना पत्र पर दिया। प्रार्थना पत्र में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीति आयोग प्रकरण में ममता बनर्जी की मजबूरी झलकती है?

नीति आयोग की बैठक में उन्होंने महसूस किया कि वे अलग-थलग पड़ गईं और एकमात्र गैर-भाजपा मु.मंत्री बनकर रह गईं, जो नीति आयोग की बैठक में भाग ले रही हैं

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। हर तरीके से ममता बनर्जी राष्ट्र का ध्यान उनकी ओर आकर्षित करने के लिए बेताब हो रही हैं क्योंकि अब वो राष्ट्रीय राजनीति में शुन्य पर चली गईं हैं।

ममता बनर्जी ने दिल्ली में आयोजित नीति आयोग की बैठक पर अपने क्रोध का इज़हार किया और दावा किया कि उन्हें बैठक में अपनी बात रखने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। उन्होंने उनके साथ हुई घटना के बारे में दावे के साथ कहा कि उनका माइक जानबूझकर बंद कर दिया गया था।

उनके इस बेबुनियाद आरोप के जवाब में केन्द्र सरकार ने उनके इस दावे का खंडन किया कि उनका माइक बंद कर दिया गया था, सरकार ने दावे के साथ कहा कि यह आरोप सत्य नहीं है।

दुसरी तरफ, बंगाल से उनके इंडिया गठबंधन के एक प्रतिनिधि ने उनके इस दावे को बकवास बताया।

पश्चिम बंगाल से कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी जो एक बार संसद में विपक्ष के नेता रह चुके हैं उन्होंने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वे राहुल गांधी के

- अतः उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं बचा, इसके अलावा नीति आयोग की बैठक के बीच में बायकॉट का नाटक रचकर वॉकआउट करें।
- प्रैस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पी.आई.बी.) ने ''फैक्ट चैक'' करके अपना निर्णय सुनाया कि ममता बनर्जी का दावा गलत है कि उनका ''माइक'' बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने का पर्याप्त समय नहीं दिया गया। पी.आई.बी. के अनुसार उन्हें जो समय आवंटित था, उन्होंने न केवल उसका पूरा उपयोग किया, बल्कि अपने आवंटित समय से ज्यादा समय लिया और उनका समय खत्म होने के बाद भी उनको रोकने के लिये घंटी भी नहीं बजाई थी।
- कांग्रेस के बंगाल के नेता अधीर रंजन चौधरी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता भी रह चुके हैं, ने सार्वजनिक बयान में कहा, ममता बनर्जी को भारी जलन हो रही है राहुल गांधी से, क्योंकि वे लोकसभा में विपक्ष के नेता ही नहीं बने, बल्कि इण्डिया गठबंधन की राजनीति अब उनके चारों तरफ ही घूम रही है।

राष्ट्रीय राजनीति में मुख्य भूमिका में आने के कारण उनसे बहुत ''ईर्ष्या'' करती हैं।

अधीर रंजन ने कहा कि ममता बनर्जी यह जानती थीं कि नीति आयोग की बैठक में क्या होने वाला है इसलिए उन्होंने अपनी ओर ध्यान केन्द्रित करने के लिए जानबूझकर यह सब नाटक किया था। ममता बनर्जी प्रधानमंत्री की उपस्थित में दिल्ली में आयोजित नीति

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान से बैंगलुरू भेजा गया 14,000 किलोग्राम संदिग्ध ''डॉग मीट'' जब्त

समझा जाता है कि बैंगलुरू में रैस्त्रां अपने ग्राहकों को मटन के नाम पर डॉग मीट परोस रहे हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। संभावना है कि बेंगलुरू के रैस्त्रां और भोजनालय अपने ग्राहकों को कुत्ते का मांस (डॉग मीट) परोस रहे हैं। यह बात तब सामने आई, जब पुलिस व स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने राजस्थान से आई एक ट्रेन से कार्टनों में भरकर आया संदिग्ध डॉग मीट जब्त किया।

स्थानीय पुलिस के अनुसार, व्यापारी लोग आमतौर पर ट्रेन से मांस के कार्टन भेजते हैं। कुछ आकलनों के अनुसार, राजस्थान से तकरीबन 14,000 किलो मांस ट्रेन से बेंगलुरू भेजा जाता है। शुक्रवार को स्थानीय पुलिस तथा फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया के कर्मियों ने जयपुर– मैसूर एक्सप्रेस से आए संदिग्ध डॉग मीट के 150 कार्टन जब्त किए। फूड सेफ्टी एण्ड स्टैण्डर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इण्डिया (एफ.एस.एस.ए.आई.) ने एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में बताया कि मांस के सैम्पल जांच व परीक्षण के लिए लैबोरेटरी भेजे गए हैं। यह भी कहा गया

- स्थानीय पुलिस ने बताया कि जयपुर-मैसूर एक्सप्रैस से 14,000 किलोग्राम मांस के कार्टन राजस्थान से बैंगलोर भेजे गए थे।
- स्थानीय पुलिस व फूड सेफ्टा एण्ड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों को खबर मिली कि कार्टनों में संभवतया ''डॉग मीट'' है।
- बेंगलुरू के यशवंतपुर रेल्वे स्टेशन पर जब ये कार्टन ट्रकों में लादे जा रहे थे तब पुलिस ने इन्हें जब्त कर लिया और सैम्पल टैस्ट के लिए भेजे हैं।
- अगर साबित हो गया कि यह डॉग मीट है तो दोषियों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कि प्रतिबंधित पशु मांस भेजने और रैस्त्रां तथा भोजनालयों को बेचने के दोषी पाए गए लोगों को सख्त सजा दी जाएगी।

गौ रक्षक समूहों के अनुसार, राजस्थान से हर रोज बड़ी तादाद में मांस ट्रेन से बेंगलुरू आता है। शुक्रवार को अधिकारियों ने बेंगलुरू के यशवंतपुर रेलवे स्टेशन पर मीट के ट्रकों को पकड़ा, जिन पर शहर में वितरण के लिए मांस के कार्टन लादे जा रहे थे। यह माल जयपुर– मैसूर एक्सप्रेस से आया था। सूचना मिलने पर बी.बी.एम.पी. (बृहत बेंगलुरू महानगर पालिका) के स्वास्थ्य अधिकारी तुरंत रेलवे स्टेशन पहुँचे।

ज्ञातव्य है कि डॉग मीट के व्यापार पर प्रतिबंध है तथा नागालैण्ड, मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश में, जहाँ कथित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्लीः कोचिंग सैन्टर के बेसमैंट में पानी भरा, दो स्टूडैंट्स की मौत

नई दिल्ली, 27 जुलाई। दिल्ली में बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर जाने की जानकारी सामने आई है। सेंट्रल दिल्ली के राजेंद्र नगर में यू.पी.एस.सी. एग्जाम की तैयारी कराने वाले एक कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भर गया। घटना में दो छात्राओं के मौत की खबर है। घटना की जानकारी मिलते ही

- दिल्ली के राजेन्द्र नगर इलाके में बारिश के बाद कोचिंग के बेसमैंट में पानी भर गया, जिससे वहां क्लास ले रहे कई स्टूडैंट्स फंस गये तथा दो छात्राओं की मौत की जानकारी सामने आई है।

फायर और एनडीआरएफ की टीमें बचाव के लिए पहुंचीं। घटना राव आई.ए.एस. स्टडी सैंटर की बताई जा रही है। दिल्ली सरकार ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए हैं।

घटना पर डी.सी.पी. सैंट्रल एम हर्षवर्धन ने बताया कि शाम 7 बजे हमें सूचना मिली कि राजेंद्र नगर में एक यू.पी.एस.सी. कोचिंग संस्थान के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी ने भविष्य में आयोजित नीति आयोग की किसी भी बैठक में भाग न लेने की धमकी दी

विपक्ष के नेता ममता बनर्जी का समर्थन करते हुए नज़र आये

- श्रीनन्द झा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज नीति आयोग की चल रही बैठक से बीच में ही बाहर आई और आरोप लगाया कि उन्हें बैठक में बहुत कम समय बोलने दिया। उन्होंने सिर्फ इतना ही नहीं कहा बल्कि यह भी धमकी दी कि वे भविष्य में आयोजित होने वाली बैठकों में उपस्थित नहीं होंगी। बनर्जी ने कहा कि नीति आयोग के पास कोई वित्तीय शक्तियां नहीं हैं। इस संस्था को या तो वित्तीय शक्तियों से समर्थ बनाया जाए, या फिर जो पहले योजना आयोग था उसे पुनर्जीवित किया जाए।''

विपक्षी नेताओं ने भी बनर्जी की इस शिकायत का साथ दिया कि बैठक में उनके भाषण को छोटा कर दिया क्योंकि उनके भाषण के दौरान उनके माइक की आवाज बंद कर दी गई थी। इस घटना पर स्टालिन ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ''क्या यही सहभागिता वाला संघवाद है? क्या एक मुख्यमंत्री से व्यवहार का यही तरीका है ? भाजपा की केन्द्र सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि विपक्षी दल हमारे लोकतंत्र का

- तमिलनाडू के मु.मंत्री स्टालिन ने कहा, ऐसा बर्ताव किसी भी मु.मंत्री से नहीं किया जा सकता। विपक्ष प्रजातंत्रीय व्यवस्था का हिस्सा है कोई शत्रु नहीं, जिसे इस तरह चुप कराया जा सकता है।
- लालू यादव ने कहा, ''फेल्ड आइडिया'' (असफल सोच) है नीति आयोग, योजना आयोग वो ही काम कर रहा था, जो नीति आयोग से अपेक्षा है। मोदी सरकार ने योजना आयोग केवल इसलिये भंग किया क्योंकि यह नेहरू जी के समय गठित हुआ था।
- बहरहाल दिल्ली में ममता बनर्जी अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता से उनके घर जाकर मिलीं तथा पूरा समर्थन देने का वादा किया।
- इसी प्रकार वे मुम्बई यात्रा के दौरान वरिष्ठ नेता शरद पवार व उद्धव ठाकरे से भी मिली थीं, विपक्ष में एकता दिखाने के लिये।

अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें चुप कराने के लिए उनके साथ शत्रुओं जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए।''

इस मामले पर लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) ने भी सरकार को आड़े हाथों लिया और नीति आयोग को एक ''विफल विचार'' बताया। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने नीति आयोग पर टिप्पणी करते हुए कहा ''नीति आयोग क्या है? यह वह निकाय है जिसे एक विशेष अकादमिक अभ्यास के लिए गठित किया है। इससे क्या उपलब्धि प्राप्त हुई है? साफतौर से कुछ भी नहीं। योजना आयोग से क्या परेशानी थी? सिर्फ यह कि वह नेहरू के समय से चली आ रही थी, इसलिए नीति आयोग का गठन किया गया। परन्तु आप नेहरू युग की कई चीजों को अभी तक चला आ रहा था।

मीडिया के एक वर्ग ने ममता बनर्जी के नीति आयोग की आज की बैठक में उपस्थित होने के निर्णय को इंडिया गठबंधन में बढ़ती हुई दरार कहा था, क्योंकि विपक्ष–शासित सात राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने ''भेदभावपूर्ण बजट प्रस्तावों'' के विरोध में नीति आयोग की बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय किया था। उन्होंने बजट प्रस्तावों को विपक्ष शासित राज्यों की उपेक्षा और उनके साथ भेदभाव करने के समान बताया। इसका बनर्जी ने बैठक में लगभग उसी अंदाज में अपनी बात कही। इससे पूर्व बनर्जी ने जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता से मुलाकात की ओर उन्हें समर्थन का विश्वास दिलाया। कुछ सप्ताह पूर्व उनकी मुम्बई यात्रा के दौरान बनर्जी ने एन.सी.पी. (एस.पी.) के अध्यक्ष शरद पवार एवं शिव सेना (यू.बी.टी.) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल ने की बड़ी घोषणा

नई दिल्ली/जयपुर, 27 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कारगिल विजय दिवस (26 जुलाई) के अवसर पर सेना के अग्निवीरों के लिए बड़ी घोषणा की

- अग्निवीरों को राज्य पुलिस, जेल प्रहरी और वनरक्षक के रूप में आरक्षण मिलेगा।

है। उन्होंने कहा कि समर्पण और राष्ट्र भक्ति की भावना से देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले अग्निवीरों के लिए राजस्थान सरकार ने राज्य पुलिस, जेल प्रहरी और वनरक्षक के रूप में आरक्षण का प्रावधान रखा है।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के इस फैसले से अग्निवीरों को देश की सेवा के बाद प्रदेश में भी काम करने का अवसर प्राप्त होगा।

'जब मैं नीति आयोग की बैठक में बोलने लगी तो मेरा माइक बंद कर दिया गया'

प.बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केन्द्र सरकार पर सनसनीखेज आरोप लगाकर बैठक से वॉकआउट किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 जुलाई। केन्द्र सरकार और गैर भाजपा शासित राज्यों के बीच बढ़ते मतभेद का स्पष्ट नज़ारा नीति आयोग की बैठक में दिखा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एकमात्र विपक्षी मुख्यमंत्री थीं जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हुई नीति आयोग की बैठक में शामिल हुई थीं, पर जब वो कुछ बोल रही थी उस समय उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया तो वे नाराज़ होकर मीटिंग छोड़कर बाहर आ गईं।

बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में राजनैतिक भेदभाव का आरोप लगाया। गैर भाजपा शासित राज्यों में से सिर्फ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही बैठक में शामिल हुई थीं और इंडिया ब्लॉक के बाकी सभी मुख्यमंत्रियों ने बैठक का बहिष्कार किया था।

बनर्जी का दावा है कि उनका माइक म्यूट कर दिय गया और सिर्फ 5 मिनट ही बोलने दिया गया। लेकिन केन्द्र सरकार ने प्रैस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो द्वारा फैक्ट चैक करवाकर इस दावे को खारिज कर दिया।

बनर्जी ने पत्रकारों से कहा कि, ''मैंने कहा था आपको (केन्द्र) राज्यों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए मैं बोलना चाहती थी पर मेरा माइक बंद था। मुझे सिर्फ 5 मिनट बोलने दिया गया पर मुझ से पहले वालों को 10–20 मिनट दिए गए थे। मैंने मीटिंग से वॉक आउट किया है। मैं भविष्य में कभी भी नीति आयोग की बैठक में हिस्सा नहीं लूंगी।''

- ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, मुझसे पहले सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 10-15 मिनट बोलने दिया गया। आंध्र के मुख्यमंत्री तो 20 मिनट बोले, पर मुझे सिर्फ 5 मिनट दिए गए।
- ममता बनर्जी ने वॉकआउट के बाद पत्रकारों से कहा कि मैं विपक्ष की तरफ से एकमात्र मुख्यमंत्री थी, उन्हें खुश होना चाहिए था और मुझे बोलने देना चाहिए था।
- बनर्जी ने कहा कि नीति आयोग की मीटिंग में मेरे साथ जो व्यवहार हुआ वह सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान है।

ममता बनर्जी ने कहा कि मैंने मीटिंग में कहा केन्द्र सरकारों को राज्यों में भेदभाव नहीं करना चाहिए। सरकारें ऐसे नहीं चलतीं। सभी से समान व्यवहार करना चाहिए। भाजपा शासित राज्यों और भाजपा समर्थक राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 15–20 मिनट बिना किसी टोकाटाकी के बोलने दिया गया। असम, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री 10–15 मिनट बोले। आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू 20 मिनट बोले। बनर्जी ने आगे कहा, ''मैं एक मात्र मुख्यमंत्री थी, जो विपक्ष शासित राज्य से थी। उन्हें इसके बारे में खुश होना चाहिए था और मुझे बोलने देना चाहिए था।''

बनर्जी ने कहा कि उनके साथ जो व्यवहार हुआ है वह सभी क्षेत्रीय दलों का अपमान है।

विपक्षी दलों ने पूर्व में आरोप लगाया था कि बजट में आंध्र व बिहार पर मेहरबानी की गई क्योंकि केन्द्र सरकार इन दो राज्यों के समर्थन पर टिकी है।

कांग्रेस ने तो पहले ही कह दिया था कि पक्षपाती बजट के विरोध में कांग्रेस के मुख्यमंत्री नीति आयोग की बैठक में भाग नहीं लेंगे।

अन्य विपक्षी दलों ने भी बजट में पक्षपात के खिलाफ नीति आयोग की बैठक में भाग लेने से मना कर दिया था। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बायकॉट की घोषणा करने की शुरुआत की। उसके बाद कांग्रेस शासित राज्यों जैसे हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक व तेलंगाना ने भी बैठक के बहिष्कार की घोषणा की और फिर पंजाब, केरल व झारखंड ने भी यही रूख अपनाया।

अनंतनाग में वाहन खाई में गिरा, आठ लोगों की मौत

श्रीनगर, 27 जुलाई। जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को एक वाहन के खाई में गिर जाने से पांच बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हादसा डकसुम किश्तवाड़ रोड पर अरशान के पास हुआ।

अधिकारियों ने कहा कि वाहन किश्तवाड़ से डकसुम की ओर जा रहा था, तभी चालक ने नियंत्रण खो दिया और खाई

- मरने वाले सभी लोग एक ही परिवार के थे।

में लुढ़क गया, जिससे एक ही परिवार के आठ लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना के तुरंत बाद, वरिष्ठ नागरिक और पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों में पांच बच्चे और दो महिलाएं शामिल हैं।

मृतकों की पहचान किश्तवाड़ के पुलिसकर्मी इम्तियाज राथर, अफरोजा बेगम, रेशमा और छह से 15 साल की उम्र के बीच के पांच बच्चों के रूप में की गई। जम्मू–कश्मीर के उपराज्यपाल, मनोज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मूर्ख आदमी अपने बड़े से बड़े दोष अनदेखा करता है,
किन्तु दूसरे के छोटे से छोटे दोष को देखता है। –संस्कृत सूक्ति

गरीबी दूर करने के लिए शिक्षा की अनिवार्यता

शिक्षा एक सतत प्रक्रिया है जिसके माध्यम से व्यक्ति ज्ञान, कौशल, मूल्य, और व्यवहार सीखते हैं, जो उनके बौद्धिक, नैतिक, और शारीरिक विकास को बढ़ाते हैं। यह व्यक्तियों को समाज में सक्रिय और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करती है, नवीन विचार और प्रौद्योगिकी सीखने के अवसर प्रदान करती है, और इस प्रकार जीवन में सफलता प्राप्त करने में सहायक होती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान को रटना नहीं, बल्कि विश्लेषणात्मक समझ और क्रिटिकल थिंकिंग के कौशल का विकास करना है, जो व्यक्तियों को जानकारी का उपयोग कर समस्याओं का समाधान करने और जीवन में उन्नति करने में सक्षम बनाता है।

आइए देखें कि विश्व भर में उच्च शिक्षा और गरीबी के बीच संबंध कैसे हैं। जैसे, स्कैंडिनेवियाई देशों में जहां शिक्षा का स्तर उच्च है, वहाँ गरीबी अत्यंत कम है। ये देश शिक्षा में भारी निवेश करते हैं और शिक्षा सभी के लिए सुलभ है। इसके विपरीत, अफ्रीकी महाद्वीप के कई देशों में शिक्षा की पहुँच सीमित है और गुणवत्ता कम है, जिससे ये देश गरीबी में डूबे हुए हैं। इससे स्पष्ट है कि शिक्षा का स्तर और गरीबी के बीच सीधा संबंध है।

पढ़े-लिखे लोग स्वयं को गरीबी से बाहर कैसे कर लेते हैं और गरीबी से मुक्त होकर पुनः वापस गरीबी में गिरने से बचने में अधिक सक्षम और समर्थ कैसे रहते हैं? वस्तुतः इस मैकेनिज्म ऑफ़ एक्शन को समझने के लिए इस विषय पर वर्ष 2024 तक 33,232 शोधपत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इस विषय पर 700 से अधिक शोधपत्र ऐसे हैं जिनके शीर्षक में शिक्षा और गरीबी का सन्दर्भ है। आइये देखते हैं, शिक्षा किस प्रक्रिया से गरीबी दूर करती है और पुनः गरीबी में गिरने से बचाती है।

शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति को न केवल बेहतर रोजगार मिलते हैं, बल्कि यह उन्हें समाज में सक्रिय और जागरूक नागरिक बनने में भी सहायक होती है। वर्ष 2024 में 38 देशों के आंकडों के आधार पर प्रकाशित एक शोध के अनुसार, उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार न केवल समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देता है बल्कि आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन में भी सहायक होता है। विश्व बैंक के अनुसार, शिक्षित व्यक्ति उच्च आय वाली नौकरियों के लिए योग्य होते हैं और उनके पास बेहतर स्वास्थ्य और जीवन स्तर तक पहुँच होती है, जिससे समाज के समग्र विकास में योगदान मिलता है।

अध्ययन यह भी बताता है कि उच्च शिक्षा का प्रचार-प्रसार शैक्षिक विकास और वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी नवाचार को प्रोत्साहित करता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था पर गहरा धनात्मक प्रभाव पड़ता है। स्वाभाविक है सरकारों को उच्चकोटि की विद्यालयीन शिक्षा के साथ ही उच्च-शिक्षा के प्रसार पर ध्यान देना चाहिए ताकि देश के आर्थिक विकास और गरीबी उन्मूलन दोनों को बढ़ावा मिल सके। यूनेस्को की रिपोर्ट के अनुसार, प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष जो किसी व्यक्ति ने स्कूल में बिताया है, उससे उसकी औसत आय में 10 प्रतिशत की वृद्धि होती है। इससे न केवल व्यक्तिगत आय में सुधार होता है, बल्कि यह राष्ट्रीय आर्थिक विकास को भी बढ़ावा देता है। शिक्षा से लोगों को बेहतर रोजगार पाने, उद्यिमता की ओर बढ़ने और आर्थिक अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता मिलती है।

चीन में वर्ष 2024 में प्रकाशित एक अध्ययन शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के मध्य रिश्तों के साथ ही शिक्षा और सापेक्ष गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण में कमी पर किया गया। इसके निष्कर्ष स्पष्ट करते हैं कि जैसे-जैसे बच्चों की अनिवार्य शिक्षा की अवधि एक सेमेस्टर से बढ़ती है, उनके सापेक्ष गरीबी का अनुभव करने की संभावना 6-8 प्रतिशत तक कम हो जाती है। सापेक्ष गरीबी के अंतर-पीढ़ीगत संचरण को शिक्षा ही रोक सकती है।

यहां आपको याद रखना चाहिए कि शिक्षा भले ही गरीबी मिटाने के लिए जरूरी हो, पर गरीबी खुद शिक्षा प्राप्त करने में एक बड़ी बाधा है। गरीबी से जुडी चुनौतियाँ शैक्षिक उपलब्धियों में असमानता बढ़ाती हैं, जो बाद में आय, स्वास्थ्य और खुशहाली में भी असमानता का कारण बनती हैं। स्कूल सीधे तौर पर गरीबी का मुकाबला तो नहीं कर सकते, पर वे गरीबी के कलंक से निपटने और स्कूली शिक्षा को अधिक समान बनाने की नीतियाँ लागू कर सकते हैं। सरकारों को भी हर बच्चे को उनकी पसंद के विद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने के लिए जरूरी संसाधन मुहैया कराने चाहिए। इसके अलावा, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार और शिक्षकों की क्षमता बढ़ाने के लिए भारी निवेश की आवश्यकता है, जिससे भारत की शिक्षा प्रणाली में सुधार हो सके।

इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक अनिवार्य साधन है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर विकास को संभव बनाता है, जिससे एक समृद्ध, स्वस्थ और संतुलित समाज की नींव रखी जा सकती है। शिक्षा के माध्यम से, व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे समाज के लिए भी उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

दूसरी बात यह है कि शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सचेत रहते हैं और समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। इस प्रकार वे न केवल अपने लिए बल्कि समाज के अन्य वर्गों के लिए भी बेहतर परिस्थितियाँ बनाने में योगदान देते हैं।

तीसरी बात यह है कि शिक्षा सामाजिक असमानताओं को कम करने में मदद करती है। उच्च गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा प्राप्त कर लेने पर सभी के लिए समान अवसर प्राप्त होते हैं, चाहे व्यक्ति की आर्थिक या सामाजिक स्थिति कुछ भी हो। इससे समाज में व्याप्त जातिगत, लैंगिक और आर्थिक भेदभाव को कम करने में मदद मिलती है, और सभी वर्गों के लोगों को उनकी प्रतिभा और क्षमता के अनुसार आगे बढ़ने का मौका मिलता है। स्वाभाविक है कि जब व्यक्ति, परिवार, व समाज उन्नति करते हैं तो राष्ट्र उन्नति करता है।

अंततः, शिक्षा व्यक्तियों को नई तकनीकों और विचारों को अपनाने के लिए प्रेरित करती है, जो आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के लिए अनिवार्य हैं। इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ सतत विकास के लिए एक मजबूत आधार प्रदान करती है, जिससे न केवल व्यक्तिगत जीवन में सुधार होता है, अपितु समाज के हर क्षेत्र में प्रगति सुनिश्चित होती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि शिक्षा को हर स्तर पर प्रोत्साहित किया जाए और इसे सभी के लिए सुलभ बनाया जाए। इसके माध्यम से हम एक ऐसे समाज की नींव रख सकते हैं जो न केवल अधिक जागरूक और शिक्षित हो, बल्कि अधिक समृद्ध और समानता युक्त हो।

शिक्षा के महत्व को समझने और इसे व्यापक रूप से लागू करने के लिए, सरकारों, समुदायों और व्यक्तियों का सामूहिक प्रयास आवश्यक है। यह सहयोग न केवल शैक्षिक अवसरों को बढ़ाएगा बल्कि एक ऐसा वातावरण भी तैयार करेगा जहाँ हर व्यक्ति अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँच सके। इस प्रक्रिया से शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक महत्वपूर्ण साधन बन सकती है। इसलिए, शिक्षा को समाज के समग्र विकास के लिए एक प्राथमिकता के रूप में देखा जाना चाहिए।

यहाँ कुछ बातें ध्यान रखना आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से कौशल को बढ़ावा देना होगा। शिक्षा का अर्थ रट्टामार ज्ञान या रोट-लर्निंग नहीं, विश्लेषणात्मक समझ का विकास है। शिक्षा कौशल का मूल है। अगर कौशल विकास नहीं हुआ तो वह शिक्षा, शिक्षा नहीं है। अगर कौशल नहीं है तो डिग्रियां सिर्फ कागज का टुकडा हैं। लेकिन, जैसा कि हम पूर्व में बता चुके हैं कि गरीबी दूर करने में व्यक्ति को शिक्षित होने के साथ स्वस्थ भी होना चाहिए और वहां के समाज और प्रशासन व्यवस्था में शांति होनी चाहिए तथा बढ़िया पर्यावरण संरक्षण होना भी आवश्यक है। इन चारों को बहुत व्यापक अर्थ में समझना आवश्यक है।

इस प्रकार, शिक्षा गरीबी उन्मूलन और सतत विकास के लिए एक अनिवार्य साधन है। यह व्यक्तिगत और सामाजिक दोनों स्तरों पर विकास को संभव बनाता है, जिससे एक समृद्ध, स्वस्थ और संतुलित समाज की नींव रखी जा सकती है। शिक्षा के माध्यम से, व्यक्ति न केवल अपने जीवन में सुधार कर सकते हैं, बल्कि वे समाज के लिए भी उपयोगी और जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं। इसलिए, यह आवश्यक है कि सरकारें और समाज के सभी वर्ग शिक्षा को प्राथमिकता दें और इसे सुलभ बनाने के लिए आवश्यक संसाधनों का निवेश करें।

गरीबी एक ऐसा अभिशाप है जो न केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि पूरे समाज की प्रगति को भी रोकता है। इसके चंगुल से मुक्ति पाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण चार महत्वपूर्ण स्तंभ हैं जो न केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक अपितु सामाजिक और राष्ट्रीय उत्थान में सहायक हैं। यदि भारत के गावों में रहने वाले अति-गरीब की किस्मत बदलनी है तो उस परिवार के बच्चों की शिक्षा के लिए गाँव-गाँव उच्चकोटि के शिक्षक नियुक्त करने होंगे, समाज के लोगों को शिक्षक का सम्मान करना होगा, तभी शिक्षक उन बच्चों के दिल में परिवर्तन के लिए अपने उच्च विचारों की चिंगारी से जलती हुई आग पैदा करेगा। गरीबी से बाहर निकालने के लिए परिवर्तन की आग और उस आग को सदा जीवित रखने के लिए समाज द्वारा सम्मानित और उच्चकोटि के शिक्षकों द्वारा दिया ज्ञान ही यह परिवर्तन ला सकता है। तमाम बाकी उपाय आज तक असफल रहे हैं। चंद हजार की चाकरी में उच्चकोटि के शिक्षक नहीं पैदा किये जा सकते। दैनिक मजदूरी की दरों में संविदा कर्मी मिलते हैं, शिक्षक नहीं।

ऐसे शिक्षक जो अपने ज्ञान और उत्साह से बच्चों के दिलों में नई उम्मीद और सपने जगा सकें, वे गरीबी की जंजीरों को तोड़ने में मददगार सिद्ध हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि समाज भी शिक्षकों का सम्मान करे। शिक्षकों को सम्मान देना उन्हें प्रेरित करता है और उनके कार्य में गुणवत्ता लाता है। जब समाज शिक्षकों को उचित सम्मान देता है, तो शिक्षक भी अपने कार्य को और अधिक जिम्मेदारी और निष्ठा से निभाने का प्रयास करते हैं।

अंत में, यह समझना महत्वपूर्ण है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, शांति और पर्यावरण के संयोजन से ही गरीबी के गहरे अभिशाप को मिटाया जा सकता है। दुनिया में शायद ही कोई समाज ऐसा हो जो शिक्षित होकर भी गरीब हो। इसलिए, भारत के प्रत्येक बच्चे को उच्चकोटि की शिक्षा प्रदान करना न केवल आवश्यक है बल्कि यह भारत को डेमोग्राफिक डिविडेंड का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगा। गरीबी की भयावह और विकट परिस्थितियों को सकारात्मकता में बदलने की क्षमता हम सभी के भीतर है, बशर्ते हमारे हृदय में उस परिवर्तन की आग धधक रही हो। हालांकि, इस आग को संभालने के लिए सत्यनिष्ठा, आत्म-नियंत्रण, करुणा और परोपकार जैसे मानवीय गुण अत्यंत आवश्यक हैं, क्योंकि इनके बिना, यही आग हमें भस्म कर सकती है। इस प्रकार, हमें स्वयं के साथ समग्र समाज को उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने के लिए इन मूल्यों को भी अपनाना होगा। शिक्षा मानव को सामर्थ्य प्रदान करती है, जिससे उनमें समर्थता आती है और यह समर्थता उन्हें निर्भय बनाती है, जिससे वे समाज में सशक्त रूप से उभरते और उन्नति करते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(इंडियन फारेस्ट सर्विस से सेवानिवृत्त, वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान सहित अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं।)

समृद्ध और विकसित भारत का बजट

सतीश पूनिया

केंद्र सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में विकसित भारत की रूपरेखा तैयार की है। यह बजट विकसित भारत के लिए महत्वपूर्ण पड़ाव है, जिसकी तैयारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों से बहुत पहले ही कर दी थी। देश की आर्थिक प्रगति के लिए यह बजट ग्रोथ इंजन का काम करने वाला है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में देश के सभी सैक्टर, और सभी वर्गों का ध्यान रखा है। वित्त मंत्री ने वेतन भोगियों, किसानों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों के लिए कई घोषणाएं की हैं। सही मायने में यह सर्वस्पर्शी और समावेशी बजट है। वित्त मंत्री ने बजट में नौ प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर फोकस किया है। इनमें कृषि में उत्पादकता और लचीलापन, रोजगार और कौशल, समावेशी मानव संसाधन विकास और सामाजिक न्याय, विनिर्माण और सेवाएं, शहरी विकास, ऊर्जा सुरक्षा, बुनियादी ढांचा, नवाचार, अनुसंधान और विकास तथा अगली पीढ़ी के सुधार जैसे महत्वपूर्ण सैक्टर शामिल हैं। इनमें आवंटित बजट से आगामी वर्षों में होने वाले कार्यों से विकसित भारत की तस्वीर उभरने लगेगी।

देश में रोजगार और काम की तलाश के लिए संघर्षरत युवाओं के लिए बजट में सात बड़ी घोषणाएं की गई हैं। मोदी सरकार ने रोजगार और कौशल विकास जैसे सैक्टर के लिए एक लाख अड़तालीस हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। रोजगार से संबंधित प्रोत्साहन योजनाओं से अगले पांच साल में चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को नौकरी, कौशल विकास या फिर अन्य अवसर उपलब्ध करवाएं जाएंगे। इससे बड़ी संख्या में युवा शक्ति को काम मिलेगा। भारत की आर्थिक प्रगति में मध्यम आय वर्ग की बड़ी भूमिका रहती है। मध्यम आय वर्ग को आयकर में छूट देकर राहत देने का काम किया है। इससे मध्यम आय वर्ग की जेब में बचा पैसा देश की अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में एक संवाहक का काम करेगा। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 29 जनवरी 1962 में एक लेख में खेती के बारे में लिखा था कि "देश के आर्थिक विकास का आधार खेती है। क्योंकि भारत में 72 फ़ीसदी जनसंख्या की आय का मुख्य स्त्रोत खेती ही है और राष्ट्रीय आय का आधा हिस्सा खेती से आता है। इस कारण खेती को पहली प्राथमिकता दी जानी चाहिए।" पंडित दीनदयाल उपाध्याय की अनुयायी भारतीय जनता पार्टी के लिए खेती और कृषि हमेशा प्राथमिकता में रहे हैं।

इस बजट में भी कृषि और किसानों पर विशेष फोकस रहा है। कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने डेढ़ लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। खेती में इनोवेटिव टेक्नोलॉजी, प्राकृतिक खेती और मौसम के अनुकूल फसलों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। बजट में ऐलान किया गया है कि अगले दो साल में एक करोड़ किसानों की प्राकृतिक खेती में मदद की जाएगी। सरकार दलहन और तिलहन के लिए मिशन की शुरुआत करेगी। सरकार इन नकदी फसलों के उत्पादन और मार्केटिंग तंत्र को मजबूत कर उत्पादकों को मजबूत करने का काम करेगी। मोदी सरकार हमेशा से कृषि क्षेत्र में नवाचार का समर्थक रही है। इस बजट में भी खेती के लिए डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की बात कही गई है। अक्सर मौसम की मार झेलने को अभिशिप्त किसानों को मौसम का पूर्वानुमान, फसल संबंधी सलाह और बाजार में चल रही कीमतों के बारे में किसानों को अपडेट मिल सकेगा। देशभर के छह करोड़ किसानों की जमीनों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त चार सौ जिलों में फसलों का डिजिटल सर्वे भी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार ने कृषि बजट बढ़ाकर इस साल कृषि और संबद्ध क्षेत्र के लिए 1.52 लाख करोड़ का प्रावधान रखा है, जो मोदी सरकार का किसानों के प्रति समर्पण मजबूती से स्थापित करता है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से लेकर और अब पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने किसान क्रेडिट कार्ड स्कीम को मजबूती देकर देश के करोड़ों किसानों को संबल दिया है, अब इसी क्रम में पांच राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड भी जारी किए जाएंगे जो अन्नदाता किसान को एक बड़ी ताकत देने का काम होगा। महात्मा गांधी कहते थे भारत की आत्मा गांवों में बसती है।

जब तक गांवों को मजबूत नहीं किया जाएगा, देश का उन्नयन संभव नहीं है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर मोदी सरकार पिछले दस वर्षों से लगातार काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी या इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार की बात हो, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए मोदी सरकार ने उल्लेखनीय कार्य किया है। इस बजट में भी देश के पच्चीस हजार गांवों को हर मौसम के अनुकूल ऑल वेदर रोड के नेटवर्क का प्रावधान किया गया है। इसमें पच्चीस हजार ग्रामीण बस्तियों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ऑल वेदर रोड के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नए चौथे चरण की शुरूआत की जाएगी।

इसके अलावा गांव और गरीबों से जुड़ी पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, मनरेगा, ग्राम स्वराज अभियान, जल जीवन मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक न्याय और यूरिया सब्सिडी जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं पर दस लाख 76 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया है। गरीब कल्याण अन्न योजना को एनडीए सरकार ने फिर अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवंटन 35.36 प्रतिशत बढ़ाकर मोदी सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि हर घर विहीन नागरिक को घर उपलब्ध करवाना उनकी प्राथमिकता में है। भाजपा नीत केंद्र सरकार शहरों में आर्थिक तौर पर कमजोर और मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदने में सहायता देकर उन्हें आवास उपलब्ध करवाने में मदद कर रही है। वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि पीएम आवास योजना अर्बन के अंतर्गत अगले पांच साल में दस लाख करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। केंद्र सरकार ने योजना के दूसरे चरण में अगले पांच साल में एक करोड़ शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को घर मुहैया करवाने का लक्ष्य रखा है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ उनके सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया है। वित्त मंत्री ने महिलाओं और लड़कियों के लिए तीन लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार का जोर महिलाओं को विशेष स्किल में प्रशिक्षित करना है। इसके लिए देश की इंडस्ट्री के साथ मिलकर महिलाओं के कौशल विकास के लिए स्किलिंग कार्यक्रम चलाए जाने की घोषणा की गई है। महिला स्वयं सहायता समूहों को उत्पादों को बाजार उपलब्ध करवाने में भी सहायता की जाएगी। इससे देश की नारी शक्ति को बल मिलेगा और देश की अर्थव्यवस्था की गति को और ताकत मिलेगी। भारत में रोजगार उपलब्ध करवाने में छोटे तथा मझौले उद्यमों का बड़ा योगदान रहा है। देश की जीडीपी में इस सैक्टर की भागीदारी एक तिहाई से ज्यादा है। ट्रेड और मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी संख्या में एमएसएमई सैक्टर रोजगार उपलब्ध करवाते हैं। वित्त मंत्री ने देश में तीस लाख नए रोजगार के लिए एमएसएमई सैक्टर को ग्रोथ इंजन बनाने की घोषणा की है।

सरकार ने इस सैक्टर की लंबित मांग को पूरा करते हुए ऋण सीमा सौ करोड़ रुपए तक करने की घोषणा की है। गौरतलब है कि एमएसएमई सैक्टर में देश में सवा तीन करोड़ से ज्यादा महिलाओं को रोजगार मिला हुआ है। वर्ष 2025 तक पांच करोड़ महिलाओं को एमएसएमई से जोड़ने के लक्ष्य पर सरकार काम कर रही है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह सरकार का मजबूत कदम है। एक समय था जब युवा कोई स्टार्टअप शुरु करने से पहले यह सोचता था कि उसके लिए फंड कहां से जुटेगा। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्टअप योजना के बाद देश में स्टार्टअप के लिए फंड जुटाना बहुत आसान हो गया है।

देश में अप्रैल 2024 तक एक लाख 27 हजार स्टार्ट-अप कार्य कर रहे हैं। स्टार्टअप को और गति देने के उद्देश्य से बजट में एनडीए सरकार ने एंजल टैक्स हटाने की घोषणा की है। इस टैक्स के हटने से स्टार्टअप नवाचारों पर ज्यादा खर्च कर सकेंगे, उन्हें फंड जुटाना भी आसान होगा और देश में स्टार्टअप के इकोसिस्टम को बढ़ावा मिलेगा। निश्चित ही भाजपा नीत एनडीए सरकार का यह बजट देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के नए मानक स्थापित करेगा। बजट से युवा, मध्यम वर्ग, किसान, महिलाओं की उन्नति के साथ देश के आधारभूत ढांचे और उद्योग तंत्र को नया बल मिलेगा।

(लेखक भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं)
–डॉ. सतीश पूनिया,
(भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष)

भामाशाह ने भौनावास पी.एस.सी. की दशा सुधारी

15 लाख की लागत के मेडीकल उपकरण व अस्पताल में कराया विकास कार्य

पावटा, (निसं)। राजकीय अस्पतालों का नाम सामने आते ही टूटी-फूटी बिल्डिंग, फर्नीचर का अभाव और दवाइयों की कमी की तस्वीर उभरती है। लेकिन पावटा पंचायत समिति की ग्राम पंचायत भौनावास में एक ऐसा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी है जहां न केवल शानदार भवन और फर्नीचर है बल्कि निजी चिकित्सालयों जैसी सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं।

यह तस्वीर पीएचसी का सबसे बड़ा भवन भौनावास प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की है। जिसका श्रेय भामाशाह सेठ विशंभर दयाल को जाता है। जिन्होंने 35 साल पहले सरकार राजकीय अस्पताल के लिए न केवल जमीन दी बल्कि 24 बड़े कमरों का दो मंजिला भवन बना कर दिया। जिसमें दो बडे वार्ड व साथी डॉक्टर के लिए अलग से क्वार्टर भी बनाकर दिये गए हैं। समय-समय पर भवन का रख रखाव रंग रोगन भी भामाशाह परिवार द्वारा करवाया जाता है।

भौनावास का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किसी प्राईवेट अस्पताल से कम नहीं है।

पूर्व सरपंच राजपाल सिंह शेखावत ने बताया कि भामाशाह सेठ के सुपुत्र श्यामसुंदर एंड कंपनी व भाई 15 लाख रुपए की लागत से अभी आठ बेड, आठ लॉकर, दो कंप्यूटर, दो एसी, पूरे परिसर में इंटरलॉक टाइल, पूरे परिसर का मरमत व रंग रोगन करवाइए करवाई है। सरपंच रेवती कंवर, डॉ. विजय यादव, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर कैलाश यादव, महेश, ममता, देवेंद्र, रामनिवास, अजय, किशोरी, मुकेश, सरोज समेत ग्रामीणों ने भामाशाह परिवार को धन्यवाद दिया ।

बिजली कर्मचारी ने घायल मोर की जान बचाई

सांभरझील, (निसं)। जी.एस.एस. के नजदीक 11 केवी लाइन पर बैठा मोर करंट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद निगम के गार्ड राजेंद्र कुमार मीणा व विद्युतकर्मी टीकमचंद कुमावत धड़ाम की आवाज सुनकर तत्परता से दौड़े और घायल मोर को संभाला। अपने स्तर से जो भी प्रयास थे करके मोर की जान बचाई। बताया कि यह मोर काफी देर से विद्युत लाइन पर बैठा हुआ था

और वहां से उड़ने के लिए जैसे ही उसने पंख फैलाए पंख का हिस्सा दूसरे तार से टच कर गया और करंट के कारण उसका पांव डैमेज हो गया।

सांभर में करंट से घायल राष्ट्रीय पक्षी मोर की बिजली कर्मचारी ने जान बचाई।

इनकी ओर से वन विभाग के श्यामश्री शर्मा को सूचना दी तो उन्होंने एनजीओ से बात करके कुछ सदस्यों को सांभर भिजवाया। इसकी सूचना पुलिस को भी दी गई थी।

एनिमल रेस्क्यू टीम के सदस्य रोशन कुमावत, श्याम सिंह, पिंटू कुमावत, श्याम सुंदर जांगिड़, राधे दायमा, एनिमल वेलफेयर संस्था अध्यक्ष रोशन कुमावत, सदस्य हेमंत (टोनी) मौके पर मौजूद रहे और घायल पक्षी का प्राथमिक उपचार कर वन विभाग की नर्सरी पहुंचाया।

राशिफल रविवार 28 जुलाई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:48 तक, शूल योग रात्रि 8:11 तक, बालव करण प्रातः 8:24 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-सिंह, गुरू-वृष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:48 तक है। आज कालाष्टमी, वन महोत्सव दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 7:33 से 9:13 तक, लाभ-अमृत 9:13 से 12:33 तक, शुभ 2:13 से 3:33 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 7:13

मेष

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मिथुन

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क

महत्वपूर्ण कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

सिंह

शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। मन में असंतोष बना रहेगा। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धार्मिक स्थान की यात्रा हो सकती है।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में मांगलिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में आपसी अनबन, वाद-विवाद बढ़ सकते हैं।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मुलाकात हो सकती है।

'गुरु वंदन कार्यक्रम ए.बी.आर.एस.एम. की अनूठी और प्रेरक पहल है'

कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतमाता व महर्षि के चित्रों के समक्ष दीप-प्रज्वलन एवं गुरु वन्दना से हुआ।

अजमेर, (कासं)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर में अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (उच्च शिक्षा) राजस्थान की स्थानीय इकाई के तत्वावधान में गुरु-वन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भारतमाता व महर्षि वेदव्यास के चित्रों के समक्ष दीप-प्रज्वलन एवं गुरु वन्दना से हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अनिल शुक्ला रहे। प्रो शुक्ला ने महासंघ द्वारा गुरुवंदन कार्यक्रम प्रतिवर्ष आयोजित करने की परंपरा को श्रेष्ठ बताते हुए इसे एबीआरएसएम की अनूठी और प्रेरक पहल कहा। प्रो शुक्ला ने अपने उद्बोधन में गुरु के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु न केवल विद्यार्थी के व्यक्तित्व को निखारता है, बल्कि उसके सर्वांगीण विकास की चिंता और प्रयास करता है। गुरु सिर्फ वेतन भोगी शिक्षक नहीं, वह 'कैपेसिटी बिल्डिंग' करने वाला व्यक्तित्व है। गुरु इंद्रिय अनुभूतियों से ऊपर उठ कर प्रकृति में व्याप्त अनहद नाद तक सुन पाने की शक्ति जाग्रत करा सकने वाली दिव्य शक्ति है। हम जो भी बन पाते हैं, उसमें गुरु के मार्गदर्शन और आशीर्वाद का बड़ा योगदान होता है।

विशिष्ट अतिथि के रूप में एबीआरएसएम के अखिल भारतीय अतिरिक्त महामंत्री डॉ.नारायण लाल गुप्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु शब्द भारतभूमि से उपजा शब्द है, जो यहाँ की मूल गुरु परंपरा और गुरुतत्व की लंबी साधना से सिंचित है। हमारे अज्ञान को दूर करने वाले गुरु को तभी तो भारतीय परंपरा में ईश्वर से भी ऊपर स्थान दिया गया है।गुरु वंदन कार्यक्रम शिक्षकों को अपनी भूमिका को पुनर्स्मरण एवं परिमार्जन का अवसर प्रदान करता है।

उन्होंने संगठन द्वारा वर्ष पर्यन्त आयोजित किए जाने स्थायी कार्यक्रमों यथा कर्तव्य बोध दिवस, नव संवत्सर, जीव सृष्टि कल्याण, एक शिक्षक एक वृक्ष आदि पर चर्चा की। डॉ गुप्ता ने कहा कि एबीआरएसएम ऐसा शैक्षिक संगठन है जो सिर्फ अधिकारों की बात नहीं करता, बरन् शिक्षा, शिक्षक,

- **एसपीसी जीसीए में हुआ गुरु-वन्दन कार्यक्रम का आयोजन**

शिक्षार्थी और समाज के उत्रयन की भी चिंता करता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो मनोज बहरवाल ने की। प्रो बहरवाल ने भगवद्गुरुण और भगवद् गीता जैसे जीवन का दर्शन और बोध कराने वाले ग्रंथों के रचनाकार महर्षि वेदव्यास की जयंती को प्रेरणा पुंज मानते हुए प्रतिवर्ष आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रम को विशिष्ट बताते हुए कहा कि नये सत्र में विद्यार्थियों को अधिक ऊर्जा से अध्ययन-अध्यापन करने हेतु शिक्षकों के लिए गुरुपूर्णिमा से बेहतर प्रतीक भला क्या हो सकता है। गुरु का कर्तव्य है कि वह अपने विद्यार्थियों को अज्ञान के अंधकार से निकाल कर ज्ञान के प्रकाश में अवगाहन कराये। साथ ही, विद्यार्थियों का कर्तव्य है कि वे गुरु पर श्रद्धा रखते हुए गुरु द्वारा प्रदर्शित सन्मार्ग पर अग्रसर हो।

स्कूली बच्चों को पढ़ाया साइबर क्राइम का पाठ

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को स्कूली बच्चों को साइबर क्राइम का पाठ पढ़ाया और साइबर क्राइम से कैसे बचा जाए इसकी जानकारी दी। एसपी ने बच्चों से करियर किस तरह से बनाया जाए, नशे की प्रवृत्ति से दूर कर सचेत रहने पर खुलकर बता की। जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र विश्नोई ने शनिवार को अलवर गेट स्थित एक निजी स्कूल में सोशल मीडिया से होने वाले दुष्परिणामों को लेकर विद्यार्थियों से बातचीत कर उन्हें जानकारी देते हुए इसके दुष्परिणामों बारे में बात की। टांक शो में कक्षा 8 से 12वीं तक की विद्यार्थियों ने भाग लिया। विश्नाई ने छात्र-छात्राओं को समय के सदुपयोग की जानकारी देते हुए इसका सदुपयोग कैसे करें इसके बारे में बताया। उन्होंने सोशल मीडिया के नुकसान बताते हुए अपराध से कैसे बचा जाए इसके बारे में जागरूक किया। स्कूली छात्रों में बढ़ते नशे पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि नशा ईसान को गुलाम बना देता है। इसके लिए हमें इससे हमेशा दूर रहना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने यातायात के नियमों की जानकारी दी।

सार-समाचार

ट्रेफिक गुमटी का उद्घाटन किया

अजमेर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र बिश्नोई ने शनिवार को ट्रेफिक पुलिस कार्यालय में लगी ट्रेफिक गुमटी का उद्घाटन किया। एसपी बिश्नोई ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाए। कार्यक्रम में एसपी ने शहीदों श्रद्धांजलि दी। इसके बाद बारिश के मौसम को देखते हुए जनसहयोग से यातायात पुलिस कर्मियों को छाते व रेनकोट का वितरण किया गया। एसपी ने ट्रेफिक पुलिस ने हौसला अफजाई की। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों और यातायात व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वालों से सख्ती से निपटा जाए।

बच्चों ने दिया स्वच्छता को संदेश

अजमेर, (कासं)। ओसिया फाउंडेशन के बच्चों ने शनिवार को पुष्कर घाटी में कावडियो व पदैल जाने वाले के लिए बने रास्ते पर फैली गंदी को साफ करके अजमेरवासियों को स्वच्छता का संदेश दिया है। बच्चों के द्वारा इस मार्ग पर फल व छाया दार पौधे भी लगाए जाऐंगे। इस मार्ग से पुष्कर से हजारों की संख्या में कावडिये कावड लेकर निकलते है, जहां गंदगी होने के कारण कावडियों को काफी परेशानी का सामना करना पडता था।

बंजारा हुए सम्मानित

अजमेर, (कासं)। अजमेर यातायात पुलिस विभाग के स्वागत कक्ष उद्घाटन के दौरान अजमेर पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार, एएसपी(सिटी) दुर्ग सिंह सिटी, सीओ ट्रेफिक मनीष बडगुजर ने गोपाल बंजारा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राजस्थान के प्रसिद्ध स्प्रिंग रंगकर्मी लोक कलाकार बंजारा पिछले 35 वर्षो से कला के क्षेत्र में जुड़े हुए है और आपने स्वच्छ भारत अभियान में एक बहुत बड़ी उपलब्धि प्राप्त की है।

ग्रीन गौशाला कार्यक्रम

ब्यावर, (निसं)। श्री तिजारती गौशाला स्थित श्री गोवर्धन धाम वार्ड में गौवंश को स्वच्छ हवा और छाया हेतु सघन वृक्षारोपण ग्रीन गौशाला कार्यक्रम का कार्य चल रहा है।

देवनानी का अभिनन्दन किया

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने जे.एल.एन.अस्पताल प्रशासन को सुपर स्पेशलिटी सेवाओं को शीघ्र शुरू करने की योजना बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नए भवनों को शुरू करने के लिए फायर एन.ओ.सी. का मामला भी जल्द सुलझाने को कहा। जयपुर रोड स्थित टीबी अस्पताल को जनाना अस्पताल परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। यहां सुपर स्पेशलिटी वार्ड बनाए जाएंगे। अजमेर में सुपर स्पेशलिटी सेवाएं शुरू करवाने की घोषणा पर शनिवार को जे.एल.एन. अस्पताल के विभिन्न वार्डो के प्रभारियों ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का अभिनन्दन किया। इस अवसर पर देवनानी ने निर्देश दिए कि ही जेएलएन में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की अनुपालना सुनिश्चित की जाएं। सरकार ने बजट में चिकित्सालय में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं की घोषणा की है। ये सेवाएं अजमेर संभाग के मरीजों के लिए वरदान साबित होगी। अब उन्हें जरूरी चिकित्सा के लिए जयपुर, दिल्ली या अन्य बड़े शहरों में नहीं जाना पड़ेगा। अजमेर मे ही ये सभी सेवाएं उपलब्ध होगी। इस पर अस्पताल प्रशासन ने बताया कि टीबी अस्पताल वाली जगह पर सुपर स्पेशलिटी वार्ड बनेंगे। जरूरत पड़ी तो यहां ट्रेनिंग सेन्टर को भी इसमें शामिल किया जाएगा। टीबी अस्पताल को जनाना परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। देवनानी ने जेएलएन में निर्माणाधीन मेडिसिन ब्लॉक, पीडियाट्रिक ब्लॉक, पीजी हॉस्टल, आपातकालीन ईकाई, हैल्पडेस्क आदि कार्यो की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि नवनिर्मित भवनों को शीघ्र शुरू करवाया जाए। ताकि यहां आने वाले मरीजों को इनका लाभ मिल सके। विधानसभा अध्यक्ष ने प्राचार्य से नि:शुल्क उपचार, दवा, जांच व परिजनों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली।

अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग

अजमेर, (कासं)। अजमेर शहर व्यापार महासंघ के प्रवक्ता कमल गंगवाल और सीए किकास अग्रवाल ने राज्य सरकार से हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2024 को आगे बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि आमजन में इस तिथि के बारे में पर्याप्त जागरूकता नहीं है, जिससे वाहन मालिकों को उक्त प्लेट के बारे में जानकारी की कमी है।

गंगवाल और अग्रवाल ने कहा कि भीषण गर्मी के चलते दिन में शोरूम जाकर नंबर प्लेट लगवाना मुश्किल हो रहा है। इसलिए, उन्होंने इस तिथि को तीन माह के लिए बढ़ाने और इस पर लगने वाले शुल्क को कम करने की मांग की है। महासंघ के अध्यक्ष किशन गुप्ता ने कहा कि आर्थिक मंदी के चलते ऐसे खर्चे आमजन के लिए भारी हैं।

जयपुर, कोटा, जोधपुर की तर्ज पर विकसित होगा अजमेर-देवनानी

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नगर निगम को निर्देश दिए हैं कि स्मार्ट सिटी योजना के तहत निर्मित पटेल मैदान में एथलेटिक्स व फुटबॉल के खिलाड़ियों को नि:शुल्क खेलने दिया जाए। जिला प्रशासन बजट घोषणाओं पर जल्द अमल करें। कचहरी रोड का निर्माण ठेकेदार की राशि रोक कर शॉर्ट टर्म नोटिस के आधार पर करवाया जाए। साइंस पार्क का काम 15 अगस्त से पहले शुरू करवाया जाएगा। अजमेर विकास जयपुर, कोटा एवं जोधपुर की तरह कराया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को सर्किट हाऊस में जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित एवं नगर निगम सीईओ देशल दान के साथ शहर से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की एवं निर्देश दिए।

पटेल मैदान में नि:शुल्क खेलेंगे खिलाड़ी: अजमेर शहर के विभिन्न खिलाडियों एवं खेल प्रतिनिधियों ने देवनानी से मिल कर पटेल मैदान में खेलने की अनुमति दिलाने का आग्रह किया था। इस पर देवनानी ने नगर निगम आयुक्त को इस बार चर्चा की। उन्होंने निर्देश दिए कि खिलाड़ियों को खेलने से नहीं रोका जाए। उन्हें नि:शुल्क प्रवेश दिया जाए। पटेल मैदान में एथलेटिक्स एवं फुटबॉल के खिलाड़ियों को नि:शुल्क प्रवेश मिलेगा।

बजट घोषणाओं पर शीघ्र शुरू हो काम : देवनानी ने जिला कलक्टर को निर्देश दिए कि अजमेर जिले के लिए की गई बजट घोषणाओं पर तुरन्त काम शुरू हो। राज्य सरकार ने प्रभारी मंत्री व सचिवों के इन कामों को शीघ्र पूर्ण करने के लिए लगाया है। उनके निर्देशन में जल्द से जल्द कार्रवाई हो। आयुर्वेद विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉलेज, नालें, ईआरसीपी, ब्रह्म मन्दिर कॉरीडोर विकास की शीघ्र कार्यवाही की जाए।

देवनानी ने बजट घोषणा की अनुपालना में आयुर्वेद विश्वविद्यालय की भूमि को लेकर चर्चा की। जिला प्रशासन ने बताया कि महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय के पास काफी भूमि खाली है। इस जगह पर आयुर्वेद विश्वविद्यालय स्थापना की संभावनाओं को तलाशा जा रहा है।

नाम परिवर्तन

मेरी पुत्री अनिता चौधरी के शैक्षणिक दस्तावेजों में मेरा नाम गणेश चौधरी दर्ज है जो कि गलत है। मेरा सही एवम वास्तविक नाम गणेश राम सेवदा है अतः भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मुझे इसी नाम से जाना जाए।

पता- गणेश राम सेवदा,
ग्राम गहलोत, तह. दूदू, जयपुर, राज.

नाम परिवर्तन

मैं, प्रवीण कुमार, रैंक - HAV ग्राम बेरहाटांड़ पो0- गंगटा मोड़ जिला - मुंगेर, राज्य - बिहार है। यह कि मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में मेरी माता की जन्मतिथि 01.07.1960 दर्ज है जो कि गलत है। जबकि भविष्य में मेरी माता को सही व वास्तविक जन्मतिथि 01.09.1957 से जाना जाए।

AFFIDAVIT

I, KUMARI APRAJITA AZAD Spouse of No. 14680345A Rank- HAV Name: MITU RANJAN KUMAR residing of Vill- Amaithi, Post- Amaithi, Teh- Bazirganj, Dist: Gaya, State: Bihar, Pin-805131, have change my name from KUMARI APRAJITA AZAD (name as in record of EME) APRAJITA AZAD (new name record in Aadhaar card and matriculation marksheet certificate) vide affidavit no- 249400 dated 02 July 2024 at Nasirabad Court Rajasthan.

नाम परिवर्तन

मेरे पासपोर्ट संख्या L8691316 मेरा नाम मेहफूल बानो MEHAFUL BANO ओर जन्मतिथि 01.01.1963 से बदलकर मेहफूल बानू MAHPHOOL BANO ओर जन्मतिथि 12.08.1956 दर्ज करवाना चाहती हूँ।

मेहफूल बानू पत्नी दौलत खान
निवासी पायली डीडवाना, जिला
डीडवाना-कुचामन

आम सूचना

पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण निर्धारण प्राधिकरण, राजस्थान पत्र के संख्या (4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B2 (0189) 2023-24, दिनांक 11 जुलाई, 2024 के द्वारा मैसर्स ए. एच. एण्ड ब्रदर्स मकराना, QL No. 236/4 पहाड़ कुआ रेंज, मकराना, तहसील मकराना, जिला डीडवाना-कुचामन, क्षेत्रफल 0.3717 हैक्टर, उत्पादन क्षमता 5000 TPA के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र SEIAA राजस्थान पर जन साधारण के देखने के लिए उपलब्ध है।

कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन, एसपी को सौंपा ज्ञापन

अजमेर, (कासं)। अजमेर परिवहन विभाग और यातायात पुलिस द्वारा बेवजह वैन चालकों के चालान बनाने और परेशान करने को लेकर शनिवार को वैन चालकों का गुस्सा फूट पड़ा। अजमेर ऑटो रिक्शा यूनियन के बैनर तले शनिवार को स्कूल वैन चालकों ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और एसपी देवेंद्र विश्नोई को ज्ञापन सौंपकर चालकों को बेवजह परेशान नहीं करने की मांग की। अजमेर ऑटो रिक्शा यूनियन के अध्यक्ष करण सिंह ने एसपी देवेंद्र विश्नोई को सौंपे ज्ञापन में बताया कि वैन चालकों के कागजात पूरे होने के बाद भी उन्हें परिवहन विभाग व यातायात पुलिस द्वारा उनके चालान बना कर परेशान किया जा रहा है। चलते वाहनों को रोका जा रहा है। स्कूल वैन में छोटे-छोटे बच्चे बैठे होते हैं वह, भी इस कार्यवाही से भयभीत हो जाते हैं। वैन चालकों ने बताया कि सभी वैन चालक क्षमता के अनुसार ही बच्चों को बैठाते हैं।

श्री रामचरितमानस पाठ का अखंड पारायण आज से

मसूदा, (निसं)। श्री रामचरितमानस पाठ के पारायण में पूज्य गुरुदेव श्री श्रीधरजी महाराज के उत्तराधिकारी श्री करमचंद जी भारती विशेष रूप से रहेंगे उपस्थितमसूदा उपखंड क्षेत्र की मोयणा ग्राम पंचायत के ग्राम भेरू खेड़ा में अवस्थित भगवान भोलेनाथ के मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री रामचरितमानस पाठ का अखंड पारायण आज 28 जुलाई रविवार से शुभारंभ होगा। उल्लेखनीय है आध्यात्मिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण रुचि रखने वाले श्री रतन लालजी (भगत जी) के सानिध्य में सर्व भक्तों के सहयोग से ग्राम भेरू खेड़ा में अवस्थित शिव मंदिर में 15 वर्ष पूर्व श्री रामचरितमानस पाठ के अखंड पारायण का शुभारंभ हुआ था जो आज भी प्रतिवर्ष अनवरत अखंड पाठ का पारायण हो रहा है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री रामचरितमानस पाठ का अखंड पारायण आज 28 जुलाई रविवार को प्रातः शुरू होगा।निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार

- **सोमवार 29 जुलाई को होगी पूर्णाहुति**
- **मोयणा, भेरू खेड़ा रतनगढ़ सहित विभिन्न स्थानों के भक्तजन रहेंगे मौजूद**

कल प्रातः कल देवी देवताओं के आव्हान पूजन के बाद 11 बजे से श्री रामचरितमानस पाठ के अखंड पारायण का शुभारंभ होगा। दूसरे दिन 29 जुलाई सोमवार को शाम को विराजित देवी देवताओं को विदाई देने व आरती स्तुति के साथ ही 7 बजे रामचरितमानस पाठ की पूर्णाहुति होगी। इस कार्यक्रम में पूज्य गुरुदेव श्री श्री श्रीधरजी महाराज के उत्तराधि कारी श्री करमचंद जी भारती विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। पाठ की पूर्णाहुति के बाद प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी रात्रि 9 बजे सत्संग का आयोजन किया जाएगा।

वृक्षारोपण किया

अजमेर, (कासं)। मां भगवती फाउंडेशन द्वारा शनिवार को एक पेड़ माह के नाम कार्यक्रम के तहत विनायक नगर माकड़वाली रोड पचशील नगर में मुख्य अतिथि रमेश चेलानी वार्ड पार्षद 75 के नेतृत्व में वृक्षारोपण किया गया।

वार्ड पार्षद रमेश चेलानी ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 10 से 12 फीट ऊंचे गुलमोहर, अशोक, बेलपत्र, पाम सितारा के वृक्ष लगाए गए व साथ ही वृक्षारोपण की देखभाल हेतु सभी को संकल्प दिलाया। मां के बारे में सोचने मात्र से ही मन प्रफुल्लित हो उठता है और बचपन लौट आता है।

अध्यक्ष महेन्द्र कुमार जोशी ने बताया कि कार्यालय के आस पास 11 पेड़ लगाए गए। मुख्य संस्थापक भगवती देवी ने बताया कि इसके बाद और पौधे लगाए जाने का संकल्प किया। संस्था सदस्य राम मंगानी ने बताया कि जितेन्द्र चौधरी, जगदीश शर्मा, ललिता जोशी, मुकेश मोर्य, चन्द्र प्रकाश खत्री, कविता चौहान, मनीष शर्मा, लक्ष्मी कांत शर्मा, गौरव जोशी, दीपेश भटनागर, गुजरात से चिराग ,दिव्या जोशी, इत्यादि ने मां के नाम एक एक पेड़ लगाया।

मेधावी छात्र-छात्राओं का अभिनन्दन

बिजयनगर, (निसं)। किरण रतन लाल नाहर चैरिटेबल ट्रस्ट बिजयनगर द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बिजयनगर में 7 राजकीय विद्यालयों के 17 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इसमें कक्षा 10 के 7 तथा कक्षा 12 के 10 विद्यार्थी रहे। सभी मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र, लेपटॉप बेग, वाटर बॉटल, रजिस्टर व पेन तथा स्टीलबर्ड का हेलमेट प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सेवानिवृत प्रोफेसर, डॉ. सूर्य प्रकाश व्यास व डॉ. मीना व्यास रहे। अति विशिष्ट अतिथि के रूप में कोगटा फाउण्डेशन के बाल मुकन्द कोगटा का गरिमामय सान्निध्य प्राप्त हुआ। अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को अभी से अपना लक्ष्य तयकर उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाने का आह्वान किया गया। समय की कीमत बताते हुए उसे व्यर्थ में खराब न करने की भी सलाह दी गई।

कार्यक्रम में ट्रस्ट की अध्यक्षा किरण नाहर ने कहा कि विद्यालय सहित सभी छात्र-छात्राओं को अभी से अपना लक्ष्य निर्धारित कर उसकी प्राप्ति में जुट जाना चाहिएं तथा मोबाईल के अत्यधिक उपयोग से दूर रहने का भी आह्वान किया व संस्था प्रधान डॉ. कुंजलता सारस्वत ने बच्चो को प्रेरणादायक उद्बोधन दिया।

कार्यक्रम में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष रतनलाल नाहर, ज्ञानचन्द नाहर, पुखराज नाहर, आशीष नाहर, कल्पना नाहर, सुनीता नाहर, स्वाति नाहर सहित अन्य ट्रस्टी मौजूद रहे। कार्यक्रम में नगर के लक्ष्मण लाल शर्मा, ओम नागोरी, डी.सी. जैन, सी.ए. प्रीतेश बडौला, एस.एस. चौधरी, सत्यनारायण जोशी व साहिब शरण जे. आचार्य तथा सम्बन्धित विद्यालयों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के संस्था प्रधान ने ट्रस्ट एवं आगुन्तक महानुभवों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

आम सूचना

पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य स्तरीय पर्यावरण निर्धारण प्राधिकरण, राजस्थान के पत्र संख्या (4)/SEIAA/SEAC-Raj/Sectt/Project/Cat.B2 (0125) 2023-24, दिनांक 9 जुलाई, 2024 के द्वारा मैसर्स आंवला माइन्स (बोरावड़ कुमारी रेंज) QL No. 21/95 बोरावड़, तहसील मकराना, जिला डीडवाना-कुचामन, क्षेत्रफल 2.225 हैक्टर, उत्पादन क्षमता 12769 TPA (पार्टनर/प्रो. भागुराम आंवला) के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान की गई है। उपरोक्त स्वीकृति पत्र SEIAA राजस्थान पर जन साधारण के देखने के लिए उपलब्ध है।

न्यायालय अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश डीडवाना

बईजलास-श्रीमान राजेश कुमार गजरा, आर. एच् .जे. एस

दीवानी विविध प्रकरण - भारतीय उतराधिकार प्रमाण पुत्र संख्या 4/24

प्रार्थिगण- 1. बसंत कँवर शेखावत पत्नी मृतक सवाई सिंह उम्र 30 वर्ष 2. मूल सिंह पुत्र हेम सिंह पिता मृतक सवाई सिंह उम्र 65 वर्ष 3. संतोष कँवर पत्नी मूल सिंह उम्र 61 वर्ष माता मृतक सवाई सिंह 4. तमन्ना राठोड़ पुत्री मृतक सवाई सिंह उम्र 10 वर्ष 5. कर्मवीर सिंह राठोड़ पुत्र मृतक सवाई सिंह उम्र 02 वर्ष

प्रार्थीगण संख्या 4 चार से 5 पांच नाबालिग जरिये कुदरती वालिया माता प्रार्थी संख्या 1, समस्त जाति गण राजपूत निवासी ढीगाल तहसील डीडवाना जिला डीडवाना कुचामन।

अप्रार्थीगण- सर्वसाधारण बनाम

प्रार्थना पत्र बाबत अंतर्गत धरा 372 भा. उ. अधि. सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी गण की ओर से प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 372 भा. उ. अधि. के अंतर्गत प्रस्तुत कर जाहिर किया है कि प्रार्थीगण को भारतीय राज दूतावास रियाद से एक पत्र क्रमांक RIY/CW/436/55/2024 दिनांकित 08/02/24 जरिये रजिस्टर्ड पत्र सूचना मिली है कि स्व. सवाई सिंह के लीगल ड्यूज सऊदी में बकाया थे उक्त बकाया राशि का एक चेक नं. 351584 dated 7/2/24 राशि 227273/- दो लाख सताईस हज़ार दो सौ तिह्त्तर का जिला कलेक्टर नागौर के नाम से जारी किया गया है के अनुसार बकाया राशि का चेक प्राप्त करने के लिए प्रार्थीगण उतराधिकार प्रमाण पत्र जारी करवाना चाहते है। जिसके लिए प्रार्थीगण ने अदालत श्रीमान के समक्ष उतराधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। यदि किसी को इस सम्बन्ध में कोई उज्र आपत्ति क्लेम हो या कोई अधिकार रखता हो तो वह दिनांक 2/8/24 को न्यायालय सुबह 10.00 बजे स्वयं या अपने अधिकृत एजेंट/वकील के जरिये प्रस्तुत करे अन्यथा प्रार्थीगण को उक्त प्रमाण पत्र जारी करने की आगामी कार्यवाही सम्पादित की जावेगी। यह नोटिस आज दिनांक 21/5/25 को मेरे हस्ताक्षर व् मुद्रा से जारी किया गया है।

वरिष्ठ रीडर
अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश
डीडवाना-नागौर

IN THE PUBLIC TRUSTS REGISTRATION OFFICE

GREATER MUMBAI REGION, MUMBAI DHARMADAY AYUKTA BHAVAN, GROUND FLOOR, SASMIRA BHAVAN, SASMIRA ROAD, MUMBAI-400030

PUBLIC NOTICE OF INQUIRY

Change Report No. ACC/VII/3744/24
Filed by: Mr. Radheshyam S. Vaishnav
In the matter of Akhil Bhartiya Vaishnav Brahman Seva Sangh P.T.R. No. F-10114

To,
All concerned having interest -
WHEREAS THE trustees of the above trust have filed a Change Report under section 22 of Maharashtra Public Trusts Act, 1950 for bringing the below described property on the record of the above named trust and an inquiry is to be made by the Assistant Charity Commissioner, Greater Mumbai Region, Mumbai viz.
1) Whether this property is the property of the trust and could be registered in the trust name?
DESCRIPTION OF THE PROPERTY :
All that piece or parcel of land bearing Patta No.18, situated at Village- Jethana, Dist- Ajmer, Rajasthan
Value Rs.4,999/-
This is to call upon you to submit your objections, if any in the matter before the Assistant Charity Commissioner, Greater Mumbai Region, Mumbai at the above address within 30 days from the date of publication of this notice.
Given under my hand and seal of the Joint Charity Commissioner, Maharashtra State, Mumbai.
th ath This 9 day of the month of July, 2024

SEAL
Superintendent -J
Public Trusts Registration Office,
Greater Mumbai Region, Mumbai

पशु टीकाकरण शिविर आयोजित

मसूदा, (निसं)। शनिवार को दिशा आरसीडी समाजसेवी संस्था अजमेर द्वारा संचालित मसूदा ब्लॉक में उन्नति परियोजना अंतर्गत व पशुपालन विभाग खंड मसूदा के संयुक्त तत्वाधान में मसूदा उपखंड के राजस्व ग्राम श्यामगढ़,रामपुरा व केसरपुरा में एक दिवसीय पशु टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 276पशुपालकों के 639 बकरिया व भेड़ के ई.टी. (एंटोरोटोनिया टॉक्सिनिया) के टीके लगाऐ गए। शिविर में उपस्थित पशुपालकों को उन्नति परियोजना के एरिया मैनेजर राजेंद्र सिंह चौहान ने पशुपालकों को बारिश के दिनों में बकरियों में होने वाली मुख्य बीमारिया व उनके बचाव के उपाय पर जानकारी दी तथा बकरी पालन कर पशुपालक किस प्रकार अपनी आमदनी को बढ़ा सके इस संबंध में विस्तार से जानकारी दी साथ ही स्वनिर्माण फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सीईओ अश्वनी कुमार ने बताया कि हम बकरी के दूध को न केवल चाय बनाने के काम में ले सकते हैं बल्कि इसके दूध से हम साबुन भी बना सकते हैं जो कि हमारी त्वचा के लिए बहुत ही लाभदायक होती है तथा पशुपालन के संबंध में जानकारी दी इस शिविर में र्डा टीना गहलोत ,चंद्र प्रकाश व कालूराम एवं उन्नति परियोजना स्टॉफ सरकार सिंह, चेतन कुमार व भागचंदी तथा स्थानीय पशु सखी रेखा प्रजापत , संतोष जी,फिरोज जी का सहयोग रहा।

केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एक दिवसीय अजमेर दौरे पर रहे

'कांग्रेस ने गरीबों का नारा दिया लेकिन गरीबी हटाई नहीं'

अजमेर, (कासं)। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी शनिवार को एक दिवसीय अजमेर दौरे पर रहे। अजमेर पहुंचने पर भाजपाइयों ने जोरदार स्वागत किया। चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत कर केंद्र एवं राज्य बजट के की विस्तृत जानकारी दी।

केंद्रीय राज्य मंत्री चौधरी ने कहा

- **चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत कर केंद्र एवं राज्य बजट के की विस्तृत जानकारी दी**

कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 सालों में ऐसे काम किया जो कि कांग्रेस ने 55-60 साल तक नहीं कर पाई। कांग्रेस सिर्फ मगरमच्छ के आंसू बहा रही है।

कांग्रेस ने गरीबों का नारा दिया लेकिन गरीबी हटाई नहीं। कभी कांग्रेस ने किसी की सुध नहीं ली थी। यह सिर्फ यही चाहते हैं कि गरीब, गरीब रहे अनपढ़ अनपढ़ रहे और उनके चंगुल में फंसे रहे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि गरीब,किसान और मिडिल क्लास का भला हो और सभी का भला हो। विधानसभा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शांति धारीवाल के अपशब्द बोलने पर उनकी आलोचना करते हुए कहा कि जिसके जैसे संस्कार वह वैसी बात करेगा। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में इस तरह की भाषा के प्रयोग से बचना चाहिए।

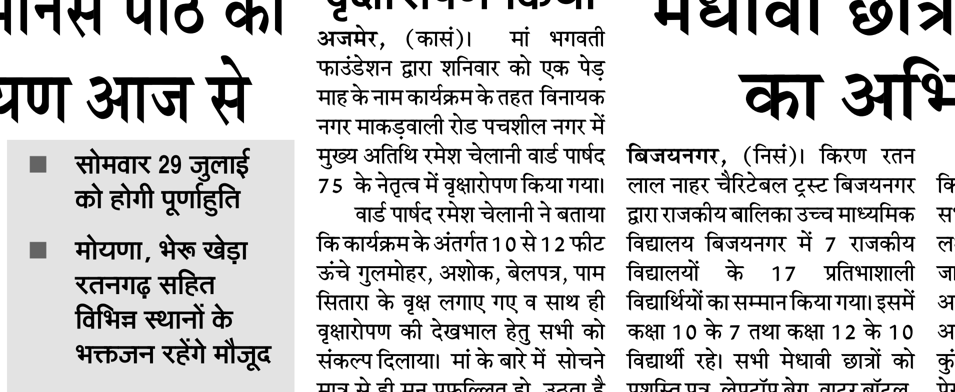

चौधरी ने पत्रकारों से बातचीत कर केंद्र एवं राज्य बजट के की विस्तृत जानकारी दी।

अजमेर दक्षिण विधायक अनीता भदेल ने कहा कि कांग्रेस के लोगों ने ब्लैकमेल कांड, दिल्ली का तंदूर कांड आज भी लोगों के जहन में है।

पिछले दिनों का कन्हैया लाल की हुई हत्या वह कांग्रेस के कार्यकाल में हुई थी। कांग्रेस में अपराध इस कदर पर गया है कि कांग्रेस के लोगों को समझ नहीं आता की हम सही बोल रहे या गलत बोल रहे है। इस अवसर पर शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी, देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा, नगर निगम महापौर बृजलता हाडा, पूर्व उप महापौर संपत सांखला, मीडिया प्रभारी अनीश मोयल सहित भाजपा के पदाधिकारी उपस्थित थे।

कार्यशाला आयोजित

अजमेर, (कासं)। फ्लाइंग बर्ड्स सोसाइटी में रखा पर्यावरण सुरक्षा की और मज़बूत कदम बालिकाओं की "मासिक धर्म" संबंधी दुविधाओं के समाधान हेतु रखा गई कार्यशाला। संस्थापक अम्बिका हेडा द्वारा बताया गया की शहरों में परिवारों में एक माँ अपनी बेटी के साथ मासिक धर्म चर्चा सामान्य रूप में करती हैं, इसलिए, शहरों में बच्चियों को सभी बातों की जानकारी होती हैं लेकिन आज भी छोटे छोटे गावों में माँ बच्चियों के साथ बात करना उचित नहीं समझती, आज भी मासिक धर्म छुपा के रखने वाला शब्द हैं।

मीनू स्कूल में आस पास के गावों से बच्चियाँ आती हैं जिनमे साधारण और विशेष ज़रूरत वाली बच्चियाँ होती हैं, जिनके लिए माहवारी शर्म का विषय हैं। सामान्य और खास बच्चियों के साथ और उनके अभिभावकों के साथ गोयल जानना एवं डेंटल अस्पताल से वरिष्ठ स्त्रीरोग विशेषज्ञ व बाजपन स्त्री विशेषज्ञ डॉ.निधि गोयल द्वारा उम्र अनुसार लड़कियों में होने वाले शारीरिक बदलाव ,मासिक धर्म का कारण, पीरियड्स की तारीख ट्रैक करने का तरीका, टेम्पून डिस्पोजेबल पीरियड प्रोडक्ट, मासिक धर्म कप के इस्तेमाल, फायदे और उसके उपयोग का तरीका बच्चों को बताया। फ्लाइंग बर्ड्स सोसायटी और शुभम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा पर्यावरण सुरक्षा हेतु रियूजेबल सैनटरी पैड का इस्तेमाल करने हेतु महिलाओं, बच्चियों, शिक्षकों और संस्था सदस्यों को संकल्प दिलाया।

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ जिला-अजमेर (राज.)

क्रमांक - न.प. कि / कृ.भूमि / 2024/356 — आम सूचना — दिनांक : 24/07/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम सांवतसर के खसरा संख्या 3/1/1, 3/1/2, 3/1/3 पर स्थित औद्योगिक रूपान्तरण (भूखण्ड क्षेत्रफल 7744 वर्गगज यानि 6474.87 वर्गमीटर) पर मैसर्स आंचल मार्बल्स प्रोपराईटर श्री महेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री ज्ञानचन्द जैन ने आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तान्तरण चाहा गया। उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है -
पूर्व में : वर्तमान में एस.के. मार्बल इण्डस्ट्रीज — पश्चिम में : वर्तमान लैण्ड अन्य की भूमि
उत्तर में : मोहनपुरा रोड — दक्षिण में : वर्तमान में अरोमा मार्बल एण्ड ग्रेनाईट
अत: उक्त नाम हस्तान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को आपत्ति / एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।

प्रभारी नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगर परिषद, बोरावड़ जिला-डीडवाना-कुचामन

क्रमांक/न.प.म./90ए/24-24/297 — दिनांक- 26-7-2024

लोक सूचना

इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि के निम्न खातेदार द्वारा गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृत अधिकारों के निर्वापन के लिए प्रस्तुत किया है।

क्र. सं.	आवेदक का नाम	जिले सहित तहसील का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा नं.	क्षेत्रफल	प्रयोजनार्थ
1	श्री जमील अहमद, श्री लतीफ अहमद, श्री शकील अहमद पिसरान श्री हाजी मोहम्मद उमर निवासी बोरावड	तहसील मकराना जिला डीडवाना-कुचामन	बोरावड	149	33265 वर्गमीटर	आवासीय प्रयोजनार्थ

अतः इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृत अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृत अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-भीतर किसी कार्य पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजो के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत करेगा। उपर्युक्त नियत समय भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 26-7-2024 को जारी की गई।

प्राधिकृत अधिकारी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका बोरावड़

देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी को दबोचा

दिल्ली-हरियाणा में मजदूरी कर काट रहा था फरारी, गंगापुर सिटी में नादौती थाना क्षेत्र से पकड़ा, 25 हजार का इनामी है आरोपी

जयपुर। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पुलिस मुख्यालय की टीम ने डीग जिले में 3 साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड के एक और आरोपी को पकड़ लिया है। इस पर एस.पी. डीग द्वारा 25 हजार रुपए का इनाम घोषित है। दिल्ली एवं हरियाणा में मजदूरी कर फरारी काट रहा आरोपी शिव हरि गुर्जर करीब 15 दिन पहले ही नादौती आया था।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स एवं अपराध दिनेश एम.एन. ने बताया कि उपमहानिरीक्षक पुलिस श्री योगेश यादव के सुपरविजन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में इनामी, वांछित अपराधियों, गैंगस्टर इत्यादि के बारे में सूचना के संकलन के लिए एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा, हैड कांस्टेबल मदनलाल शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा की एक टीम भरतपुर रेंज की ओर रवाना की गई है। एडीजी एमएन ने बताया कि शनिवार को एएसआई शैलेंद्र कुमार शर्मा व कांस्टेबल बृजेश कुमार शर्मा को सूचना मिली कि हत्याकांड में शामिल 25 हजार का इनामी आरोपी शिवहरी गुर्जर पुत्र रामजीत निवासी मुल्लाका थाना कामां अपने जानकार से मिलने गंगापुर सिटी में थाना नादौती इलाके की होडाहेली गांव में आया हुआ है। सूचना पर थाना पुलिस की मदद से एजीटीएफ ने जाल बिछाकर आरोपी को सरकारी स्कूल के पास से दबोच लिया।

एमएन ने बताया कि 11 जून 2021 की सुबह खरीदारी करने बाइक लेकर कामां के लिए निकले देवी राम गुर्जर निवासी मुल्लाका पर पुरानी रंजिश के चलते गांव के ही रामावतार पुत्र रामप्रसाद पक्ष के 20-22 व्यक्तियों ने लोहे के सरियों और लाठियों से हमला कर दिया और मरा समझकर हवाई फायर करते हुए गांव आये। गांव में भी फायरिंग की जिसमे तीन बच्चे व चार अन्य घायल हो गये। गंभीर घायल देवीलाल ने जयपुर लाते समय महुआ से पहले दम तोड़ दिया था। मामले में थाना पुलिस द्वारा घटना के बाद आठ व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया था, 13 आरोपी फरार हो गये। जिन पर 25-25 हजार का इनाम घोषित किया गया। फरार आरोपियों में से आठ आरोपियों को एजीटीएफ ने कामां पुलिस के सहयोग से पकडा, एक आरोपी को कामां पुलिस ने पकड लिया। बाकी बचे चार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एजीटीएफ विद्या प्रकाश के नेतृत्व में की गई इस संपूर्ण कार्रवाई में एएसआई शैलेंद्र शर्मा एवं कांस्टेबल बृजेश कुमार की विशेष भूमिका एवं हैड कांस्टेबल मदन लाल शर्मा व कांस्टेबल सोहन की तकनीकी भूमिका रही। कार्रवाई में थाना नादौती से उपनिरीक्षक देवेंद्र कुमार शर्मा मय टीम एएसआई चन्द्र हुसैन, कांस्टेबल धारा सिंह, रवि कुमार, कपिल, बनवारी लाल व जसराज का सराहनीय सहयोग रहा।

डीग में तीन साल पहले बहुचर्चित रहे देवी राम मुल्लाका हत्याकांड का एक और आरोपी पकड़ा गया।

आकाशीय बिजली गिरने से पांच महिलाएं झुलसी

निवाई में आकाशीय बिजली गिरने से झूलसी महिलाओं का उपचार सरकारी अस्पताल में कराया।

निवाई, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय की ग्राम पंचायत भरथला के गांव जीवली की बैरवा ढ़ाणी में शनिवार की दोपहर अचानक मौसम के करवट बदलते ही आंधी व बरसात के दौरान आकाशीय बिजली गिर जाने से गांव की पांच महिलाएं झुलस गईं। आकाशीय बिजली गिरने से जीवली निवासी अनीता पत्नी मुकेश बैरवा, ग्यारसी पत्नी छीतर बैरवा, मीरा बैरवा, संतरा पत्नी रामलाल बैरवा, काली देवी पत्नी अमरचन्द बैरवा झुलस जाने से घायल हो गई। घायलों को परिजनों ने सामुदायिक चिकित्सालय झिलाय में भर्ती करवाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

सरकारी स्कूल पर आकाशीय बिजली गिरी

मालपुरा, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के हिंडोला गांव में तेज गर्जना के साथ सरकारी स्कूल भवन पर आकाशीय बिजली गिरने से उपकरण जल गये। विद्यालय के शिक्षक सुरेश विजय ने बताया कि तेज गर्जना के साथ राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवन पर बिजली गिरने से विद्यालय भवन में दारारें आ गई तो कुछ हिस्सा क्षतिग्रस्त भी हो गया। बिजली गिरने से विद्यालय में लगे कम्प्यूटर, प्रिंटर, इन्वर्टर, पंखें व लाइटें सहित अन्य उपकरण जल गये। वहीं शहर के दूदू रोड पर सड़क के बीच बने डिवाइडर पर नगरपालिका प्रशासन द्वारा लगाई गई रोड लाइटों की कंट्रोल डीपी के नंगे तार जमीन पर फैले होने से शनिवार को करंट प्रवाहित तारों की चपेट में आने से दूधारू भैंस अकाल मौत का शिकार हो गई।

युवक फांसी के फंदे पर झूला, मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की आजाद नगर कॉलोनी में अज्ञात कारणों के चलते एक 32 वर्षीय युवक ने फांसी के फंदे पर झूल कर आत्महत्या कर ली। प्रताप नगर थाना अधिकारी गजेंद्र सिंह नरूका ने बताया क्षेत्र वासियों ने टेलीफोन के जरिए सूचना दी की क्षेत्र के एक मकान से अजीब सी बदबू आ रही है । इस आधार पर पुलिस ने गृह स्वामी के परिजनों से संपर्क कर मौके पर पहुंच देखा तो मकान के मुख्य द्वार का गेट अंदर से बंद था जिसे परिजनों की मौजूदगी में तोड़कर अंदर देखा गया तो पंखे से युवक की लाश लटकी हुई थी। पुलिस का कहना है कि यह लाश तीन से चार दिन पुरानी थी जो की सड़ गल चुकी थी। मृतक का नाम नंदकिशोर पिता जगदीश व्यास है जो की पूर्व में टेंट का व्यवसाय करता था। बुधवार को पिता से मिला था और उसके बाद से परिजनों के संपर्क में भी ही नहीं था।

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, PHED, CIRCLE BARMER

Tel:02982-220253, Email: edphed@gmail.com, secircle.barmer@rajasthan.gov.in

No. SE/PHE/Bmr/NIT 01/2024-25/1299-1316 Date: 23/07/2024

NOTICE INVITING BIDS NIB No. 2024-25/01

Bids for Work of

01	Annual Rate Contract for construction and commissioning of tube Wells By Rotary Rig Machine with P,L& J Of Pipe Line under Circle Barmer. UBN: **PHE2425WSRC03167**	120.00 Lacs.

are invited from interested bidders upto 13.08.2024 up to 6:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and departmental website.

DIPR/C/6539/2024 SUPERINTENDING ENGINEER PHED CIRCLE BARMER

कार्यालय अधिशाषी सार्वजनिक निर्माण विभाग नगरखण्ड उदयपुर

S.No:TS/NIT File/2024-25/D- 1032 Date 18-07-2024

NOTICE INVITING BID (NO.06/2024-25)

Bids for Various Roads work in PWD City Division Udaipur are invited from insterested bidders upto 6.00 PM (time) 12-08-2024 (date). Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://Sppp.raj.nic.in) of the state; and departmental website.

SPPP NIB No, PWD2425A0804

S.No.	UBN No.
1	PWD2425WSOB03077
1	PWD2425WSOB03078

DIPR/C/6580/2024 (R.K.Mundra) EXECUTIVE ENGINEER PWD CITY DIVISION UDAIPUR

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION KARAULI

PH NO.-07464-250219, E-Mail-ee.kar.phed@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bids for the work of solar installation under phed division karauli are invited from interested bidders up to 05.08.2024 Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal eproc.rajasthan.gov.in and sppp.raj.nic.in website.

NIB CODE:-PHE2425A1427

S.N.	NIT NO.	UBN	S.N.	NIT NO.	UBN
1	57/2024-25	PHE2425WSOB03158	2	58/2024-25	PHE2425WSOB03159
01	Total work		02		
02	Total Estimate Cost		28.50 Lac		
03	Bid submission end date		05.08.2024 up to 06.00 PM		
04	Bid opening date		06.08.2024 at 02.00 PM		

DIPR/C/6559/2024 (Prahlad Meena) Executive Engineer Public Health Engineering Department Division Karauli

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांक-अअ / सांचोर/2024-25/533 दिनांक-22.07.2024

निविदा सूचना संख्या : 05 वर्ष 2024-2025

NIB No.: -.PWD 2425A0852

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में भवन निर्माण कार्य जिनकी लागत राशि रू. 217.00 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदां आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	25 जुलाई 2024, 9:30 बजे से 17 अगस्त 2024, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http:// eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http:// eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवष्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

1. UBN: PWD2425WSOB03223

DIPR/C/6578/2024 (ओम प्रकाश) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

हिण्डौन में 27 जून से अब तक 335 एमएम बारिश

- पिछले 18 घंटे से रुक-रुक कर बूंदा-बांदी जारी
- जिला अस्पताल के इमरजेंसी गेट पर भरा पानी

हिण्डौन सिटी। क्षेत्र में शनिवार को मानसून मेहरबान रहा। यहां सुबह से रुक-रुक कर बरसात हो रही है। हिण्डौन में शुक्रवार देर रात बारिश शुरू हुई, जिसमें सुबह तक 2 एमएम बारिश दर्ज हुई। इसके बाद दोपहर को घने बादल छाए और बारिश शुरू हुई, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आई। हिंडौन में 27 जुलाई तक 335 एमएम बारिश हो चुकी है। आज बारिश के बाद लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली, वहीं कई क्षेत्रों में जलभराव बना रहा।

गौशाला रोड, मोक्षधाम, कटरा बाजार, मनीराम पार्क, और जिला अस्पताल मार्ग में बारिश होते ही सड़कों पर पानी भर गया। जिला अस्पताल के इमरजेंसी गेट पर पानी भरने से मरीजों को काफी परेशानी हुई। हिंडौन में दोपहर 2 बजे बाद तेज बारिश शुरू हुई। क्षेत्र के कई इलाकों में पिछली बारिश का पानी नहीं निकल पाया है। बाजना रोड पर जलभराव और टूटी हुई सड़कों से गुजरते हुए वाहन चालक काफी परेशान रहे। मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिन मानसून के सक्रिय रहने की संभावना जताई है। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में खेतों में पानी भरा हुआ है, जिससे सरसों की बोई फसलें अंकुरित होकर डूब गई।

मैनेजर पर चाकू से हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नौ चोकी पाल की पहाड़ी पर छिपा हुआ था आरोपी

पुलिस की गिरफ्त में चाकू से हमला करने वाला आरोपी।

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के मुखर्जी चौराहा स्थित सुपरमार्केट मैनेजर पर हमले के मामले में पुलिस ने एक बडी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही, एक नाबालिग को भी हिरासत में लिया गया है।

कांकरोली थानाधिकारी हनवंत सिंह सोढा ने बताया कि शुक्रवार को हुई चाकूबाजी की घटना के बाद से ही पुलिस टीम आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। कांकरोली पुलिस ने राजनगर पुलिस कंट्रोल रूम से अतिरिक्त बल बुलाकर शहर और आसपास के इलाकों में आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस को सूचना मिली कि मुख्य आरोपी रामचंद्र राजनगर के नौ चोकी पाल की दायीं पहाडी पर छिपा हुआ है। इस सूचना के आधार पर पुलिस दल तुरंत नौ चोकी पाल पहुंचा। वहां पुलिस को आरोपी की मोटरसाइकिल मिली जिससे उनकी जानकारी और पुख्ता हो गई। आरोपी पहाडी पर चढ कर घनी झाडियों में छिप गया। पुलिस भी आरोपी को पकडने के लिए पहाडी पर चढी, लेकिन अंधेरा होने के कारण और इलाके में तेंदुए के होने के कारण खोजी अभियान मुश्किल हो गया। पुलिस ने पहाडी को चारों ओर से घेर लिया और रात 1० बजे तक सर्च ऑपरेशन जारी रखा।

इस दौरान शुरू हुई बारीश ने खोजी अभियान को और कठिन बना दिया। रात 11 बजे जब आरोपी रामचंद्र भील पहाडी से उतरा तो पहले से घात लगाए पुलिस दल ने उसे दबोच लिया। वासोल निवासी रामचंद्र और उसका एक नाबालिग साथी इस वारदात में शामिल थे, जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया। रामचंद्र का मेडिकल परीक्षण करवाने के बाद उसे कांकरोली थाने लाया गया, जहां उसने अपना अपराध स्वीकार किया। पुलिस जांच में सामने आया है कि चाकूबाजी की इस घटना का मुख्य कारण आरोपी और सुपरमार्केट के मैनेजर के बीच काम को लेकर हुए विवाद था। मैनेजर द्वारा आरोपी को नौकरी से निकाले जाने पर आरोपी ने अपनी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा हुआ महसूस किया और बदले की भावना से भर गया। इसी कारण वह अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिलकर मैनेजर की पिटाई करने की योजना बनाई। घटना को अंजाम देने से पहले दोनों ने गांजा और शराब का सेवन किया जिससे उनका गुस्सा और बढ गया।

'संविदा पर लगे शिक्षकों को फिलहाल नहीं हटाया जायेगा'

बीकानेर। राजस्थान के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) एवं राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में एक साल के लिए संविदा पर लगाए गए साढ़े चार हजार शिक्षकों को आगामी निर्देश तक कार्य मुक्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में शिक्षा निदेशक आशीष मोदी ने आदेश जारी किए।

प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (माध्यमिक) को भेजे आदेश में कहा गया है कि सहायक अध्यापक, लेवल-प्रथम व द्वित्तीय संविदा भर्ती 2023 के अन्तर्गत संविदा आधार पर नियुक्त सहायक अध्यापक (अंग्रेजी एवं विज्ञान-गणित) की एक वर्ष की संविदा अवधि पूर्ण हो रही है। ऐसे कार्यरत संविदा सहायक अध्यापकों को आगामी निर्देश प्राप्त होने तक विद्यालय से कार्यमुक्त नहीं किया जाए। इन सभी की उपस्थिति पूर्वानुसार नियमित रूप से उपस्थिति पंजिका में दर्ज की जाए। किसी भी विद्यालय में सहायक अध्यापकों को उपस्थिति दर्ज करने से मना करने पर समस्त दायित्व संस्था प्रधान का माना जाएगा।

राजस्थान के साढ़े चार हजार शिक्षकों को अंग्रेजी माध्यम में एक साल के लिए 16 हजार 900 रुपए प्रति माह पर लगाया गया था। इन शिक्षकों का कार्यकाल 28 जुलाई को समाप्त होने वाला था, जिसके बाद से इनमें जबरदस्त बेचैनी थी। लेकिन अब भजनलाल सरकार ने इन शिक्षकों को बड़ी राहत दी है।

निचले तबके को त्वरित न्याय मिलें, इसके लिए बार और बैंच संयुक्त रूप से प्रयास करें : बिरला

- 'सशक्त न्याय व्यवस्था विकसित भारत के संकल्प का मूल आधार है'

जोधपुर हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली पर आयोजित सेमिनार में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का स्वागत किया।

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में हाईकोर्ट की प्लेटिनम जुबली के अवसर पर शनिवार को सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमीनार मे लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सबसे निचले तबके को त्वरित न्याय मिल सकें, इसके लिए बार और बैंच को संयुक्त रूप से प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा सशक्त न्याय व्यवस्था विकसित भारत के संकल्प का मूल आधार है। आम जनता को सुलभ, सस्ता और त्वरित न्याय दिलाने में न्यायालयों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पेंडिंग मुकदमों के समाधान के लिए नवाचार और नवीन टेक्नॉलजी का अधिकतम उपयोग आवश्यक है।

बिरला ने आज राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने देश को कई अत्यंत विशिष्ट न्यायाधीश और प्रख्यात अधिवक्ता दिए हैं , जिन्होंने कानून और न्याय के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक यात्रा में न्यायालय के निर्णयों ने राजस्थान सहित देश के सभी लोगों के हितों को सुरक्षित और सशक्त किया है। बिरला ने सशक्त न्याय व्यवस्था को विकसित भारत के संकल्प का मूल आधार बताया। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकार और न्यायपालिका दोनों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आम जनता के लिए सुलभ, सस्ता और त्वरित न्याय की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए लोक सभा अध्यक्ष ने विचार व्यक्त किया कि इस दिशा में न्यायालयों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है। सरकार ने न्याय व्यवस्था पर अनावश्यक बोझ कम करने के लिए कई वैधानिक परिवर्तन किए हैं, बिरला ने आशा व्यक्त की कि न्यायपालिका भी इस दिशा में बराबर की भूमिका निभाएगी। उन्होंने न्यायालयों में लंबित मुकदमों के निपटान और न्याय व्यवस्था की खामियों को दूर करने के लिए नए इनोवैशन और नई टेक्नॉलजी के अधिकतम उपयोग पर बल दिया।

उन्होंने युवाओं का आव्हान करते हुए कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में उनकी विशेष भूमिका रहेगी। सेमिनार में एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष रतना राम ठोलिया ने सभी सभी अतिथियों का स्वागत किया। सेमिनार में सुप्रीम कोर्ट के जज संदीप मेहता ने भी संबोधित किया। बताया- एक मामला ऐसा आया जब 14 साल से एक कैदी को पैरोल नहीं मिली। तब पता चला कि उसका नंबर नहीं आया। इसके बाद सभी कैदियों के लिए एक ऐप बनाया गया और कैदियों की जानकारी उस ऐप पर डाली गई। इस तरह से ई-प्रिजनर ऐप आया और सभी कैदियों की जानकारी उसमें है। यही व्यवस्था उन्होंने गुवाहाटी उच्च न्यायालय में करवाई। इस तरह से टेक्नॉलोजी से जेल में बंद हर कैदी को न्याय पहुंच रहा है । सुप्रीम कोर्ट के जज पंकज मित्तल ने बताया कहा राजस्थान हाईकोर्ट ने जिस तरह कॉज लिस्ट को प्रिंट करना बंद कर दिया, यह बड़ी उपलब्धि है। मैं जब इलाहबाद हाईकोर्ट में एक्सपेंडिचर कमेटी में था। तब कॉज लिस्ट का बकाया बिल करीब 63 करोड़ रुपए था, जो गर्वमेंट प्रेस को देना था।

उन्होंने कहा कि कॉज लिस्ट ऑनलाइन करने से काफी पैसा बचा है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी कार्य किया है। विधि मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- विधानसभा भी जल्द ही पेपर लेस होगी। उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट में जिस तरह टेक्नोलॉजी का उपयोग हो रहा है, विधानसभा में भी होगा। कार्यक्रम में जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी ने राजस्थान हाईकोर्ट में उपयोग की जाने वाली टेक्नोलॉजी से अवगत करवाया। कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट जज पंकज मित्तल, जज संदीप मेहता,राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव व अधिवक्ता मौजूद रहे।

राजस्थान सरकार का उपक्रम

RIICO GROW WITH RAJASTHAN

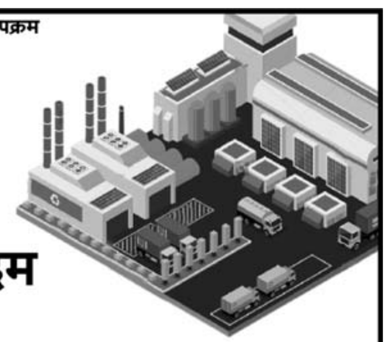

स्थापित करें नए उद्यम
विकास की ओर बढ़ाएं कदम
सरल ई-नीलामी के माध्यम से
आधारभूत सुविधाओं युक्त औद्योगिक क्षेत्रों में करें उद्यम की स्थापना

कुल भूखण्ड	औद्योगिक भूखण्ड	व्यावसायिक भूखण्ड	दुकानें	कियोस्क
77	57	5	14	1

ईएमडी	ऑनलाईन बिड
प्रारम्भ तिथि : 29 जुलाई, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)	प्रारम्भ तिथि : 13 अगस्त, 2024 (प्रातः 10:00 बजे)
अंतिम तिथि : 12 अगस्त, 2024 (सायं 06:00 बजे)	अंतिम तिथि : 16 अगस्त, 2024 (सायं 05:00 बजे)

05 आबू रोड़	07 अजमेर	04 अलवर	02 बालोतरा	03 बांसवाड़ा
03 भीलवाड़ा	08 भिवाड़ी-II	02 बीकानेर	01 दौसा	01 घिलोठ
05 जयपुर (उत्तर)	02 जयपुर (दक्षिण)	02 ईपीआईपी, सीतापुरा (जयपुर)	02 झालावाड़	03 जोधपुर
01 कोटा	04 किशनगढ़	07 नागौर	01 नीमराना	02 पाली
03 राजसमंद	02 सवाई माधोपुर	02 सीकर	03 श्रीगंगानगर	02 उदयपुर

*25% भुगतान के बाद, शेष 75% भुगतान 11 किस्तों में 8.5% ब्याज के साथ या 120 दिनों के भीतर ब्याज रहित भुगतान
या
टर्म लोन स्कीम के तहत भूमि की लागत का 75% तक का ऋण 5 साल की पुनर्भुगतान अवधि एवं 8.5% ब्याज के साथ*

*T&C Apply

सामान्य प्रश्नों के लिए स्कैन करें

Raj.Samwad/C/24/2912

राजस्थान स्टेट इण्डस्ट्रियल डवलपमेन्ट एण्ड इन्वेस्टमेन्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड
उद्योग भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर-302005
ई-नीलामी हैल्पलाइन नं. 0141-4593250, 4593237, व्हाट्सएपः +91 9001306515, ई-मेलः riico@riico.co.in
ईएमडी विवरण, रजिस्ट्रेशन एवं भूखण्ड से सम्बंधित जानकारी के लिए देखें www.riico.co.in

भारत विश्व का सबसे बड़ा और सफल लोकतंत्र : देवनानी

युवा संसद में विधानसभाध्यक्ष ने कहा कि देश के युवा जातिवाद, क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर नेशन फर्स्ट की भावना के साथ कार्य करें

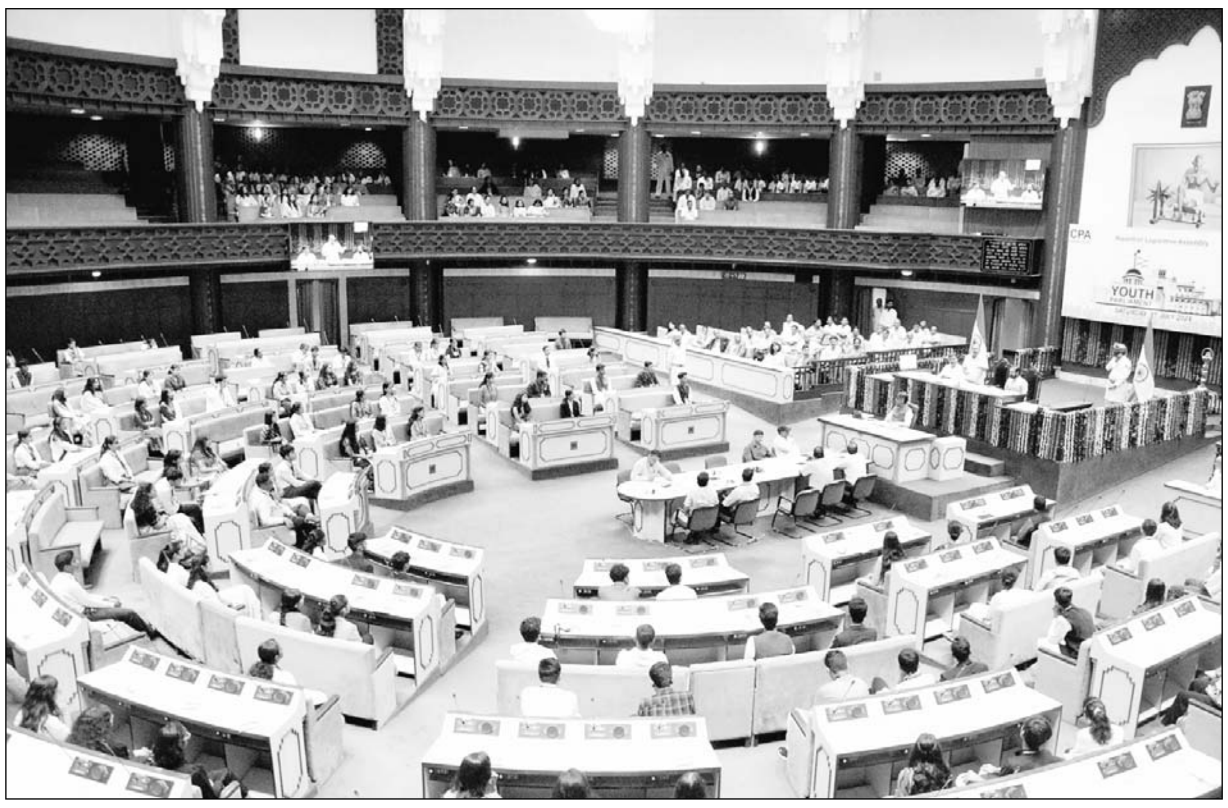

विधानसभा में शनिवार को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की ओर से युवा संसद समारोह का आयोजन हुआ।

- **'वर्तमान में कई बार असंसदीय घटनाओं के कारण मन व्यथित होता है। असहनशीलता इसका प्रमुख कारण है'**
- **देवनानी की पहल पर युवाओं को हुआ विधानसभा का अनुभव**

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा एवं सफल लोकतंत्र है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को महान बनाने में यहाँ की समृद्ध संवैधानिक परम्पराए, नियम और प्रक्रियाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भविष्य में इस महान लोकतंत्र को इसी प्रकार जीवित रखने में देश के युवाओं का अहम योगदान होगा। विधानसभा में शनिवार को राष्ट्र मण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के तत्वावधान में आयोजित युवा संसद समारोह को स्पीकर देवनानी संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से ही न्याय सभा तथा राज सभा के रूप में लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं रही हैं। भारत के जन जन के मन में लोकतांत्रिक सिद्धांतों और व्यवस्थाओं के प्रति गहरी आस्था है। उन्होंने युवा संसद में उपस्थित युवाओं का आव्हान किया कि इस संसदीय व्यवस्था में भागीदार बनकर इस महान लोकतंत्र में एक नयी ऊर्जा का संचार करें।

देवनानी ने कहा कि वर्तमान में कई बार असंसदीय घटनाओं के कारण मन व्यथित होता है। असहनशीलता इसका प्रमुख कारण है। उन्होंने युवाओं को कहा कि सहनशील और शिक्षित बनकर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से राष्ट्र निर्माण के लिए हमेशा कार्य करते रहे।देवनानी ने कहा कि संविधान के आधार पर ही देश में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका कार्य करती है इसलिए देश के युवाओं को संविधान में अपनी गहरी आस्था रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के युवा जातिवाद, क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर नेशन फर्स्ट की भावना के साथ कार्य करें। राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए एक भारत श्रेष्ठ भारत की दिशा में काम करें।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि हमेशा दीन-दुखी, पिछड़े और गरीबों के उत्थान के लिए कार्य करें और समाज में अंधकार और अशिक्षा को दूर करने में अपने तन-मन-धन से हर संभव सहयोग करें। उन्होंने स्वयं के शिक्षक रहते हुए अपने अनुभव साझा करते हुए सदन में उपस्थित विद्यार्थियों को कहा कि मन में जिज्ञासा और गुणात्मक कार्यों में हमेशा अपनी रूचि बनाये रखे।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि प्रदेश के विकास, कानूनों की क्रियान्विति आदि का निर्धारण विधानसभा से ही होता है। इस पवित्र सदन में आना बहुत सौभाग्य की बात है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को कहा कि सदन में बैठकर यहाँ की कार्यप्रणाली को बारीकी से समझकर एक जागरूक नागरिक बने। उन्होंने विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के सीमित उपयोग और फेक न्यूज़ के प्रति जागरूक रहने को कहा। विधायक और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के सचिव संदीप शर्मा ने समारोह में स्वागत और आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि संघ द्वारा आयोजित किये जा रहे युवा संसद कार्यक्रमों से युवाओं को लोकतंत्र की स्वस्थ परम्पराओं, दूसरे के विचारों का सम्मान और विधायिका के कामकाज को बारीकी से समझने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

कार्यक्रम में विधान सभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा, विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारी व कर्मचारीगण तथा एस.एम.एस विद्यालय के अध्यापकगण मौजूद थे। इस कार्यक्रम में 41 विद्यालयों के 181 विद्यार्थियों द्वारा विधायक के रूप में सदन में बैठकर जनहित के प्रश्न पूछे गए एवं उनके द्वारा ही स्पीकर, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष व मंत्री की भूमिका निभाई गयी। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में 20 जयपुर के और 21 राज्य के अन्य जिलों व राज्यों के विद्यालयों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

खट्टर आज जयपुर में केंद्रीय बजट की जानकारी देंगे

जयपुर। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच ने कहा कि केंद्रीय बजट की जन कल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा की ओर से प्रदेश के संभाग मुख्यालयों पर प्रेसवार्ता आयोजित की जा रही है। इस दौरान प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री के साथ राज्य सरकार के मंत्री और भाजपा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। आज अजमेर और कोटा संभाग मुख्यालय पर प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें अजमेर में केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी, भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाना तथा कोटा में केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के साथ उर्जा मंत्री हीरालाल नागर और भाजपा उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा ने प्रेसवार्ता की।

भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने गुरुग्राम पहुँचकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सांसद प्रभात झा के दुःखद निधन पर उनकी पार्थिव देह के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिवारजनों को ढांढस बंधाया।

पी.टी.आई.भर्ती परीक्षा में पास हुए पांच अभ्यर्थियों के खिलाफ में एफ.आई.आर. दर्ज

- **एस.ओ.जी. की जांच में डिग्रियां फर्जी निकलीं, डमी अभ्यर्थी बैठाकर पास हुए।**
- **पी.टी.आई. को क्रिकेट, बैडमिंटन और बॉक्सिंग के बेसिक नहीं पता।**

जयपुर। पीटीआई भर्ती परीक्षा 2022 में पास हुए पांच अभ्यर्थियों पर एसओजी ने एफआईआर दर्ज की है। अब जल्द ही इनकी गिरफ्तारी हो सकती है। जांच में सामने आया कि इन पीटीआई ने डमी अभ्यर्थी बैठकर परीक्षा पास की है। इनकी डिग्रियां भी फर्जी हैं। साथ ही इन्हें क्रिकेट बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों की बेसिक जानकारी भी नहीं है। इसके लिए एसओजी ने एक महीने से जांच कर रही थी। अब एसओजी ने जांच रिपोर्ट सीनियर अधिकारियों को सौंप दी है।

सूत्रों के अनुसार, एसओजी की जांच में सामने आया है कि पीटीआई भर्ती परीक्षा-2022 में पास हुए अभ्यर्थियों के पास बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) की सामान्य डिग्री तक नहीं है। आरोपियों ने फर्जी डिग्री लेकर सरकारी नौकरी हासिल की है। एसओजी द्वारा की गई जांच में अब तक पांच पीटीआई के खिलाफ मिली शिकायत की पुष्टि हो चुकी है।

सूत्रों के अनुसार, एसओजी की जांच में सामने आया है कि इन पांच पीटीआई को बेसिक गेम क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल और बॉक्सिंग के यार्ड की जानकारी भी नहीं है। दो पीटीआई को टी-20 क्रिकेट मैच और टैस्ट मैच के बेसिक क्लियर नहीं हैं। क्रिकेट बॉल की मोटाई पूछने पर एक पीटीआई ने तो हाथ से इशारा करके बता दिया कि इतनी मोटी होती है।

एसओजी का कहना है कि राजस्थान स्टाफ सलेक्शन बोर्ड की ओर से शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 परीक्षा का आयोजन 25 सितम्बर 2023 को हुआ था। इस परीक्षा में बड़ी संख्या संख्या में डमी अभ्यर्थी बैठे। इनके कारण बड़ी संख्या में अयोग्य लोग राजस्थान सरकार के सरकारी स्कूलों में पीटीआई लग गए। पेपर लीक के आरोपियों की परीक्षा के दिन की मोबाइल लोकेशन चैक की गई। उनकी लोकेशन सेंटर के आसपास की नहीं मिली। ये लोग सेंटर ही नहीं जिले से भी बाहर थे।

एसओजी को हेल्पलाइन नम्बर से अलवर जिले में तैनात सरकारी स्कूल के पीटीआई के बारे में भी जानकारी मिली है। अलवर में लगे हुए कुछ पीटीआई भी इसी प्रकार से परीक्षा पास करके नौकरी पर लगे हैं। एसओजी ने उनके दस्तावेजों की जांच कर रही है। जांच पूरी होने पर उन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसओजी के अनुसार, जांच में पुष्टि होने के बाद पांच पीटीआई के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एसओजी को उनके खिलाफ शिकायत मिली है। उनकी जांच चल रही है। इन लोगों से जल्द पूछताछ कर इनकी गिरफ्तारी की जाएगी। संबंधित जिला एसपी और हमारी यूनिट को एक्टिव कर दिया गया हैं।

सूत्रों के अनुसार जोधपुर के बिलाड़ा में रहने वाले महेन्द्र कुमार बिश्नोई के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। महेन्द्र का सेंटर शास्त्री नगर स्थित टैगोर विद्या भवन में था। आरोप है कि महेन्द्र ने अपनी जगह डमी कैंडिडेट बिठाकर परीक्षा पास की। जब आरोपी से बीपीएड का सर्टिफिकेट मांगा गया तो आरोपी ने अमरावती विवि से बीपीएड की फर्जी डिग्री दे कर नौकरी ले ली। वहीं श्रवण सिंह के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। श्रवण सिंह का सेंटर मुरलीपुरा में शहीद मेजर योगेश अग्रवाल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आया था। उसने अपनी जगह पर डमी कैंडिडेट बिठा कर परीक्षा पास की और पीटीआई बन गया। आरोपी ने एकलव्य यूनिवर्सिटी मध्य प्रदेश से बीपीएड की डिग्री लगाई, जो फर्जी निकली।

सांचोर के रहने वाले मनोहर लाल का जयपुर के मुरलीपुरा में सेंटर आया था। उसकी जगह डमी कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी। शिकायत मिलने के बाद अभ्यर्थी मनोहर लाल के दस्तावेजों की जांच की। जांच में आवेदन पत्र, परीक्षा प्रवेश पत्र और जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्राप्त बीपीएड की डिग्री फर्जी पाई। जालोर के सायला का रहने वाले ईश्वर सिंह का परीक्षा केंद्र मुरलीपुरा के प्रिंस स्कूल में आया था। उसकी जगह डमी कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी। ओपीजेएस विश्वविधालय में बीपीएड सत्र 2018-20 अभ्यर्थी ईश्वर सिंह का नाम नहीं मिला। उसने शारीरिक शिक्षक की नौकरी बैक डेट में फर्जी तरीके से ओपीजेएस विश्वविधालय की डिग्री और मार्कशीट से प्राप्त की है। सांचोर के रहने वाले सुरेश कुमार का परीक्षा केंद्र महात्मा गांधी स्कूल में आया था। सुरेश के स्थान पर डमी कैंडिडेट ने परीक्षा दी थी। सुरेश कुमार ने जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद (उत्तर प्रदेश) से बीपीएड की डिग्री प्राप्त की थी। आवेदन पत्र में बीपीएड उत्तीर्ण करने का साल 2021 अंकित किया गया है। वहीं, जेएस विश्वविद्यालय शिकोहाबाद द्वारा जारी मॉर्कशीट में चौथे सेमेस्टर का परिणाम 23 सितम्बर 2022 को जारी होना बताया है। इस प्रकार फर्जी डिग्री प्राप्त की गयी थी।

चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों को इन्हीं स्कूलों के रिक्त पदों की चयन प्रक्रिया में शामिल करने के आदेश देते हुए उनके ऑफ लाइन आवेदन स्वीकार करने को कहा है। वहीं अदालत ने मामले में शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक से जवाब तलब किया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश गजानंद यादव व अन्य की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने राजकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों के खाली पदों पर भर्ती के लिए गत 11 जुलाई को भर्ती विज्ञापन निकाला। जिसमें यह शर्त रखी गई कि विशेष चयन प्रक्रिया से चयन के बाद अंग्रेजी माध्यम में पदस्थापित शिक्षक इसमें आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता शिक्षक अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में ही दूसरे जिलों में कार्यरत हैं।

वकील को केस की फाइल नहीं देने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने वन विभाग के कर्मचारी के चयनित वेतनमान नहीं देने से जुड़े मामले में सरकारी वकील के पास फाइल नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने अतिरिक्त मुख्य वन सचिव को निर्देश दिए हैं कि वह 29 जुलाई को व्यक्तिगत या वीसी के जरिए अदालत में उपस्थित होकर इस संबंध में अपना शपथ पत्र पेश करें। अदालत ने एसीएस को कहा है कि शपथ पत्र में बताए प्रकरण की सरकारी वकील को फाइल नहीं देने के क्या कारण हैं। इसके अलावा इसके लिए दोषी अधिकारी के खिलाफ क्या कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। जस्टिस महेंद्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश राम प्रसाद मीणा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान सरकारी वकील ने कहा कि उन्हें प्रकरण की फाइल उपलब्ध नहीं कराई गई है। ऐसे में वे प्रकरण में बहस नहीं कर सकते हैं। ऐसे में उन्हें चार सप्ताह का समय दिया जाए। वहीं याचिकाकर्ता के वकील विजय पाठक ने कहा कि गत सुनवाई को भी इसी आधार पर तारीख ली गई थी। इस पर अदालत ने नाराजगी जताते हुए कहा कि कोर्ट में रोजाना वन विभाग के ऐसे कई केस आ रहे हैं, जिनमें विभाग के वकील को प्रकरण की फाइल ही मुहैया नहीं कराई गई है। जिसके कारण मुकदमों की सुनवाई प्रभावित हो रही है। इस मामले में भी पूर्व में सरकारी वकील को फाइल नहीं होने के आधार पर बहस के लिए समय दिया गया था, लेकिन अभी तक उनके पास फाइल नहीं पहुंची है। ऐसे में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व्यक्तिशः या वीसी के जरिए हाजिर होकर इस संबंध में शपथ पत्र पेश कर सरकारी वकील को फाइल नहीं पहुंचाने के कारण और इसके दोषी अधिकारी के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी अदालत में पेश करें।

'आवंटी बिल्डर से जमा राशि वापस लेने का अधिकारी'

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान रियल एस्टेट अपीलीय अधिकरण ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि कंप्लीशन सर्टिफिकेट व ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट बिना प्रोजेक्ट व बिल्डिंग के निर्माण को पूरा नहीं माना जा सकता। यदि बिल्डर ने ये सर्टिफिकेट प्राप्त नहीं किए हैं तो ऐसी स्थिति में आवंटी बिल्डर से अपनी जमा राशि वापस लेने का अधिकारी होगा। इसके साथ ही अधिकरण ने बिल्डर को निर्देश दिया कि वह अपीलार्थी को उसकी जमा राशि 45 दिन में ब्याज सहित लौटाए। अधिकरण ने यह आदेश आवंटी कैलाश गुप्ता की अपील को मंजूर करते हुए और सिक्विन रियल एस्टेट की अपील को दस हजार रुपए हर्जाने सहित खारिज करते हुए दिया। अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि अपीलार्थी बिल्डर ने वर्ष 2006 में स्टार सिटी के नाम से एक आवासीय प्रोजेक्ट शुरू किया।

सुमेल एनीकट के अति.जल भराव की समस्या के निस्तारण के लिए क्या कर रही है सरकार?

- **अदालत ने मामले में मुख्य सचिव और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है**

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि गंगापुर सिटी के पास सुमेल नदी पर बने एनीकट के अतिरिक्त जल भराव से स्थानीय निवासियों को हो रही समस्या के निस्तारण के लिए क्या किया जा रहा है। अदालत ने मामले में मुख्य सचिव और जल संसाधन विभाग के अधिकारियों सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश भरत सिंह व अन्य की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में अधिवक्ता सुरेन्द्र कुमावत लांबा ने अदालत को बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना के तहत सुमेल नदी पर एनीकट का निर्माण किया गया है। एनीकट के सर्वेक्षण और निर्माण के दौरान प्रशासन की ओर से यह बताया गया था कि इसकी भराव क्षमता 46.20 एमसीटी रहेगी और इसका जल भराव क्षेत्र बामन बड़ौदा की संपर्क रोड के पुल के स्तर तक रहेगा। जबकि नौगांवा इसके अपस्ट्रीम में रहेगा। वहीं एनीकट की दोषपूर्ण डिजाइन और गलत निर्माण के कारण इसका जलमग्न एरिया 46.20 से करीब चार गुणा बढकर 184 एमसीटी हो गया। इसके अलावा अपस्ट्रीम एरिया से पांच किलोमीटर आगे तक जलभराव हो रहा है। जिसके कारण नौगांवा, बिदरखा, बामन बड़ौदा सहित आसपास के गांवों के निवासियों के खेतों और मकानों में जलभराव की स्थिति पैदा हो गई है। याचिका में बताया गया कि याचिकाकर्ताओं की भूमि को डूब क्षेत्र के उद्देश्य से न तो अधिग्रहित किया गया और ना ही उन्हें कोई मुआवजा मिला। वहीं हर मौसम में जलभराव होने के कारण खेतों में फसल की पैदावार खराब हो रही है, लेकिन उसका भी मुआवजा नहीं दिया गया। यहां हो रहे जलभराव के कारण उन्हें जीवन यापन में कठिनाई का सामना करना पड रहा है। इस संबंध में स्थानीय अधिकारियों को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा 5वीं मंजिल से कूदी

जयपुर (कासं)। परिवार के साथ अपना 18वां जन्मदिन मनाने के दूसरे दिन युवती ने बिल्डिंग की 5वीं मंजिल से छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। वह नीट परीक्षा की तैयारी कर रही थी। मरने से पहले एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें परिजनों से माफी मांगी है। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त किया है। शव को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्यूरी में रखवाया गया है।

पुलिस ने बताया कि छात्रा यति अग्रवाल (18) द्वारिका अपार्टमेंट विद्याधर नगर की रहने वाली थी। उसने 12वीं क्लास पास कर नीट परीक्षा की कोचिंग कर रही थी। गुरुवार को उसका जन्मदिन था। उसने अपना 18वां जन्मदिन अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर मनाया था। शुक्रवार को उसने बिल्डिंग की 5वीं मंजिल से छलांग लगाकर सुसाइड कर लिया। छात्रा को लहूलुहान हालत में जमीन पर गिरा देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए कांवटिया हॉस्पिटल लेकर गई। पुलिस को मृतका के पास से नोटबुक में एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें परिवार की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने के लिए माफी मांगी है।

जयपुर फुट के विशेषज्ञ अब कोलकाता के तकनीशियनों को प्रशिक्षित करेंगे

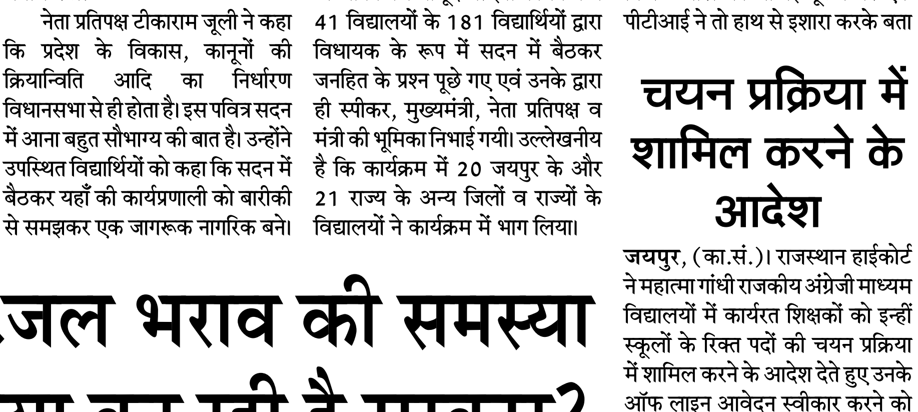

भारत सरकार के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के बीच एक एम.ओ.यू. पर नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी के निदेशक डॉ. ललित नारायण और बी.एम.वी.एस.एस. के सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने हस्ताक्षर किए। इस दौरान बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता मौजूद रहे।

जयपुर, (का.सं.)। भारत सरकार के संस्थान नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी और विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बी.एम.वी.एस.एस.) के बीच एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए । इस एम.ओ.यू. के अन्तर्गत दोनों संस्थाएँ आपसी सहयोग से कोलकत्ता स्थित इस राष्ट्रीय शारीरिक गतिशील द्विव्यांगजन संस्थान के तकनीशियनों के बी.एम.वी.एस.एस. के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित करेगा।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसएबिलिटी (एन.आई.एल.डी.) के निदेशक डॉ. ललित नारायण और बी.एम.वी.एस.एस. के सचिव (तकनिकी) डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता, सचिव भूपेन्द्र राज मेहता, बी.एम.वी.एस.एस. के तकनिकी परामर्शदाता डॉ. एम.के. माथुर और एन.आई.एल.डी. के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रसन्ना लेंका भी उपस्थित थे। एन.आई.एल.डी. केन्द्रीय सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण मंत्रालय के द्विव्यांगों के पुर्नवास विभाग के अन्तर्गत कोलकत्ता के बोनहुगली स्थित संस्था है।

सचिव डॉ. दीपेन्द्र मेहता ने बताया कि एन.आई.एल.डी. और बी.एम.वी.एस.एस. के बीच आपसी सहयोग के अन्तर्गत दोनों संस्थाऐं द्विव्यांगों के पुर्नवास के लिए प्रशिक्षण और अन्वेषण कार्य करेगा और एन.आई.एल.डी. के प्रशिक्षुओं को जयपुर फुट की निर्माण संस्था प्रशिक्षित करेगी। बी.एम.वी.एस.एस. एन.आई.एल.डी. के अपने एक केन्द्र की स्थापना कर प्रशिक्षण कार्य चलाएगी और इसके अन्तर्गत जयपुर फुट और अन्य उपकरणों के निर्माण की विधि का प्रशिक्षण देगा। इस अनुबन्ध के अन्तर्गत एन.आई.एल.डी. में द्विव्यांगजनों को जयपुर फुट और अन्य उपकरण उपलब्ध किए जाऐंगे, जिससे पश्चिम बंगाल और पूर्व भारत के बड़ी संख्या में द्विव्यांगजन लाभान्वित होंगे।

बी.एम.वी.एस.एस. के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता ने कहा कि एन.आई.एल.डी. से अनुबन्ध से जयपुर फुट की गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी का विस्तार होगा, जिसका लाभ देश भर के द्विव्यांगों को विशेष कर पूर्व और पूर्वोत्तर के राज्यों के द्विव्यांगों को मिलेगा। एन.आई.एल.डी. के निदेशक डॉ. ललित नारायण ने कहा कि इस एम.ओ.यू. के अन्तर्गत अब द्विव्यांगों को एन.आई.एल.डी. के माध्यम से जयपुर फुट लगाकर उनका पुर्नवास किया जा सकेगा।

नाटक '12 एंग्री मैन' का मंचन

- **रविवार सुबह 11 बजे संवाद प्रवाह, शाम 7 बजे भोपा भैरूनाथ का मंचन होगा**

जयपुर । जवाहर कला केंद्र की सहभागिता में जारी नटराज महोत्सव के 5वें दिन शनिवार को नाटक '12 एंग्री मैन' का मंचन हुआ। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से स्नातक कर चुके विशाल विजय के निर्देशन में फोर्थ वॉल ड्रामेटिक सोसाइटी के कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय से रंगकर्मियों ने सुधि दर्शकों को एकटक नाटक देखने पर मजबूर कर दिया। आलम यह रहा कि रंगायन सभागार दर्शकों से पूरी तरह आबाद नजर आया। 12 एंग्री मैन अमरीकी लेखक रेजीनॉल्ड रोज कृत कोर्टरूम ड्रामा है। रंजीत कपूर ने इसका रूपांतरण किया है। नाटक में उस समय का जीवंत दृश्य देखने को मिलता है जब अदालती फैसले ज्यूरी मेंबर किया करते थे। अदालत में एक हत्या का मामला आता है। कार्यवाही के दौरान मेंबर्स के असली चेहरे, निजी विचार, पूर्वाग्रह उभरने लगते हैं। अंत में बडी मशक्कत के बाद वे निष्पक्ष फैसला सुनाते हैं। यह न्याय की जीत को दर्शाता है। बेहतर निर्देशन और बेजोड़ अभिनय दर्शकों के दिलों पर छाप छोड़ गया। 12 एंग्री मैन शीर्षक वाले नाटक में बीच-बीच में व्यंग्यात्मक संवाद के जरिए रंगकर्मियों ने दर्शकों को हँसने का मौका भी दिया। संचित जैन, अंकित शर्मा, योगेन्द्र सिंह, चित्रार्थ मिश्रा, कमलेश बैरवा, राहुल पंवार, रितिक शर्मा, संदीप मिश्रा, गौरव कुमार, आकिब मिर्ज़ा, दीपक गुर्जर, दीक्षांक शर्मा, विनय सैनी ने मंच पर किरदार निभाए। देशराज गुर्जन ने लाइट, विमल मीणा ने संगीत संयोजन संभाला व वरिष्ठ रंगकर्मी रुचि भार्गव नरुला ने जज के किरदार के लिए अपनी आवाज दी। गौरतलब है कि 28 जुलाई को नटराज महोत्सव के आखिरी दिन सुबह 11 बजे कृष्णायन में "संवाद प्रवाह" का आयोजन होगा, जिसमें भारत रत्न भार्गव, प्रेरणा श्रीमाली (जयपुर घराने की कथक नृत्यांगना), गोपालाचार्य जी एवं विशाल विजय विचार रखेंगे और बातचीत करेंगी रुचि भार्गव नरूला।

कार में लिफ्ट देकर लूटने वाले तीन आरोपी को गिरफ्तार किया

आरोपीगण नाजीम, इसरार व अंकित को बापर्दा गिरफ्तार किया

ब्यावर, (निसं)। 15 मई को सुमन गोयल निवासी चांग गेट हाल देलवाडा रोड ने पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज करते हुए बताया की वो राजकीय कन्या महाविद्यालय, अजमेर में प्रोफेसर है तथा रोजाना अपनी ड्यूटी पर अजमेर जाती है। सुबह जब मुख्य बस स्टेण्ड, ब्यावर के अंदर रोडवेज बस में अजमेर जाने के लिये जैसे ही चढ़ने लगी उसी समय एक व्यक्ति मेरे पास आया और कहा कि मैडम हमारी कार बस स्टेण्ड के बाहर ही खड़ी है हम भी अजमेर जा रहे है।

आप हमारी कार में बैठ जाओ, हम तुम्हें बस से पहले अजमेर पहुंचा देंगे। उसकी बातों में आकर तथा बस में भीड़ होने के कारण उसके साथ बस स्टेण्ड से बाहर आ गई और उसकी कार में बैठ गई। उस समय कार के अंदर कार चालक अंदर बैठा था और यह व्यक्ति जो मुझे कार में बैठने को कहा, उसी समय एक व्यक्ति और आकर कार के अंदर बैठ गया।

इस प्रकार कार में कार चालक सहित हम 4 जने हो गये तथा कार चालक तुरंत ही कार लेकर अजमेर के लिये रवाना हो गया। अजमेर रोड बाईपास पहुंचने से पहले ही कार में जिस व्यक्ति ने मुझे बैठने को कहा उसने कार के अंदर मुझे कहा कि मैं पुलिस में हूं तथा अभी ब्यावर में जो मर्डर हुआ है, उस मामले में हमारे साहब को छोडने आया हूँ। यह कहते हुए कार के अंदर ही मेरे से मेरे गले में पहनी हुई एक सोने की चैन वजनी 2 तोला, कान की सोने की बालीयां खोलकर देने को कहा, तब मैंने उसका विरोध किया तो वह कहने लगा जैसे मैं कह रहा हूं तुम वैसे ही करो ज्यादा चिल्लाने की जरूरत नहीं है। यह हम तुम्हें वापस दे देंगे, तथा उसने जबरन मेरे से मेरी सोने की चैन व कान की सोने की बालीयां खुलवाकर ले ली।

जैसे ही अजमेर रोड बाईपास एचपी पेट्रोल पम्प के पहले पहुंचे कि इन्होंने कार को रोक दिया और मुझे कहा कि मैडम आप कार से नीचे उत्तरो अभी 2 मिनिट में चलते है, यह कहते उसने मुझे एक लिफाफा दिया और कहा कि तुम्हारी सोने की चैन व कान की सोने की बालीयां इसी में है, तब मुझे शक होने पर लिफाफा दबाकर देखा तो उसमें कुछ भी नहीं था।

मैं जैसे ही चिल्लाई तो इन्होंने तेजी से कार को वापस ब्यावर की ओर घुमाते हुए कहा कि आप यहीं रूको हम वापस आ रहे है, ऐसा कहकर कार लेकर भाग गये। उसके बाद मैंने मेरे पति को उक्त घटना की जानकारी फोन पर दी, फिर मेरे पति मुझे यहां पर लेने आये उनके साथ आई। नरेन्द्र सिह आईपीएस पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में हिमाशु जागिडं आरपीएस अति. पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में राजेश कसाणा आरपीएस वृताधिकारी के निकट सुपरविजन में गठित टीम द्वारा अज्ञात आरोपी सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिए अनुसार तलाश की गई। संदिग्ध कार के बारे में आरटीओ से डिटेल प्राप्त की गई।

आरोपियों को गिरफ्तार किया।

आठ दिवसीय शिव महपुराण कथा का समापन आज

अजमेर, (कासं)। संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा की आठ दिवसीय कथा के पंचम दिवस पर कथा वाचक पंडित दिनेश गुरूजी ने मां भगवती पार्वती देवी का प्राकट्य उत्सव सांकेतिक करवाया और बड़े धूमधाम से प्राकटय महोत्सव मनाया गया एवं माता पार्वती एवं बाबा भोलेनाथ का विवाह महोत्सव महर्षि गर्गाचार्य जी के द्वारा संपन्न करवाया गया।कथा का रसपान करते हुए भक्तगण झूमने नाचने लगे और भावविभोर हो गयें।

कथा वाचक पंडित दिनेश गुरु ने सभी भक्तों को प्रभम परमात्मा का निरन्तर सिमरण करने की सीख दी।श्रीराम सेवा समिति के मीडिया प्रभारी रमेश लालवानी ने बताया कि कथा वाचक दिनेश गुरू के द्वारा कथा का श्रवण करवाकर अनेक स्थानो पर क्षेत्रवार श्रीमद्वभागवत कथा एवं श्रीशिव महापुराण कथा का आयोजन करके सनातन धम्र का प्रचार एवं प्रसार निरन्तर किया जा रहा है।

कथा का विश्राम 28 जुलाई रविवार को हवन यज्ञ एवं पार्थिव शिवलिंग पूजन के साथ होगा।रमेश लालवानी ने बताया कि समस्त श्रद्वालुओ को कथा के अन्तिम दिवस पर सम्मलित होकर लाभ लेने की अपील की है।

तीसरे दिन भी नगरपरिषद के सफाई कर्मचारी हड़ताल पर रहे

■ सफाई कर्मचारी भर्ती मे परमपरागत रुप से सफाई कार्य करने वाले वाल्मीकि समाज के लोगों को ही प्राथमिकता देने की मांग

शाहपुरा, (निसं)। अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के अव्हान पर शनिवार तीसरे दिन भी नगरपरिषद के सफाई कर्मचारी हडताल पर रहे।जानकारी देते हुए संगठन के प्रदेश सदस्य सुरेशचन्द्र घुसर ने बताया की सफाई कर्मचारियों द्वारा अपनी न्यायोचित मांगों के समर्थन मे सभी कर्मचारी व समाज के बेरोजगार युवको ने आज तीसरे दिन भी महलों के चौक मे चल रहे धरने मे सैकड़ों की संख्या मे लोगों ने धरना दिया। साथ ही सफाई मजदूर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार घुसर ने प्रेस नोट जारी कर बताया की सुबह नगरपरिषद के सभापति रघुनंदन सोनी द्वारा धरना स्थल पर पहुंच कर कर्मचारियों की प्रमुख मांग सफाई कर्मचारी भर्ती मे परमपरागत रुप से सफाई कार्य करने वाले वाल्मीकि समाज के लोगों को ही प्राथमिकता देने की मांग का समर्थन करते हुए सभी कर्मचारियों से वार्ता कर वर्षाऋतु को देखते हुए अतिवृष्टि या किसी प्राकृतिक आपदा की संभावनाओं के तहत कर्मचारी अपने विरोध प्रदर्शन के तरीकों मे बदलाव कर एक समय का कार्य करने की अपील की गई, जिस पर सभी कर्मचारियों सहित संगठन पदाधिकारियों ने सभापति को आश्वस्त किया की शाहपुरा मे अतिवृष्टि व अन्य किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए सभी सफाई कर्मचारी प्रशासन के साथ मिल कर शहरवासियों के लिए अपनी जान तक की बाजी लगाने से पिछे नहीं हटेंगे।संगठन के नगर अध्यक्ष त्रिलोक शांकर घुसर ने बताया की प्रदेशव्यापी झाडू डाउन हडताल के चलते, सभापति द्वारा दिये गये सुझावों को लेकर संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सहित प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से विचार विमर्श कर निर्णय किया जाएगा।इस अवसर पर अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के महामंत्री रमेशचन्द्र घुसर, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष निर्मल घुसर, आयोजि जिला शाहपुरा अध्यक्ष घीसू लाल घुसर नगर महामंत्री आजाद जिला मंत्री दिनेश कुमार लोट समस्त कर्मचारी एवं पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

शिविर में 84 रोगी लाभान्वित

बिजयनगर, (निसं)। होटल संचेती पैलेस मिल चौक विजयनगर में श्री वर्धमान सेवा संस्थान एवं कृष्ण गोपाल आयुर्वैदिक धर्मार्थ औषधालय धर्मार्थ ट्रस्ट कालेड़ा कृष्ण गोपाल के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित हुआ । विभिन्न ग्रामों एवं विजयनगर से पधारे हुए सभी प्रकार के रोगियों को वैद्य अशोक शर्मा ने परामर्श करके उपचार किया तथा उप वेद्य लक्ष्मी नारायण सोनी तथा परिचारक सत्यनारायण भील ने औषधीय तैयार करके निशुल्क वितरित की। शिविर में 84 रोगी लाभान्वित हुए। श्री वर्धमान सेवा संस्थान के पदाधिकारी अनिल संचेती मुकेश बिलवाड़ीया घेवरचंद जैन रूपचंद लुणावत बीरदीचंद पीपाड़ा केसरिया ज्वेलर्स राजेंद्र भंडारी संजय बाफना लुणावत प्रकाश गोलेछा उमराव बिरानी सहित सदस्यों ने अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की।

सरपंच के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

■ विधायक-एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड की ग्राम पंचायत काना खेड़ा के सरपंच सुरेंद्र सिंह राठौड़ के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा।शनिवार को ग्राम कानाखेडा के संरपच द्वारा आए दिन गाँव के लोगो को नाजायज परेशान करना व गाँव के लोगो के साथ मारपीट को लेकर मसूदा विधायक व एसडीएम मसूदा को ज्ञापन सौपा जिसमें उन्होंने बताया कि समस्त ग्रामवासी कानाखेडा निवासियों द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत कानाखेड़ा के संरपच सुरेन्द्रसिंह पुत्र छोटूसिंह निवासी कानाखेडा निवासी द्वारा आए दिन ग्रामीणों साथ मारपीट व गाली गलोच करता है ।आए दिन हम ग्रामवासियों को परेशान करता है ।हमारे गाँव के संरपच द्वारा ना तो हमारें पंचायत संबधी काम भी नहीं करता है और हमकों काम के लियें चक्कर देता रहता है ।गाँव के लोगों द्वारा कई बार संरपच के खिलाफ उच्च अधिकारियों प्रार्थना पत्र दिये गयें परंतु फिर भी संरपच द्वारा गाँव के लोगो का काम नहीं किया जाता है ।आए दिन गाँव वालो के साथ मारपीट गाली गलोच करता है। ग्रामीण किसी कार्य के लिए कहते हैं तो कहता है में सरपंच हु ग्राम पंचायत कानाखेड़ा का विधायक हु मेरे कोई भी कुछ नहीं बिगाड़ सकता है। ग्रामीणों ने मसूदा विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत से मिलकर गुहार लगाई की सरपंच सुरेंद्र सिंह आपका नाम लेकर धमकाता है हमारा राज है सरकार हमारी व विधायक भी हमारा जिसके कारण सैकड़ों ग्रामीणों ने शनिवार को विधायक के निवास पर पहुचकर आप बीती बताई।

'भीलवाड़ा को हरा भरा एवं प्रदूषणमुक्त करें'

■ संगम समूह के ट्री-गार्ड व पौधा वितरण अभियान का हुआ समापन

भीलवाड़ा, (निसं)। संगम उद्योग समूह द्वारा एक लाख पौधे व 5 हजार ट्रीगार्ड वितरण अभियान के समापन के अवसर पर समूह के चेयरमैन रामपाल सोनी ने आमजन से अपील की है कि पौधे लगाकर उनका पालन पोषण एवं रखरखाव व्यवस्था कर उन्हें पेड़ बनाकर भीलवाड़ा को हरा भरा एवं प्रदूषणमुक्त बनाएं। सोनी ने पौधे एवं ट्री गार्ड वितरण में सहयोग के लिए मुकेश अजमेरा, श्याम बिड़ला, गुमान सिंह पीपाड़ा, जमनालाल जोशी, सुरेश सुराना, दाताराम वर्मा, दुर्गा प्रसाद त्रिपाठी सहित अभियान के प्रचार-प्रसार हेतु मीडिया तथा जिले को हरा-भरा बनाने के लिए समूह को सहयोग प्रदान करने वाले आमजनों व संगठनों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम प्रभारी बाबूलाल जाजू ने बताया कि आज 11350 पौधों एवं 570 ट्री गार्ड का वितरण हुआ। अभियान के तहत अब तक लगभग 74 हजार पौधों एवं 3700 ट्री गार्ड वितरित किए जा चुके है। आज कुसुम तिवारी, प्रहलाद खटीक, शिवानी शर्मा, सुमन तेली, जसवंत सोनी, कोमल खटोड़, धर्मेंद्र दादवानी, दुर्गा मूंदड़ा, अंकित नाहटा, सहित सैकड़ों लोगों को पौधे एवं ट्री गार्ड का वितरण किया गया। ट्री गार्ड वितरण प्रभारी हिम्मत पारीक ने बताया कि जिन व्यक्तियों के ट्री गार्ड के फार्म एवं विद्यालयों के पौधे एवं ट्री गार्ड के आवेदन लंबित है उन्हे दूरभाष पर सूचना देकर ट्री गार्ड व पौधे वितरित किए जाते रहेंगे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम कल से

शाहपुरा, (निसं)। ग्रामीण विकास एवम स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान ; रूडसेट सुवाणा में 30 दिवसीय नि: शुल्क आवासीय मोबाईल फोन सर्विस एवं रिपेरींग का प्रशिक्षण कार्यक्रम 29 जुलाई से संस्थान मे शुरू होने जा रहा है संस्थान के निदेशक रवि टैलर ने बताया की भीलवाड़ा एव शाहपुरा जिले के बेरोजगार युवा साथी जिनकी आयु 18 से 45 वर्ष हे वे इस प्रशिक्षण का लाभ ले सकते,इस प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयर करने के साथ साथ उधयमशीलता की भी जानकारी दी जाएगी। जिससे प्रशिक्षणार्थी को प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद अपने हुनर व कोशल के द्वारा अर्जित ज्ञान से रोजगार के साधन बढ़ाने एवम अपने जीवन स्तर को उपर उठाने मे मदद मिलेगी। इस प्रशिक्षण मे भाग लेने वाले छात्रों के लिए नि: शुल्क आवास एव भोजन की व्यवस्था संस्थान के द्वारा की जाएगी। अधिक जानकारी के लिए निम्न लिखित फोन नंबर 9414053944,9458004035 पर संपर्क करे

कार्यकर्ताओं ने आर्य और प्रदेश उपाध्यक्ष आर.पी. सिंह का अभिनंदन किया

मेडता सिटी, (निसं)। राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य मेड़ता सिटी के दौर पर रहे । इस अवसर पर मेड़ता पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा,ब्लॉक अध्यक्ष नेमा राम बेड़ा,पालिकाध्यक्ष गोतम टाक हेमाराम बेड़ा सहित कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आर्य और प्रदेश उपाध्यक्ष आर पी सिंह का मुलाकात कर माला व साफा और स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया । इस अवसर पर आर्य ने कहा यदि अच्छी योजना हो तो उन्हें बंद नही करना चाहिए जब कि योजना को और बेहतर बनाना चाहिए। लोक सभा चुनाव में कॉग्रेस को काफी अच्छा समर्थन मिला है हम सब मिलकर कॉग्रेस को मजबूत बनाएंगे।

वही पीसीसी उपाध्यक्ष सिंह ने कहा बीजेपी तोड़ फोड़ की राजनीति कर रही जब कि कॉग्रेस सभी को साथ लेकर चलती है। भाईचारा की राजनीति करती है। मेडता पालिका अध्यक्ष गोतम टाक, कांग्रेस नगर अध्यक्ष जाकिर खान सांखला,पुर्व पालिका चेयरमैन रुस्तम अली प्रिंस, लाला राम नायक,चिमन वाल्मीकि,सुरेंद्र बापेड़िया आदि रहे मौजूद थे।

आर्य का अभिनंदन करते कांग्रेस कार्यकर्ता।

'तीर्थ स्थलों को पर्यटक स्थल मानना सर्वेथा गलत'

अजमेर, (कासं)। ब्यावर स्थित गीता भवन में चातुर्मास प्रवचनो मे स्वामी ज्ञानानंसी महाराज ने बताया कि हमारे तीर्थ स्थत अड्डा के व पूजनीय स्थल हैं, इन स्थलों की पवित्रता व मस्ता का हमे सदैब सम्मान करना चाहिए। वर्तमान में जनता के साथ साथ सरकारें भी इन स्वत्तों को पर्यटक स्थल का रूप देने में लगी हैं जो सर्वथा गलत हैं। पर्यटक स्थल से पवित्र तीये स्थान अब व्यवसायिक रूप भी सेने सगे हैं। इससे इन स्थलों की महत्ता व पवित्रता में कमी आ रही है। सभी धर्म प्रेमियों को इस विषय पर गम्भीरता से मनन कर सरकारों की सहायता से इस स्थिति में सुधार लाना जाया चाहिए। गीता भवन के मीडिया प्रभारी सुनील जैथल्या के अनुसार स्वामी जी ने आगे बताया कि हमे सदैव सद्पुरुषों का व संतों का संग ही करना चाहिए। कुसंग से सदैव विकृतियां व परेशानी ही प्राप्त होती हैं। लौमिक जीवन में इंसान को लाभ-हानि, जय-परलय, सम्मान असम्मान से ऊपर उठकर सद्भाव व प्रेम से जीवन व्यापन करना चाहिए। संतों द्वारा सेवा के नाम पर बडे बडे आश्रम बनाने पर कराक्ष करते हुए। महाराज श्री ने बताया कि जल व संत विवरण करते ही अच्छे लगते हैं, ठहराव होने पर उनमें दुर्गंध व विवृतियां आने।

दो दिवसीय प्रधानाचार्य वाकपीठ संगोष्ठी का समापन

वाक पीठ संगोष्ठी में जवाजा ब्लॉक के समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 80 प्रधानाचार्य ने भाग लिया

■ वाकपीठ अध्यक्ष रमेश चंद्र दाधीच ने बताया कि वाक पीठ के दूसरे दिन विभिन्न प्रकार की वार्ताएं प्रस्तुत की गई

ब्यावर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जवाजा में मुख्य अतिथि शंकर सिंह रावत विधायक एवं अध्यक्षता मधु गुप्ता मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जवाजा, विशिष्ट अतिथि संजय सोनी सरपंचपति जवाजा,कविता मौर्य, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी जवाजा के आतिथ्य में संपन्न हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेंद्र प्रजापति ने बताया कि वाक पीठ संगोष्ठी में जवाजा ब्लॉक के समस्त उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 80 प्रधानाचार्य ने भाग लिया। वाकपीठ अध्यक्ष रमेश चंद्र दाधीच ने बताया कि वाक पीठ के दूसरे दिन विभिन्न प्रकार की वार्ताएं प्रस्तुत की गई। इसमें पीईईओ एवं यूसीईईओ के दायित्व पर नेमीचंद यादव प्रधानाचार्य राजियावास, स्काउटिंग गाइडिंग का इतिहास पर उप प्रधानाचार्य नरेंद्र सिंह रावत कोटडा, आरटीई पर नरेंद्र गहलोत प्रधानाचार्य नुन्द्री मेन्द्रातान ने अपनी वार्ताएं प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि रावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि जवाजा में आयोजित हो रही प्रधानाचार्य वाक पीठ संगोष्ठी में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई होगी इसके सार्थक परिणाम आने चाहिए एवं समस्त संस्था प्रधानों से आव्हान किया कि पूरे मगरा क्षेत्र में शैक्षिक वातावरण बने एवं हमारे बालकों का सर्वांगीण विकास हो इस पर लगातार प्रयास करें पिछले कार्यकाल का जिक्र करते हुए बताया कि किसी भी कर्मचारी को कोई भी समस्याएं नहीं आने दी है और ने ही आगे आने दी जाएगी सभी अच्छा कार्य करें।

समस्त संस्थाप्रधानों का जवाजा में हार्दिक अभिनंदन किया।

'किसानों को ऋण देने में पारदर्शिता लाई जायें'

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। विधायक डॉ विकास चौधरी द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलात के विषय पर विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न मांगों को रखा। विधायक डॉ विकास चौधरी ने कहा कीसहकारिता के क्षेत्र में प्रदेश अभी पिछड़ा हुआ है, ग्राम सेवा सहकारी समितियां में राजनीतिक दुर्भावना व गुटबाजी के कारण किसानों को सदस्य नहीं बनाया जा रहा है। सरकार से मांग करता हूं कि समितियां के सदस्य बनाने की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाए। बोराड़ा एवं हरमाड़ा में क्रय विक्रय सहकारी समिति की स्थापना की जाये। अरांई कृषि मंडी की घोषणा होने पर जमीन आंवटन किए जाने के वावजूद कार्य शुरू नहीं होना वाकई में चिंतनीय विषय है।किसानों की सुविधा के लिए एमएसपी पर खरीद के लिए पंचायत स्तर पर संग्रहण केंद्र खोलने के साथ अरांई क्रय-विक्रय सहकारी समिति मे किसानों के लिए टीनशेड का निर्माण, स्टॉक के लिए बड़े गोदाम का निर्माण होना आवश्यक है। राज्य सरकार ने सहकारी समितियां से किसानों को ब्याज मुक्त ऋण के लिए 50 हजार से डेढ़ लाख रुपए तक देने का वादा किया, लेकिन किसानों को केवल 15 हजार से 50 हजार तक ऋण दिया जा रहा है।

सार-समाचार

डॉ. यादव मीडिया प्रभारी नियुक्त

अजमेर, (कासं)। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. अरविंद खरे ने उपअधीक्षक डॉ. अमित यादव को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति चिकित्सालय की विभिन्न उपलब्धियों के सम्बंध में प्रिंट व इलेक्ट्रोनिक मीडिया को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए की गई है।

कुलपति के बयान से लोगो में रोष

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। राजस्थान सेंट्रल यूनिवर्सिटी के कुलपति आनंद भालेराव द्वारा ईएसआई अस्पताल की भूमि को लेकर दिये गये बयान से लोगो में रोष व्याप्त हो गया। उन्होंने किशनगढ़ शहरी क्षेत्र मे भूमि की अनुपलब्धता व मजदूरों की अपर्याप्त संख्या के संबंध में काल्पनिक आंकड़ों का हवाला देकर यूनिवर्सिटी परिसर में 100 बैडेड ईएसआई अस्पताल हेतु विभाग को निशुल्क भूमि देने के लिए सोशल मीडिया आदि में दिये गए भ्रामक बयानों पर मार्बल एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती, पावरलूम, टेक्सटाइल संगठन व बीएमएस ने नाराजगी जताई है। लघु उद्योग भारती संरक्षक महेन्द्र पाटनी ने यूनिवर्सिटी कुलपति भालेराव से संपर्क कर उनके बयानबाजी के चलते स्थानीय लोगों के आक्रोश से अवगत कराते हुए बताया कि किशनगढ़ सहित आसपास के रूपनगढ़, नरवर, गेगल, श्रीनगर, खोड़ा, सिलोरा सहित अंराई औद्योगिक क्षेत्र में मापदंड अनुसार पर्याप्त मजदूरों की संख्या के निर्धारण के आधार के अलावा राज्य सरकार की सहमति व अस्पताल के संचालन की जिम्मेदारी लेने पर ही तत्कालीन केंद्रीय श्रम मंत्री भूपेंद्र यादव ने किशनगढ़ में सौ बिस्तरों वाला ईएसआई अस्पताल निर्माण कार्य के लिये स्वीकृति जारी की। एयरपोर्ट के पास जयपुर से आई टीम ने खसरा संख्या 78/1 की भूमि अस्पताल के लिये चिन्हित करने के बाद भूमि के रकबे को कलेक्टर ने नगर परिषद को आवंटन हेतु हस्तांतरित कर दी थी। पाटनी ने कहा की व्यापारिक संगठनो के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल से मिलकर स्वायत शासन विभाग से अनुसंशित भूमि के प्रस्ताव को कैबिनेट की मीटिंग में लेकर आवंटन की सक्षम स्वीकृत कराने का आग्रह करेंगे।

बैठक आयोजित

मकराना, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी शहर मंडल मकराना की कार्य समिति एक बैठक पूर्व विधायक रुपाराम मुरावतीया के मुख्य आथित्य मे प्रधान सुमिता भींचर कि अध्यक्षता में बालाजी मंदिर तोषनीवाल धर्मशाला में आयोजित हुई। जिसमें राज्य व केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए बजट को लेकर चर्चा की गई। बैठक को प्रभारी गोविंद कुमावत, पूर्व विधायक रुपाराम मुरावतिया, सुमिता भींचर, गिरधर पलोड, विधानसभा संयोजक विनय सिंह नाथावत, पूर्व मंडल अध्यक्ष रणजीत सिंह चौहान, सोनम दाधीच ने संबोधित किया।उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के बजट को जन कल्याणकारी बताते हुए कहा कि कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की जन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर पहुंचाने का काम करें। भाजपा ने प्रदेश में भ्रष्टाचार को मिटाने की मुहिम चलाई है, जिसके लिए हर दिन नए खुलासे देखने को मिल रहे है।इस दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय सहित महापुरुषों को याद कर उनके चित्र पर पुष्पहार अर्पित किया गया। बैठक में भाजपा मंडल अध्यक्ष कपिल तोषनिवाल, पदम सिंह चौहान, विमल सोनी, उमेदराम बंजारा, भवानी सिंह राठौड़, राजेश शर्मा, लालचंद स्वामी, चंद्रप्रकाश ट्रेलर, गोविंद सिंह चौहान, तारादेवी मुंन्दडा, कल्पना जैन, विनीत सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओ ने भाग लिया।

सांवतसर में मूर्ति स्थापित

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। बजरंग नवयुवक मंडल द्वारा जन सहयोग से रंगमंच रामलीला मैदान सावंतसर में बजरंगबली की मूर्ति स्थापित की गई।अध्यक्ष श्यामसुंदर वैष्णव ने बताया की बालाजी की मूर्ति पर सिंदूर चढ़ाकर विधि विधान से पूजा अर्चना के साथ मूर्ति स्थापित की गई। नवयुवक मंडल का पट्टा सुदा एक भूखंड बालिका विद्यालय को देने के लिये सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर समर्पित किया। पार्षद हिम्मत सिंह शेखावत, बलराम सामरिया, महामंत्री शिवराज पाटिल, पूर्व पार्षद उगमाराम बालोटिया, राजेंद्र नुवाद, घीसालाल भडाना, धन्नालाल राजौरा अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष विश्राम चाड़, कोषाध्यक्ष गणपत लाल शर्मा, रामलीला संयोजक देवकिशोर गुर्जर, निर्देशक मुरलीधर वैष्णव, सहनिर्देशक लक्ष्मणलाल जांगिड़, भेरूलाल चुंडीवाल, मदनलाल वैष्णव, जगदीश सिंह शेखावत, रामस्वरूप वैष्णव, चतुर्भुज प्रजापति, भंवरसिंह शेखावत, हरिराम बजाड़ गुदली, रघुनाथ चुंडीवाल, घीसाराम भडाना, मदनलाल चुंडीवाल, छोटूराम नुवाद, भेरुलाल डसानिया, अमरचंद सैन, राजीव चुंडीवाल सहित सैकड़ों धर्मानुरागी मौजूद रहे। संचालन अध्यक्ष श्यामसुंदर वैष्णव ने किया।

मार्बल कारोबारी अदालत में तलब

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। एनआईएक्ट कोर्ट ने चेक अनादरण के आरोपी को अदालत में तलब किया है। राधा सर्वेश्वर मार्बल के सूर्यप्रकाश ने मालाबार मार्बल मन्नारकुड़ केरला को 13 लाख 62 हजार कीमत का मार्बल जरिये चैक लेकर उधार में विक्रय किया था। चैक बैंक में लगाये तो बेलेंस के अभाव में रिटर्न हो गये, तकाजा किये जाने पर फर्म का मालिक अशरफ बहानेंबाजी कर टरकाता रहा, सार्थक परिणाम सामने नहीं आने पर पीड़ित ने एडवोकेट रुपेश शर्मा व मुकेश शर्मा के जरिये आरोपी को नोटिस भेजकर बकाया रूपये की मांग की, किंतु नोटिस को हल्के में लेने के बाद एडवोकेट शर्मा ने अदालत में परिवाद पेश कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने की फरियाद की। अदालत ने वास्तविक तथ्यों का बारीकी से अध्ययन कर मार्बल के रूपये हड़पने वाले आरोपी अशरफ अली के खिलाफ प्रसंज्ञान लेकर सम्मन के जरिए कोर्ट में तलब करने के आदेश पारित किये

कार्यसमितियों की बैठक आज

भीलवाड़ा, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा के दिशा निर्देशन में जिला संगठन के अंतर्गत मंडल कार्यसमितियों की बैठक का दौर प्रारंभ हो गया है। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि 30 जुलाई तक जिले के सभी 39 मंडलों की कार्यसमिति आयोजित होगी। कार्यसमिति में मंडल की अभी तक की गति प्रगति की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। इसी के साथ प्रदेश एवं केंद्र सरकार की योजनाओं को अंतिम छोर तक किस प्रकार पहुंचाया जाए इस पर भी मंथन होगा। इसके अलावा अन्य संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया जाएगा। इसी क्रम में आज दिनांक 28 जुलाई को सुभाष मण्डल, गणेश मण्डल, प्रताप मण्डल, शाहपुरा नगर एवं ग्रामीण, बनेडा, फुलिया, आसीन्द नगर एवं ग्रामीण, हुरडा, बदनोर, मोखुन्दा, कारोई, मंगरोप, सुवाणा, करेडा, माण्डलगढ नगर, माण्डलगढ ग्रामीण एवं महुआ, बिजोलिया नंदराय, गाडोली, कोटडी, पारोली, जहाजपुर नगर मंडल में कार्यसमिति की बैठकें आयोजित होगी।

स्कूलों में पाठ्य सामग्री वितरित

बिजयनगर, (निसं)। सेवा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए लियो क्लब बिजयनगर रॉयल के तत्वाधान में एवं कोगटा फाउंडेशन जयपुर के सौजन्य से पी एम श्री राजकीय प्राथमिक विद्यालय इंद्रा कॉलोनी बिजयनगर और राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय ग्राम सथाना में 375 पेन, 750 कॉपियां वितरित की गयी जिससे स्कूलों के 375 बच्चे लाभान्वित हुए। इस दौरान लॉयन बालमुकुंद कोगटा, शांतिलाल चपलोत, अमित लोढ़ा,अनिल भंडारी, लियो कन्विनियर देवेंद्र रांका, लियो अध्यक्ष शुभम छाजेड़, सचिव अंकुश बणुट, मीडिया प्रभारी विमर्श जैन, निखिल जैन, पवन बोहरा, विकास गोखरू, चिराग छाजेड़, सौरभ लुणावत सहित कई लायन व लियो सदस्य मौजूद थे।

भव्य कलश यात्रा आज

मसूदा, (निसं)। क्षेत्र के दौलतपुरा द्वितीय (देवाजी का खेड़ा) में अवस्थित शिवाजी की मंडी पर शिवलिंग मूर्ति स्थापना का दो दिवसीय कार्यक्रम कल रविवार से शुरू होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आज रविवार, को सुबह कलश एवं शोभा यात्रा निकाली जाएंगी एवं रात्रि में भजन संध्या का आयोजन होगा। मूर्ति स्थापना 29 जुलाई सोमवार को प्रात: 7 बजे की जाएगी। तत्पश्चात प्रात: 11:00 बजे भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।

पारंपरिक खेलों का आयोजन

ब्यावर, (निसं) आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्य विद्यालय मे खेल दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पारंपरिक खेल - संख्या खेल, लंगोरी, रस्साकशी, कबड्डी और विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मुझे गौतम पर यकीन है कि वे भारतीय टीम को भी ज्यादा ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। मैंने उन्हें मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देते हुए देखा है। गौतम में दृढ़ता और हार न मानने की आदत देखी है। मैं गौतम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। - राहुल द्रविड़

पूर्व भारतीय कोच, गौतम गंभीर को शुभकामनाएं दी।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी जो रूट

वेस्टइंडीज के खिलाफ जो रूट ने अपना 63वां अर्धशतक लगाया। साथ ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 12000 रन भी पूरे कर लिए। जो रूट अब टेस्ट क्रिकेट में ब्रायन लारा से ज्यादा रन बना लिए और वो टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में 7वें नंबर पर पहुंच गए। लारा ने टेस्ट क्रिकेट में 131 मैचों में 11953 रन बनाए थे। लेकिन अब रूट उनसे आगे निकल गए हैं। रूट इंग्लैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में एलिएस्टर कुक के बाद दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे कम टेस्ट मैचों में 3000 रन बनाने और 350 विकेट लेने का रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमरान खान के नाम है। इमरान ने मात्र 79 टेस्टों में 3262 रन बनाए व 351 विकेट लिये।

मनु भाकर ने रचा इतिहास

ओलिंपिक में 20 साल बाद किसी भारतीय महिला शूटर ने फाइनल में बनाई जगह

मनु भाकर 10 मीटर पिस्टल के फाइनल में पहुंची, रिदम सांगवान नहीं कर पाई क्वालीफाई

मनु भाकर से आज रहेगी पदक की उम्मीद

पेरिस, 27 जुलाई। भारत की स्टार शूटर मनु भाकर महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने क्वालिफिकेशन दौर में 580-27 का स्कोर बनाया और तीसरे स्थान पर रहीं। इसी के साथ मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है, ओलिंपिक में 20 साल बाद किसी भारतीय महिला शूटर ने फाइनल में बनाई जगह है। वहीं भारत की ही रिदम सांगवान 15वें स्थान पर रहकर पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। वहीं रविवार यानी 28 जुलाई को फाइनल भारतीयसमयानुसार दोपहर 3.50 तीन बजे खेला जाएगा। वहीं मनु भाकर देश केलिए मेडल का खाता खोल सकती हैं। फाइनल में आठ शूटर्स के बीच तीन मेडल गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज के लिए स्पर्धा होगी।

इस दौरान हंगरी की वेरोनिका मेजर 582-22 अंकों के साथ पहले स्थान पर रहीं। जबकि दक्षिण अफ्रीका की जिन ये ओह 582-20 अंक के सात दूसरे स्थान पर रहीं। मनु ने 6 प्रयासों में 97,97, 98, 96, 96 और 96 का स्कोर बनाया। इन तीनों के अलावा वियतनाम की विन्ह थू त्रिन, दक्षिण कोरिया की येजी किम, चीन चुए ली, तुर्किए की इलायदा सेवाल तरहान और चीन रेंक्सिन जियांग ने फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया है।

सांस रोक देने वाले मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

पेरिस ओलिंपिक में भारतीय हॉकी टीम का जीत से आगाज

भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को अर्जेंटीना से भिड़ेगा

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में जीत से शुरुआत की है। भारत ने पूल बी के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से पराजित किया। 0-1 से पिछड़ने के बावजूद भारत ने शानदार तरीके से जीत दर्ज की। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय हॉकी टीम में 5 खिलाड़ी ऐसे हैं जो इस बार ओलंपिक में डेब्यू कर रहे हैं। कप्तान तीसरी बार ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। इस जीत से भारत को 3 अंक मिले। भारतीय टीम अपने दूसरे मुकाबले में सोमवार को अर्जेंटीना से भिड़ेगी।

कीवी टीम की ओर से साइमन चाइल्ड ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को बराबरी दिला दी। भारतीय टीम बढ़ त की फिराक में है। टीम इंडिया के लिए इस मैच में जीत बेहद जरूरी है। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने तीसरा गोल दागकर भारत को शानदार जीत दिलाई।

भारत की ओर से विवेक सागर ने तीसरे क्वार्टर में गोल कर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। न्यूजीलैंड ने रेफरेल लिया लेकिन इसका फायदा उसे नहीं हुआ।। भारतीय टीम ने शुरुआती दो क्वार्टर में ज्यादा गलत पास दिए। हालांकि बाद में टीम इंडिया ने वापसी की। शुरुआती दो क्वार्टर का खेल खत्म होने के बाद स्कोर 1-1 की बराबरी पर है। भारत की ओर से मनदीप सिंह ने पेनाल्टी के सहारे गोल दागा। भारत की ओर से बराबरी का गोल मनदीप सिंह ने दागा। मनदीप ने 24वें मिनट में पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर भारत को 1-1 की बराबरी दिलाई। भारत ने पहले ही पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर न्यूजीलैंड के खिलाफ धमाकेदार पलटवार किया।

पूल बी के मैच में न्यूजीलैंड ने 8वें मिनट में भारत के खिलाफ शुरुआती गोल दागा। कीवी खिलाड़ी सैम लैन ने पेनाल्टी कॉर्नर के सहारे गोल किया। पहले क्वार्टर के 10वें मिनट में गुरजंट सिंह को ठीन कार्ड दिखाया गया। भारतीय टीम इस मैच को जीतकर ओलंपिक में धमाकेदार शुरुआत करने की ओर देख रही है।

जो रूट व स्टोक्स के नाबाद अर्द्धशतक

नई दिल्ली, 27 जुलाई। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस टेस्ट मैच की पहली पारी में वेस्टइंडीज ने 282 रन बनाए। इसके बाद पहली पारी में इंग्लैंड की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 231 रन बना लिए हैं। वहीं खबर लिखे जाने तक जो रूट ने 122 गेंदों में 87 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं बेन स्टोक्स ने 54 रन दोनों ने ही अपने-अपने अर्धशतक पूरे कर लिए थे। जो रूट ने अपनी इस पारी के दौरान टेस्ट क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे कर लिए है। हालांकि, इस मैच में स्टोक्स फिर पहली पारी में 54 रन बनाकर आउट हो गए।

मेंस सिंगल स्कल्स हीट इवेंट में बलराज पंवार चौथे नंबर पर रहे, अब भी मेडल की आस

पेरिस, 27 जुलाई। फिलहाल भारत की तरफ से शनिवार को सबसे पहले रोइंग इवेंट में बलराज पंवार एक्शन में दिखे। वह पुरुषों के सिंगल स्कल की हीट्स राउंड में हिस्सा लिया। हालांकि, बलराज पंवार ने रोइंग स्पर्धा में चौथा स्थान प्राप्त किया और वे रेपचेज में पहुंच गए हैं। पुरुष एकल स्कल्स क्वालिफिकेशन के लिए रेपचेज जाएंगे। बलराज ने 7:07.11 मिनट का समय निकाला, जो मिस्त्र के लिए अब्देलखलेक एल्बाना के 7:05.06 मिनट से कम है, जिन्होंने पहले हीट से क्वार्टर फाइनल के लिए अंतिम स्थान प्राप्त किया है। वहींपुरुष एकल स्कल्स क्वालिफिकेशन के लिए रेपचेज इवेंट भारतीय समयानुसार रविवार 28 जुलाई को दोपहर 1 बजे होगा।

पुरुषों की स्ट्रीक स्केटबोर्डिंग बारिश के कारण कल तक स्थगित

पेरिस, 27 जुलाई। पेरिस ओलंपिक खेलों में शनिवार को होने वाली पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता को भारी बारिश के कारण सोमवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वर्ल्ड स्केट के स्केटबोर्डिंग निदेशक लुका बेसिलिको ने यहां जारी एक बयान में कहा, दोपहर तक प्रतिकूल पूर्वानुमानों के कारण पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग प्रतियोगिता को सोमवार को पुनर्निर्धारित की गई है जो मूल रूप से नियोजित समय के अनुसार ही शुरू होगी। पुनर्निर्धारित प्रारंभिक प्रतियोगिता चरण दोपहर के समय शुरू होगा जिसमें चार हीट से शीर्ष आठ प्रतियोगी फाइनल में पहुंचेंगे। प्रतियोगिता स्थल के कर्मचारियों ने कहा कि यह निर्णय एथलीटों की सुरक्षा चिंताओं से लिया गया है क्योंकि लगातार बारिश के कारण मैदान फिसलन हो गई है। सफाई के प्रयासों के बावजूद स्ट्रीट-स्टाइल कोर्स में अभी भी पानी जमा है।

बेहद कम अंतर से सरबजोत पेरिस ओलिंपिक में मेडल राउंड से चूके

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय निशानेबाज सरबजोत सिंह शनिवार को पेरिस ओलिंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पदक राउंड के लिए क्वालीफाई करने के बेहद करीब पहुंच गए, लेकिन बेहद कम अंतर के कारण अंततः उन्हें पोडियम पर जगह नहीं मिल पाई। सिंह ने असाधारण कौशल और फोकस का प्रदर्शन करते हुए अपनी एक श्रृंखला में 100 के पूर्ण स्कोर के साथ उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस प्रभावशाली उपलब्धि के बावजूद, उनकी अंतिम श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण गलती महंगी साबित हुई। वह मेडल टेली में नौवें स्थान पर रहे और फाइनल में मात्र एक अंक से चूक गये। अंतिम परिणाम में सिंह जर्मनी के रॉबिन वाल्टर के साथ बराबरी पर रहे, दोनों ने 577 अंक बनाए।

पेरिस ओलिंपिक का धांसू आगाज, सीन नदी के किनारे ओपनिंग सेरेमनी

सिंधु-शरत कमल ने की भारतीय दल की अगुवाई

पेरिस, 27 जुलाई। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 33वें ओलिंपिक का आयोजन हो गया है। इस दौरान ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया गया, हालांकि ये आयोजन किसी स्टेडियम में नहीं बल्कि सीन नदी पर किया गया। वहीं इस सेरेमनी में सबसे पहले ग्रीस देश की परेड निकली। बता दें कि, ग्रीस को ओलिंपिक खेलों का जन्मदाता भी कहा जाता है।

26 जुलाई से 11 अगस्त तक चलने वाले इस ओलिंपिक में भारत की तरफ से ध्वजवाहक पीवी सिंधु और टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल रहे। ये दोनों खिलाड़ी अपने-अपने खेल में ओलिंपिक की ओपनिंग सेरेमनी में भारत के ध्वजवाहक बनने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

भारत के 117 खिलाड़ी इन खेलों में भाग ले रहे हैं, इनमें 47 महिलाएं हैं। कई खिलाड़ियों की शनिवार को प्रतिस्पर्धा है इसलिए तैयारियों का प्राथमिकता देते हुए उन्होंने ओपनिंग सेरेमनी में हिस्सा लिया। नावें शह की ऐतिहासिक इमारतों कैथेड्रल आफ नोत्रे डेम, लावरे म्युजियम और कुछ आयोजन स्थलों से होकर गुजरी। शहर में उद्घाटन समारोह के लिए दो लाख से ज्यादा मुफ्त टिकट दिए गए थे जबकि एक लाख से ज्यादा टिकट बिके थे। सेरेमनी के दौरान फ्लोटिंग परेड के बीच कलाकारों का धांसू परफॉर्मेंस भी देखने को मिला। लगभग 80 कलाकारों ने प्रसिद्ध फ्रांसीसी कैबरे नृत्य कैन-कैन का प्रदर्शन भी किया। इससे पहले लेडी गागा ने अपने परफॉर्मेंस से समां बांधा। लेडी गागा ने फ्रांस की दिवंगत अभिनेत्री जिजी जीनमैरे का फेमस सॉन्ग मॉन ट्रुक एन प्लम्स प्रस्तु किया। जीनमैरे की साल 2020 में 96 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

ओलिंपिक आयोजकों ने मांगी माफी

पेरिस, 27 जुलाई। ओलिंपिक खेलों के आयोजकों ने कहा कि वे पेरिस में उद्घाटन समारोह के दौरान दक्षिण कोरिया के खिलाड़ियों को उत्तर कोरिया के रूप में पेश करने के लिए 'तहे दिल से माफी' मांगते हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान शुक्रवार शाम जैसे ही दक्षिण कोरिया के दल ने सीन नदी में तैरती एक नाव पर अपने देश का झंडा लहराया, तो उन्हें फ्रेंच और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में 'डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (उत्तर कोरिया)' घोषित किया गया। दक्षिण कोरिया को कोरिया गणराज्य के तौर पर जाना जाता है।

पेरिस ओलिंपिक में भारत की खराब शुरुआत, शूटिंग में निराशा हाथ लगी

पेरिस, 27 जुलाई। पेरिस ओलिंपिक 2024 में प्रतिस्पर्धाएं शुरू हो चुकी हैं। पहले दिन 27 जुलाई भारतीय शूटर्स से मेडल की उम्मीद थी लेकिन भारत को निराशा मिली। 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत की दोनों जोड़ियां फाइनल के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर सकीं। इलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह 12वें स्थान पर रहे। जबकि रमिता जिंदल और अर्जुन बाबुता ने छठा स्थान हासिल किया। रमिता-अर्जुन ने कुल मिलाकर 628.7 अंक हासिल किए जबकि इलावेनिल-संदीप 626.3 अंक जुटा पाए। बता दें कि, टॉप 4 टीमों ने ही 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम इवेंट में मेडल राउंड के लिए क्वालिफाई किया। इस इवेंट का फाइनल 27 जुलाई को ही होना है, ध्यान रहे कि भारत के लिए आज सिर्फ यही एक मेडल इवेंट था। भारत की ओर से ओलिंपिक गेम्स के पहले दिन मेडल जीतने का रिकॉर्ड वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के नाम हैं, चानू ने टोक्यो ओलिंपिक 2020 के पहले दिन सिल्वर मेडल जीता था।

बैडमिंटन में लक्ष्य सेन का जीत से आगाज

टेबल टेनिस में हरमीत देसाई ने पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में बनाई जगह

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन ने पेरिस ओलिंपिक की शुरुआत शानदार जीत के साथ की है। पहले ग्रुप मुकाबले में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन के खिलाफ खेलते हुए धमाकेदार प्रदर्शन किया। पहला गेम महज 14 मिनट में जीतने के बाद दूसरे गेम में पीछे होने के बाद वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। लक्ष्य ने ग्वाटेमाला के खिलाड़ी को खिलाफ मैच 21-8 और 22-20 से जीता।

लक्ष्य से ने पेरिस ओलिंपिक की शुरुआत अपने ही अंदाज में जीत के साथ की है। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी से देश को पदक की उम्मीद है। पहले ग्रुप मुकाबले में इस खिलाड़ी का सामना ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन के खिलाफ था। आक्रामक शुरुआत करते हुए लक्ष्य ने पहले गेम में महज 14 मिनट में खत्म कर दिया। 21-8 के बड़े अंतर से गेम को एकतरफा बनाते हुए बढ़त हासिल की। दूसरी तरफ पेरिस 2024 ओलिंपिक के पुरुष टेबल टेनिस प्रिलिमिनरी राउंड में भारत के हरमीत देसाई ने जॉर्डन के जैद अबो यमन को हराया। साउथ पेरिस एरिना में खेलते हुए देसाई ने 30 मिनट तक चले मुकाबले में 4-0 (11-7, 11-9, 11-5, 11-5) से जीत हासिल की। 31 वर्षीय खिलाड़ी का रविवार को राउंड ऑफ 64 में फ्रांस के फेलिक्स लेब्रून से मुकाबला होगा।

टेबल टेनिस में हरमीत की विजयी शुरुआत

पेरिस, 27 जुलाई। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी हरमीत देसाई ने शनिवार को पेरिस ओलंपिक में जॉर्डन के जायद एबो यमन पर 4-0 से जीत दर्ज करते हुये अपने विजयी अभियान की शानदार शुरुआत की। आज यहां खेले ये मुकाबले में हरमीत शानदार लय में रहे और उन्होंने शुरुआत से ही अपने प्रतिद्वंद्वी एबो यमन पर दबाव बनाये रखा।

भारतीय खिलाड़ी आज इन खेलों में लेंगे हिस्सा

पेरिस, 27 जुलाई। पेरिस ओलिंपिक 2024 का आगाज हो चुका है। पहले दिन भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित स्पर्धा में टीम कुछ खास नहीं कर पाई। हालांकि, 10 मिटर एयर पिस्टल इवेंट के फाइनल में अपनी जगह बनाई। इलावेनिल वलारिवन और संदीप सिंह की जोड़ी 12वें स्थान पर और रमिता जिंदलकी-अर्जुन बबुता की जोड़ी छठे स्थान पर रही। वहीं अब रविवार 28 जुलाई को भारत निशानेबाजी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, बॉक्सिंग और तीरंदाजी में चुनौती पेश करेगा।

मनु भाकर से भारत को पदक की उम्मीद है। उन्होंने 10 मीटर पिस्टल इवेंट के क्वालिफिकेशन राउंड के खत्म होने के बाद तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई और उनके इस प्रदर्शन से इस बात की संभावना जग गई है कि वह इस प्रतियोगिता में भारत को मेडल दिला सकती है। हालांकि, उनकी साथी रिदम सांगवान क्वॉलीफाई करने में असफल रहीं।

28 जुलाई को भारत का शेड्यूल-

महिलाओं के 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा का क्वालीफिकेशन राउंड मुकाबला होगा। वहीं इसी दिन पुरुषों के क्वालिफिकेशन राउंड में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा होगी।

बैडमिंटन-पीवी सिंधु महिला एकल ग्रुप में तो पुरुष एकल में एचएस प्रणय एक्शन में होंगे।

टेबल टेनिस-श्रीजा अकुला, शरत कमल और मनिका बत्रा एक्शन में दिखेंगे।

बॉक्सिंग-निखत जरीन खेलते हुए नजर आएंगी। वहीं तीरंदाजी में भारतीय महिला टीम क्वालिफिकेशन मुकाबला खेलेगी।

चीन ने पेरिस ओलिंपिक खेलों के पहले दो स्वर्ण पदक जीते

पेरिस, 27 जुलाई। चीन ने पेरिस ओलिंपिक 2024 खेलों में प्रतिस्पर्धा के पहले दिन दो स्वर्ण पदक जीते। इन पदकों में खेलों का पहला स्वर्ण पदक भी शामिल है। विश्व चैंपियन निशानेबाज चीन के हुआंग युटिंग और शेंग लिहाओ ने शनिवार को 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीत हासिल कर अपने देश को पेरिस ओलिंपिक का पहला स्वर्ण पदक दिलाया। चीन ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम के फाइनल में दक्षिण कोरियाई निशानेबाजों पर 16-12 से करीबी जीत दर्ज की। कजाकिस्तान ने पहले इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। चीनी जोड़ी ने चेटेउरौक्स शूटिंग सेंटर में अपने असाधारण कौशल और धैर्य का प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया के क्यूम जी-ह्योन और पार्क हा-जून को हराया। इससे पहले दिन में कजाकिस्तान की एलेक्जेंड्रा ले और इस्लाम सतपायेव की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए जर्मनी की अन्ना जानसेन और मैक्सिमिलियन उलब्रिच को 17-5 के स्कोर से हराया।

महिला एशिया कप 2024 : श्रीलंका को हराकर 8वां खिताब जीतने उतरेगा भारत

नई दिल्ली, 27 जुलाई। मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपना दबदबा बरकरार रखकर श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले फाइनल में जीत दर्ज करके रिकॉर्ड आठवां खिताब जीतने की कोशिश करेगी। भारत ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने लीग चरण में पाकिस्तान को सात विकेट से, संयुक्त अरब अमीरात को 78 रन से और नेपाल को 82 रन से हराया था।

सेमीफाइनल में उसने बांग्लादेश को 10 विकेट से पराजित किया था। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अभी तक बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को कोई मौका नहीं दिया है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है लेकिन टीम प्रबंधन गेंदबाजों विशेषकर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह के प्रदर्शन से काफी खुश होगा। दीप्ति ने टूर्नामेंट में अभी तक सर्वाधिक 9 विकेट लिए हैं जबकि रेणुका सात विकेट लेकर तालिका में तीसरे नंबर पर है। इन दोनों का इकोनॉमी रेट भी शानदार है जिसका मतलब है कि उन्होंने विरोधी टीम के बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया है। इन दोनों की कसी गेंदबाजी का फायदा भारत के अन्य गेंदबाजों को भी मिला है। बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव इसका उदाहरण है जिन्होंने अभी तक 5.5 के इकोनॉमी रेट से 6 विकेट लिए हैं। भारतीय टीम के लिए कोई विभाग चिंता का विषय नहीं है लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स को बल्लेबाजी के कम मौके मिलने से वह थोड़ा चिंतित हो सकता है।

कवीन क्विंटल और मोहसीन पराम्बन ने 19वें और 22वें स्थान पर

इंडोनेशिया, 27 जुलाई। आईडेमिट्सु होण्डा रेसिंग इंडिया टीम के राइडरों ने इंडोनेशिया में 2024 एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैम्पियनशिप के चौथे राउण्ड की पहली रेस में मजबूत प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी कवीन क्विंटल और मोहसीन पराम्बन ने आज की रेस दृढ़ संकल्प और स्थिरता के साथ पूरी की। ग्रिड पर 27वें पॉज़िशन से शुरूआत करने के बाद चेन्नई के 19वर्षीय राइडर कवीन क्विंटल ने पहले लैप के बाद तेज़ी से बढ़त ली और पूरी रेस के दौरान स्थिरता बनाए रखी। अपने अनुभव का उपयोग करते हुए और योजनाओं को प्रभाविता से अंजाम देते हुए, उन्होंने इंटरनेशनल राइडरों को कड़ी टक्कर दी और चोट के बावजूद अपने परफोर्मेन्स में निरंतर सुधार लाते रहे। उन्होंनें 18:37.226 के कुल टाईम के साथ 19वें पॉज़िशन पर रेस पूरी की।

एफसीजी ने हरेरा के साथ किया स्थायी अनुबंध

पणजी, 27 जुलाई। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम एफसी गोवा ने बोर्जा हरेरा के साथ स्थाई अनुबंध की घोषणा की है। कैनरी द्वीप के लास पालमास में जन्मे 31 वर्षीय हरेरा ने लास पालमास की अकादमी में फुटबॉल में पदार्पण किया था, उन्होंने तब से स्पेन, इज़रायल और भारत के विभिन्न क्लबों में अपनी प्रतिभा को निखारा है और खुद को मिडफील्ड में एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी के तौर पर स्थापित किया है। हरेरा के करियर में ला लीगा में यूडी लास पालमास, सेगुंडा डिवीज़न में रियल वलाडोलिड और आईएसएल में हैदराबाद एफसी के साथ काम शामिल हैं जहाँ उन्होंने 2022-23 लीग शील्ड की दौड़ में अपनी टीम को उपविजेता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने डूरंड कप 2023, इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 सीज़न के पहले हाफ़ और कलिंगा सुपर कप 2024 में ईस्ट बंगाल एफसी का प्रतिनिधित्व किया जहाँ वे चैंपियन बनकर उभरे। हरेरा ने कहा मैं एफसी गोवा के साथ अपने सहयोग को आगे बढ़ाने में सक्षम होने के लिए बहुत खुश हूं। पिछले सीज़न के अंत के बाद से यह मेरी एकमात्र इच्छा थी।

भारत ने 43 रन से जीता पहला टी-20, अच्छी शुरुआत के बाद फिर हारा श्रीलंका

श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज में 1-0 की बढ़त, कप्तान सूर्या की फिफ्टी, रियान पराग को 3 विकेट

पल्लेकल, 27 जुलाई। वर्ल्ड चैंपियन भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 43 रनों से जीत लिया है। इस जीत से टीम इंडिया ने 5 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की है। दूसरा मुकाबला 28 जुलाई को खेला जाएगा। पल्लेकेले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 213 रन बनाए। टीम इंडिया ने टी-20 में 35वीं बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाया। रन चेज में श्रीलंकाई टीम 19.2 ओवर में 170 रन पर ऑलआउट हो गई। रियान पराग ने 3 विकेट झटके। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले।

श्रीलंका से पथुम निसांका ने 79 रन बनाए। उनकी पारी के दम पर श्रीलंकाई टीम ने 14 ओवर में एक विकेट पर 140 रन बना लिए थे और आसानी से जीतती दिख रही थी। उन्हें अक्षर पटेल ने आउट करके भारत की मैच में वापसी कराई। कुसल मेंडिस (45 रन) रन बनाकर आउट हुए। श्रीलंका ने टॉस जीतकर भारत को बल्लेबाजी का न्यौता दिया। बल्लेबाजी करने उतरी यशस्वी जयसवाल और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 74 रन जोड़े। छठें ओवर में दिलशान मदुशंका ने शुभमन गिल को आउट कर भारत का पहला झटका दिया। गिल ने 16 गेंदों में 34 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में हसरंगा ने जयसवाल को के मेंडिस के हाथों स्टंप आउट कराकर भारत को दूसरा झटका दिया।

जयसवाल ने 21 गेंदों में 40 रन बनाये। बल्लेबाजी करने आये कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऋषभ पंत के तेजी से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच 76 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में पतिराणा ने सूर्यकुमार यादव को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंदों में आठ चौके और दो छक्के लगाते हुये (58) रनों की पारी खेली। ऋषभ पंत ने 33 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुये (49) रन बनाये। हार्दिक पंड्या (9), रियान पराग (7) और रिंकू सिंह (1) रन बनाकर आउट हुये।

अक्षर पटेल पांच गेंद में 10 रन और अर्शदीप सिंह (1) रन बनाकर नाबाद रहे। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 213 रन का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से मतीशा पतिराणा ने चार विकेट लिये। दिलशान मदुशंका, असिथा फर्नांडो और वानिंदु हसरंगा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नीति आयोग की गवर्निंग काउन्सिल की नवीं बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शामिल हुये। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश को 350 बिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का खाका पेश किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास, किसानों का सशक्तिकरण, एम.एस.एम.ई. योजनाओं को विशेष प्रोत्साहन देने की योजनाओं पर विशेष बल दिया जा रहा है। राजस्थान को रिन्युएबल एनर्जी निर्माण क्षेत्र में अग्रणी बनाने की योजनाओं पर भी प्रदेश सरकार विशेष ध्यान दे रही है।

विकसित भारत 2047 की तर्ज पर तैयार किया जा रहा है विकसित राजस्थान 2047 का रोड मैप

नीति आयोग की गवर्निंग काउन्सिल की नवीं बैठक में शामिल हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री

- **मुख्यमंत्री ने बिजली उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी और बताया कि राज्य सरकार में डेढ़ लाख करोड़ रूपए के एम.ओ.यू. किए हैं।**
- **मुख्यमंत्री ने ई.आर.सी.पी. और यमुना जल समझौते के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया और कहा कि इससे राज्य के 21 जिलों की जनता को पानी मिलेगा।**
- **मुख्यमंत्री ने विकसित राजस्थान को पूर्ण विकसित बनाने के लिए चिकित्सा, शिक्षा एवं सड़क निर्माण के क्षेत्र में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की जानकारी भी दी।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की गवर्निंग काउन्सिल की नवीं बैठक में शिरकत करते हुए विकसित राजस्थान 2047 का रोड मैप काउन्सिल के सामने रखा। शर्मा ने बैठक में कहा कि विकसित राजस्थान 2047 की संकल्पना को साकार करने के लिए हमारी सरकार ने वर्ष 2024-25 के बजट में 10 संकल्प लिए हैं जिसमें आगामी 5 वर्षों में प्रदेश की इकोनमी को 350 बिलियन डॉलर बनाने, बुनियादी सुविधाएं, शहरी ग्रामीण एवं क्षेत्रीय तथा मानव संसाधनों का विकास, किसानों का सशक्तिकरण, एम.एस.एम.एस.ई. को प्रोत्साहन देना तथा विरासत संरक्षण के साथ-साथ सबके लिए स्वास्थ्य, सुशासन जैसे महत्वपूर्ण घटकों को शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने कार्यभार संभालते ही बिजली के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण एवं निर्णायक कदम उठाए हैं। हमने एन.टी.पी.सी., एन.टी.पी.पी. ग्रीन, कोल इंडिया, एन.एल.सी और आर.ई.सी. जैसे केंद्रीय उपक्रमों के साथ 1 लाख 50 हजार करोड़ के एम.ओ.यू. संपादित किए हैं। जिसके तहत 32 हजार मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जा सकेगा, जो कि राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 2950 मेगावाट की सोलर परियोजना हेतु भूमि आवंटित कर दी है तथा पीएम कुसुम योजना के तहत 7 महीने की अल्पावधि में 4386 मेगावाट क्षमता के प्रोडक्ट्स हेतु लैटर ऑफ इन्टैन्ट जारी किए हैं।

बैठक में मुख्यमंत्री ने ई.आर.सी.पी. परियोजना तथा यमुना जल समझौते के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा ई.आर.सी.पी. परियोजना को रिवर लिंकिंग प्रोजेक्ट में सम्मिलित कर राज्य के 21 जिलों के 3 करोड़ 25 लाख लोगों का सपना साकार हुआ है तथा हमने जल जीवन मिशन के तहत इस वर्ष 15 हजार करोड़ रुपए व्यय करके 25 लाख घरों में जल पहुंचाने का लक्ष्य रखा है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सम्मिलित करते हुए कहा कि हमारी सरकार ने चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार हेतु बजट में 27 हजार 660 करोड रुपए का प्रावधान किया है जो राज्य बजट का 8.26 प्रतिशत है। राज्य में फरवरी, 2024 से "मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना" प्रारंभ कर दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने स्कूली शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए 134 राजकीय स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में प्राईमरी कक्षाओं का संचालन प्रारंभ कर दिया है तथा 402 पी.एम.श्री. विद्यालयों में वर्चुअल ऑनलाइन लैब स्थापित किया जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान 2047 की दिशा में राज्य सरकार द्वारा पिछले 7 माह में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। जिसमें 2,750 किलोमीटर लंबाई के नौ ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे का निर्माण, राज्य के हर जिले में मातृ वन बनाने, किसान सम्मान निधि की राशि को 6,000 से बढ़कर 8,000 करने तथा इस समयावधि में 20 हजार युवाओं को नियुक्ति प्रदान करने के साथ-साथ राज्य में "वन स्टेट-वन इलेक्शन" व्यवस्था लागू करने हेतु आवश्यक कार्यवाही शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाखड़ा और पोंग बांध को पूर्ण क्षमता तक भरने के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाना आवश्यक है ताकि राज्य को उसके हिस्से का पानी आसानी से मिल सके। उन्होंने जल जीवन मिशन की अवधि मार्च 2027 तक बढ़ाई जाने का आग्रह भी किया। उन्होंने राज्य को आवंटित 2 लाख सोलर पंप के लक्ष्य को बढ़ाकर 6 लाख किए जाने का अनुरोध भी केंद्र सरकार से किया।

राजस्थान रिफाइनरी परियोजना के संबंध में भी मुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि परियोजना की बढ़ी हुई लागत 72 हजार 937 करोड़ रुपए का अनुमोदन शीघ्र किया जाए ताकि रिफायनरी के काम को जल्द पूर्ण किया जा सके। शर्मा ने राजस्थान के विकास में पर्यटन की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन की बहुत बड़ी भूमिका है इसलिए धार्मिक स्थलों के विकास हेतु केंद्रीय सहयोग अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग को जल्द राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित कर विकसित किया जाए।

भाजपा मुख्यालय में भाजपाई मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक ली प्र.मंत्री मोदी ने

केन्द्र में तीसरी बार प्र.मंत्री बनने के बाद यह पहला मौका है जब मोदी इस तरह की बैठक कर रहे हैं

- **इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा भी शामिल हुये। बैठक की शुरुआत में प्र.मंत्री मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के लिए अभिनंदन किया गया।**
- **बैठक के दूसरे दिन सभी भाजपाई मु.मंत्री अपने राज्यों में चल रही विकास योजना की अप-टू-डेट रिपोर्ट पेश करेंगे तथा प्र.मंत्री मोदी सभी मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा भी करने वाले हैं।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई। नीति आयोग गवर्निंग काउन्सिल की बैठक में शामिल न होकर विपक्ष ने विकसित भारत के मोदी सरकार के लक्ष्य में असहयोग का बिगुल भले ही फूंक दिया हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी डबल इंजन सरकार के सहारे अपने संकल्प रथ को गति देने के लिए तैयार हैं। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में शुरू हुई भाजपा मुख्यमंत्री परिषद की दो दिवसीय बैठक में पार्टी का जोर इसी पर है।

हर राज्य की ओर से विकास का खाका पेश किया जाना है। बैठक को प्रधानमंत्री भी संबोधित करेंगे। केंद्र में लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बनने के बाद यह पहला अवसर है, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक कर रहे हैं।

शनिवार शाम को प्र.मंत्री के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पार्टी मुख्यालय पहुंचे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले प्रधानमंत्री का तीसरी बार लगातार विजय के लिए अभिनंदन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बैठक के उद्देश्य पर विचार रखा।

बताया गया है कि पार्टी की ओर से सभी भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों से पहले ही कह दिया गया था कि अपने-अपने राज्यों में चल रही केंद्र सरकार की योजनाओं की अद्यतन स्थिति, उनकी सफलता और लागू करने में आ रही बाधा पर रिपोर्ट सहित प्रदेश सरकारों ने सभी वर्गों के कल्याण को लक्षित करते हुए जो भी योजनाएं और नवाचार शुरू किए हों उनका ब्योरा लेकर आएं। सभी मु.मंत्री और डिप्टी मु.मंत्री इस तैयारी के साथ पहुंचे हैं।

गौरतलब है कि इस तरह की बैठक कर एक दूसरे की अच्छी योजनाओं का अनुसरण करने को कहा जाता है। ऐसी ही एक बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण योजना के लिए पूरा ड्राफ्ट तैयार करने का निर्देश दिया था, जिसे अब केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों में क्रियान्वित किया गया है। बैठक में अपने नवाचार साझा करने का क्रम शनिवार को शुरू हो गया और रविवार को भी मुख्यमंत्री व उपमुख्यमंत्री अपने राज्यों के कार्यकलापों का प्रस्तुतीकरण करेंगे।

बैठक में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मध्य प्रदेश से डॉ. मोहन यादव, राजस्थान से भजनलाल शर्मा, उत्तराखंड से पुष्कर सिंह धामी, गुजरात से भूपेंद्र पटेल, छत्तीसगढ़ से विष्णुदेव साय, हरियाणा से नायब सिंह सैनी, असम से हिमंत बिस्वा सरमा पहुंचे।

ओडिशा से मु.मंत्री मोहन चरण माझी, त्रिपुरा से माणिक साहा, अरुणाचल प्रदेश से पेमा खांडू, गोवा से प्रमोद सावंत, मणिपुर से बिरेन सिंह, बिहार से उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और महाराष्ट्र से डिप्टी मु.मंत्री देवेंद्र फडणवीस समेत कई केंद्रीय मंत्री शामिल हो रहे हैं। संभावना है कि रविवार को सभी मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के मन की बात को भी एक साथ सुनें।

राहुल ने मोची को भेजा गिफ्ट

- **राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर में जिस मोची की गुमटी पर उससे मिलने गये थे, शनिवार को उन्होंने उस मोची के लिए जूते सिलने वाली मशीन भिजवा दी।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई। सुलतानपुर में अपने चिर-परिचित अंदाज में नजर आए राहुल गांधी की चर्चा इस समय शहर से लेकर गांव तक हो रही है। शुक्रवार को राहुल गांधी एक मुकदमे में एम.पी.-एम.एल.ए. कोर्ट में बयान दर्ज कराने आए थे। दिल्ली वापस लौटते समय वे गुप्तारगंज कस्बे के विधायकनगर में अचानक मोची चैतराम की दुकान पर रुक गए। उन्होंने मोची से जूता बनाने की विधि के बारे में पूछा और उनके साथ कोल्ड ड्रिंक पी। थोड़ी देर बातचीत की और आगे बढ़ गए। शनिवार को उन्होंने दिल्ली से अपनी टीम भेजकर मोची को जूता बनाने की मशीन भेज दी। बदले में मोची चैतराम ने भी राहुल गांधी को रिटर्न गिफ्ट दिया। मोची ने उपहार में चमड़े के दो जूते भिजवाए।

शनिवार को मोची चैतराम के पास दिन में करीब 11 बजे फोन आया कि आपको राहुल ने जूता बनाने की मशीन भिजवाई है।

पुतिन से हो चुकी बात अब यूक्रेन के प्रधानमंत्री से बात करने जायेंगे मोदी

यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने पर बातचीत के लिए प्र.मंत्री मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन की यात्रा पर जाने वाले हैं

- **प्रधानमंत्री मोदी की, लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी जीत के बाद प्रधानमंत्री ज़ेलैंस्की ने उन्हें बधाई दी थी और यूक्रेन की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था।**

नई दिल्ली, 27 जुलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2022 में रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद पहली बार अगले महीने कीव की यात्रा कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, प्र.मंत्री मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन जा सकते हैं। आपको बता दें कि करीब एक महीना पहले इटली में जी7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की मुलाकात हुई थी।

इटली में दोनों नेताओं को मिलते समय गले मिलते देखा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में लगातार तीसरी जीत के बाद ज़ेलेंस्की ने उन्हें बधाई दी थी और यूक्रेन की यात्रा करने के लिए आमंत्रित किया था।

प्रधानमंत्री की यूक्रेन की यात्रा से इसलिए भी युद्ध की समाप्ति के आसार बन रहे हैं क्योंकि वह रूस की यात्रा के ठीक बाद यूक्रेन की यात्रा करने वाले हैं। इससे पहले जेलेंस्की ने प्र.मंत्री मोदी से मध्यस्थता करने की अपील की थी।

इससे पहले सितंबर 2022 में उज्बेक शहर समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय बैठक में प्र.मंत्री मोदी ने कहा था, "आज का युग युद्ध का नहीं है।" उन्होंने पुतिन से यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए कहा। उनके संदेश को दुनिया का तमाम नेताओं से प्रशंसा मिली।

इस साल मार्च में राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की के साथ एक फोन कॉल में प्र.मंत्री मोदी ने भारत-यूक्रेन साझेदारी को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने इस दौरान संघर्ष के समाधान के लिए बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाने का आ ान किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हरसंभव प्रयास करता रहेगा।

युद्ध शुरू होने के बाद से ही भारत का मानना रहा है कि इसे केवल बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही सुलझाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि भारत किसी भी शांति प्रयास में योगदान देने के लिए तैयार है।

दिल्ली: कोचिंग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बेसमेंट में पानी भर गया है और कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि शाम को भारी बारिश के कारण सड़क पर जलभराव हो गया था। डीसीपी हर्षवर्धन ने कहा कि हम मामले की जांच कर रहे हैं कि पूरा बेसमेंट कैसे भर गया।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि बेसमेंट में बहुत तेजी से पानी भर गया और कुछ लोग बेसमेंट के अंदर फंस गए। दिल्ली फायर सर्विस और एनडीआरएफ की बचाव टीमें यहां मौजूद हैं। तलाशी और बचाव अभियान जारी है। अब तक दो स्टूडेंट्स की बॉडी बरामद हुई है।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आम चुनावों में मोदी अल्पमत में आ गये थे, उस समय आर.एस.एस. की योजना उनके स्थान पर किसी और नेता बनाने की थी।

लेकिन मोदी ने भाजपा या भाजपा संसदीय दल की मीटिंग ही नहीं बुलाई। इसके स्थान पर, उन्होंने एन.डी.ए. की मीटिंग बुलाई तथा एन.डी.ए. सदस्यों से अपना समर्थन करवा लिया।

यह बात स्वयं में कितनी महत्वपूर्ण है कि भाजपा संसदीय दल का कोई पत्र राष्ट्रपति के पास नहीं गया था तथा राष्ट्रपति ने भी इस प्रकार का कोई पत्र माँगना उचित नहीं समझा।

अब यह लड़ाई पूरी तरह खुले में आ गई है। मोहन भागवत और नरेन्द्र मोदी में इस समय खूली अनबन है।

यह देखना बड़ा दिलचस्प होगा कि कौन टिका रहता है और कौन बाहर कर दिया जाता है।

ऐसी सम्भावना है कि अगर संघर्ष की स्थिति बनती है तो आर.एस.एस. मूल के सांसदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाएगी।

ऐसी स्थिति में, जब मोदी-शाह योगी आदित्यनाथ से छुटकारा पाने के लिये पूरी-पूरी कोशिश एवं मेहनत कर रहे हैं तब योगी-प्रकरण क्या रूप लेता है, उससे यह स्पष्ट संकेत मिल जायेगा कि भाजपा की राजनीति किस दिशा में जा रही है।

अनंतनाग में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिन्हा ने दुखद सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया। सिन्हा ने कहा, आज अनंतनाग के डकसुम में एक दुर्भाग्यपूर्ण सड़क दुर्घटना में बहुमूल्य जिंदगियों के नुकसान के बारे में जानकर मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के साथ हैं। मैंने जिला प्रशासन को प्रभावित परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्रियों फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला, गुलाम नबी आजाद और महबूबा मुफ्ती सहित कई राजनीतिक नेताओं ने भी इस दुखद दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है।

जम्मू-कश्मीर में एक माह में नवां आतंकी हमला

शनिवार सुबह ही आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरु हो गई, जिसमें सुरक्षाबलों के तीन जवान घायल हो गये तथा एक जवान शहीद हो गया

- **सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक आतंकी को मारने में कामयाबी हासिल की है। संदेह जताया जा रहा है कि यह आतंकी पाकिस्तानी सेना का एस.एस.जी कमाण्डो हो सकता है।**

श्रीनगर, 27 जुलाई। जम्मू-कश्मीर के एल.ओ.सी. के पास वाले जिले कुपवाड़ा में आज सुबह सेना और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया है इसके साथ ही मेजर समेत तीन और जवानों के घायल होने की खबर है। इस मुठभेड़ में एक आतंकी के भी ढेर होने की खबरें सामने आई है। घायल सैनिकों घटनास्थल से निकाल कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। कुपवाड़ा में यह पिछले एक महीने में चौथी आतंक की घटना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जवान मुच्छल सेक्टर के कुमकाडी इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे तभी आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। सेना को कुमकाडी इलाके में आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद सैनिकों ने यह सर्च ऑपरेशन चलाया था। सेना के द्वारा और सैनिकों को भेजकर इन आतंकियों की तलाश की जा रही है। रक्षा सूत्रों के द्वारा मिली जानकारी के अनुसार इस हमले में पाकिस्तानी बैट(बॉर्डर एक्शन टीम) टीम का हाथ है। हमले में शामिल बैट टीम में पाकिस्तान के एसएसजी कमांडो सहित पाकिस्तान की नियमित सेना के सैनिक होने का संदेह है जो आतंकवादी संगठनों के साथ मिलकर काम करते हैं।

बुधवार को कुपवाडा जिले में ही सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई थी, जिसमें एक आतंकी मारा गया था। एक सैनिक भी घायल हो गया था। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर सेना की तरफ से बताया गया था कि आतंकियों की मौजूदगी के संबंध में खबर मिली थी।

नीति आयोग प्रकरण में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में भाग ले रही थीं। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक से एकमात्र ममता बनर्जी ही थीं, जिन्होंने नीति आयोग की बैठक में भाग लिया था जबकि अन्य ने यह आरोप लगाकर बैठक का बहिष्कार किया था कि केन्द्र ने बजट में उनकी मांगों की अनदेखी की है। विपक्ष की राजनीति में खुद को अलग-थलग पाकर ममता बनर्जी बैठक बीच में ही बायकॉट का नाटक किया।

प्रैस इन्फॉमेशन ब्यूरो, जिसने ममता बनर्जी के दावे का फैक्ट चैक किया था, ने बयान जारी किया कि ममता बनर्जी का दावा "भ्रामक" है। ब्यूरो ने कहा "ऑफिशियल क्लॉक" बता रही है कि वे अपने निर्धारित समय से ज्यादा देर बोली। यहां तक कि उनको टाइम खत्म होने की सूचना देने वाली घंटी भी नहीं बजाई गई। ममता बनर्जी का दावा था कि उनका माइक्रोफोन बंद कर दिया गया, जबकि वरिष्ठ नेता होने के नाते उनसे अच्छा व्यवहार किया जाना चाहिए। सत्य तो यह हे कि ममता बनर्जी विपक्ष से अलग-थलग पड़ गई हैं, अन्य नेताओं को ज्यादा तवज्जो मिल रही है।

इसके अलावा विपक्ष का सारा फोकस राहुल गांधी पर है। इसके अलावा अन्य विपक्षी दलों की राजनीति नहीं समझ पाने के कारण नीति आयोग की मीटिंग में शामिल होने वाली वही एकमात्र विपक्षी मुख्यमंत्री थीं, बाकी सब एन.डी.ए के सहयोगी दल थे। वह अक्सर अपनी वरिष्ठता का ढोल पीटती रहती हैं और यह बताती हैं कि वे कई बार सांसद चुनी जा चुकी हैं। प्रैस की सुर्खियों में आने के लिए नियमित रूप से वे ऐसी हरकते करती रहती हैं।

जे.डी.ए. सचिव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया गया कि परिवादी पी.आर.एन. का सफल आवंटी है, लेकिन उसे पी.आर.एन. में भूखंड का कब्जा नहीं दिया गया, जिस पर उसने उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। आयोग ने 26 जुलाई 2013 को फैसला देते हुए जे.डी.ए. पर 2500 रुपए हर्जाना लगाते हुए निर्देश दिया कि वह परिवादी को पी.आर.एन. में ही भूखंड दे। जे.डी.ए. ने आदेश की पालना करने के बजाय, इसे राज्य उपभोक्ता आयोग और बाद में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी, लेकिन दोनों ही जगह पर जे.डी.ए. हारा और जिला उपभोक्ता आयोग का फैसला बरकरार रखा गया। इस पर जे.डी.ए. ने राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी गत 13 फरवरी को जे.डी.ए. की एस.एल.पी. खारिज कर दी। इस पर परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में चल रहे अवमानना मामले में आदेश की पालना करवाने का आग्रह किया, जिस पर आयोग ने जे.डी.ए. सचिव के गिरफ्तारी वारंट व जे.डी.सी. के जमानती वारंट जारी कर उन्हें तलब किया है।

राजस्थान से...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रुप से डॉग मीट खाया जाता है, वहां भी मांस के लिए कुत्ते को मारना प्रतिबंधित है। बेंगलुरू पुलिस ने कहा कि राजस्थान से आने वाले मीट को मटन कहकर बेचा जा रहा है, जबकि वास्तव में, वो मटन नहीं है। यदि लैब परीक्षणों में इस बात की पुष्टी हो गई कि यह कुत्ते का मांस है तो आरोपियों के खिलाफ सख़्त कार्यवाही की जाएगी।

ममता बनर्जी ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोनों से मुलाकात की थी। मुख्य बात यह है कि बनर्जी ने कई बार इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों से भिन्न रुख अपनाया था, परन्तु मोटे तौर पर वह भाजपा का विरोध करने वाली ताकतों के साथ प्रतिबद्ध रही हैं। मनोज झा ने यह भी कहा कि "भाजपा यदि यह सोचती है तो यह उसकी गलतफहमी है कि विपक्षी समूह में समन्वय की कमी है। समन्वय है या नहीं है यह एक बिलकुल ही अलग बात है। परन्तु, सार यह है कि हब सब एकजुट हैं और एकसाथ खड़े हैं।"

महबूबा मुफ्ती ने अमित शाह से कश्मीर मसले पर खास अपील की

महबूबा मुफ्ती ने अमित शाह से कहा, आप कश्मीर और पी.ओ.के मसले पर शांति स्थापित करने के लिए दोंनो देशों के 20-20 प्रतिनिधियों की एक समिति बनाइये

- **महबूबा मुफ्ती ने अमित शाह से कहा कि राष्ट्र हित में वे अपना अहंकार त्याग दें और लाइन ऑफ कन्ट्रोल (एल.ओ.सी.) के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की बैठक कराएं, जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के दौरान किया था।**

श्रीनगर, 27 जुलाई। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर को वापस लाने के लिए पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक सुझाव दिया है। महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को क्षेत्र के मुद्दों पर चर्चा के लिए जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने का आव्हान किया। पीडीपी के 25वें स्थापना दिवस समारोह में महबूबा ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से प्रत्येक पक्ष के 20 प्रतिनिधियों की एक समिति बनाने की अपील की।

उन्होंने कहा, "अमित शाह कहते हैं कि वह कश्मीर (पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर) वापस लाएंगे, जबकि आप हम मुसलमानों से कहते हैं कि पाकिस्तान चले जाओ।" पीडीपी अध्यक्ष ने कहा, "हालांकि मेरा आपसे एक अनुरोध है। जब तक आप उस हिस्से को वापस नहीं लाते, तब तक इस कश्मीर और उस कश्मीर के प्रतिनिधियों की एक समिति बनाइए तथा हमें साथ लाइए। हम साल में दो बार एक साथ बैठेंगे और हमारे सामने आने वाले मुद्दों पर चर्चा करेंगे।"

उन्होंने शाह से कहा कि राष्ट्र के हित में वह अपना अहंकार त्याग दें और नियंत्रण रेखा (एलओसी) के दोनों ओर के लोगों के प्रतिनिधियों की बैठक कराएं जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के दौरान किया था। महबूबा ने कहा, "क्या आपमें हिम्मत है अमित शाह साहब? आप कहते रहते हैं कि आप उस कश्मीर को वापस लाएंगे। वह कश्मीर बहुत दूर है, उनके 20 प्रतिनिधि और हमारे 20 प्रतिनिधि लाइए और हमें एकसाथ बैठने दीजिए।" उन्होंने सवाल किया, "क्या आप ऐसा कर सकते हैं? क्या आपमें ऐसा करने की हिम्मत है? क्या आपमें वाजपेयी की तरह देशभक्ति है कि आप जम्मू कश्मीर के लिए अपने अहंकार का त्याग कर दें?" महबूबा ने देशभर की जेलों में बंद कश्मीरी युवाओं को रिहा करने का भी आव्हान किया।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908